

For PDFs – Join Our Telegram Channel



Abhiyaan



t.me/unacademyabhiyaan

Link

1

MY COURSES FOR MPPSC MAINS 2020 – “SGLIVE”

COMPLETE

1. Paper – IV
(Ethics)
2. Paper – V (Hindi)
3. Indian Polity
4. World Geography
5. Geology

2021

1. Indian Geography
2. Essay Writing
3. Indian Economy
4. Case Study
5. Public
Administration
6. Sociology
7. Environment
8. M.P.

2022

1. Science
2. Science &
Technology
3. History
4. Ethics
5. General Hindi

FEATURES

1. Focus on Syllabus |
पाठ्यक्रम आधारित
2. Complete Course |
संपूर्ण कोर्स
3. Bilingual | द्विभाषी
4. Notes | PDF
5. Question – Answer
Format

2

MPPSC & VYAPAM subscription

Choose a plan and proceed

⚠ No cost EMI available on 6 months & above subscription plans

<input type="radio"/> 1 month	₹1,600 per month	₹1,600 Total (Incl. of all taxes)
<input type="radio"/> 3 months 17% OFF	₹1,333 per month	₹4,000 Total (Incl. of all taxes)
<input type="radio"/> 6 months 25% OFF	₹1,200 per month	₹7,200 Total (Incl. of all taxes)
<input type="radio"/> 12 months 54% OFF	₹733 per month	₹8,800 Total (Incl. of all taxes)
<input checked="" type="radio"/> 24 months 67% OFF	₹533 per month	₹12,800 Total (Incl. of all taxes)

Extend subscription from 01 Jan 2021 to 01 Jan 2023

MPPSC & VYAPAM subscription

Choose a plan and proceed

⚠ No cost EMI available on 6 months & above subscription plans

<input type="radio"/> 1 month	₹1,440 per month	₹1,440 Total (Incl. of all taxes)
<input type="radio"/> 3 months 17% OFF	₹1,200 per month	₹3,600 Total (Incl. of all taxes)
<input type="radio"/> 6 months 25% OFF	₹1,080 per month	₹6,480 Total (Incl. of all taxes)
<input type="radio"/> 12 months 54% OFF	₹660 per month	₹7,920 Total (Incl. of all taxes)
<input checked="" type="radio"/> 24 months 67% OFF	₹480 per month	₹11,520 Total (Incl. of all taxes)

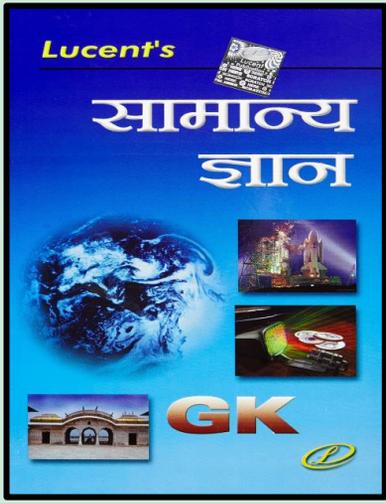
Extend subscription from 01 Jan 2021 to 01 Jan 2023

Awesome! You got 10% off



3

Decoding Lucent - Complete Lucent GK



H.W.

-
Just Solve MCQs



भारत का इतिहास

उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में समुद्र तक फैला यह उपमहाद्वीप भारतवर्ष के नाम से ज्ञात है, जिसे महाकाव्य तथा पुराणों में 'भारतवर्ष' अर्थात् 'भरत का देश' तथा यहाँ के निवासियों को भारती अर्थात् भरत की संतान कहा गया है। यूनानियों ने भारत को इंडिया तथा मध्यकालीन मुस्लिम इतिहासकारों ने हिन्द अथवा हिन्दुस्तान के नाम से संबोधित किया है।

प्राचीन भारतीय इतिहास | History of ancient India

नामकरण | Nomenclature

1) महाकाव्य / पुराणों | Epics / Puranas → भारतवर्ष | Bharatavarsh

↓

भारत का देश

↓

निवासियों

भारती / भरत की संतान

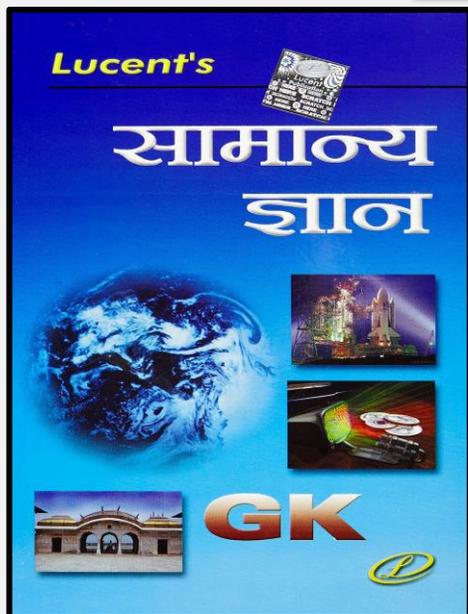
2) यूनानियों | Greeks :- इंडिया | India

3) मुस्लिम इतिहासकार | Muslim historian :- हिन्दुस्तान | Hindustan



4

पाठ्यक्रम | Syllabus



N.	विषय Subject
1.	इतिहास History
2.	भूगोल Geography
3.	भारतीय अर्थव्यवस्था Indian Economy
4.	भारतीय संविधान Indian Constitution
5.	भौतिक विज्ञान Physics
6.	रसायन विज्ञान Chemistry
7.	जीव विज्ञान Biology
8.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी Science and technology
9.	विविध Miscellaneous
10.	खेलकूद Sports
11.	कंप्यूटर Computer

5

इतिहास | History

भारत का इतिहास | History of India

विश्व का इतिहास | World History

1. प्राचीन इतिहास |
Ancient History

3. आधुनिक इतिहास
Modern History

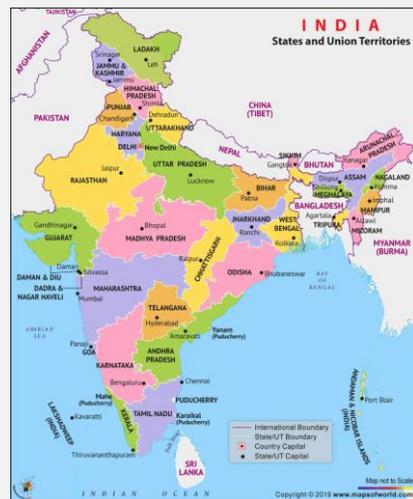
2. मध्यकालीन इतिहास
Medieval History

6

प्राचीन भारतीय इतिहास | History of ancient India

नामकरण | Nomenclature

- 1) महाकाव्य / पुराणों | Epics / Puranas → **भारतवर्ष | Bharatavarsh**
 ↓
 भरत का देश | Country of Bharat
 ↓ निवासियों
 भारती / भरत की संतान
- 2) यूनानियों | Greeks :- **इंडिया | India**
- 3) मुस्लिम इतिहासकार | Muslim historian :- **हिंदुस्तान | Hindustan**

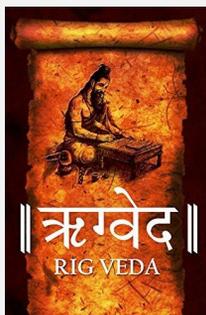


7

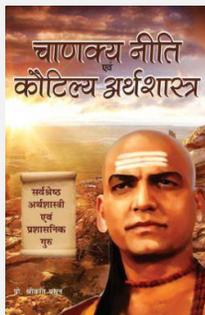
1. धार्मिक और ऐतिहासिक ग्रंथ | Religious and Historical Scripts

स्त्रोत | Sources

1. धर्म ग्रंथ | Religious Scripts



2. ऐतिहासिक ग्रंथ | Historical Scripts



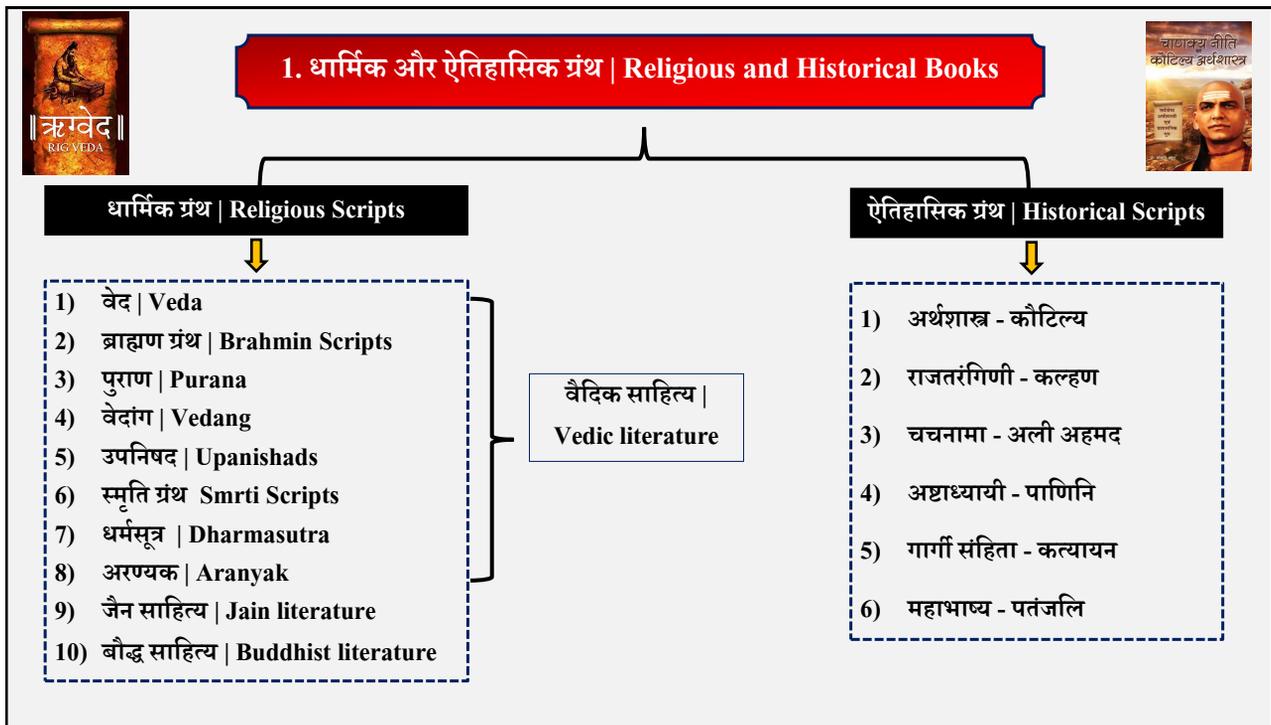
3. विदेशियों का विवरण | Records of foreigners



4. पुरातत्व संबंधी साक्ष्य | Archaeological Evidence



8



9



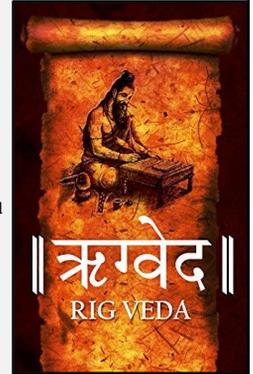
10

1.1) ऋग्वेद | Rigveda

1) अर्थ | Meaning :- ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान का संग्रह | Collection of systematic knowledge of rucha.

2) विभाजन

<ul style="list-style-type: none"> 1. 10 मंडल 10 Mandal 2. 1028 सूक्त Suktas 3. 10462 ऋचाएँ Rucha 	<ul style="list-style-type: none"> इंद्र - 250 अग्नि - 200 पढ़ने वाले ऋषि Sage reading :- होतृ Hotru
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



3) जानकारीयां | Information -

- I. आर्यों की राजनीतिक प्रणाली | Political system of Aryans
- II. विश्वामित्र द्वारा रचित तीसरा मंडल | Third Mandal composed by Vishwamitra



सूर्य देवता सावित्री को समर्पित "गायत्री मंत्र" का वर्णन Description of "Gayatri Mantra" dedicated to Sun God Savitri

11

III. आठवां मंडल | 8th Mandal :- हस्तलिखित ऋचाओं का वर्णन | Description of handwritten hymns



खिल | Khil

IV. 9 वां मंडल | 9th Mandal :- सोम देवता | God Som

V. दसवां मंडल | 10th Mandal :- चातुर्वर्ण्य समाज | Four Varna society



- चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र) | Four Varnas (Brahmin, Kshatriya, Vaishya and Shudra)



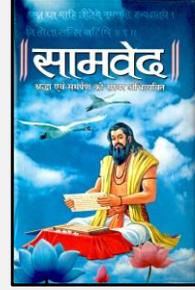
- धर्मसूत्र (जहां इनके कर्तव्यों का वर्णन किया गया) | Dharmasutra (where his duties were described)

➤ नोट :- प्राचीन इतिहास के साधन के रूप में वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद शतपथ ब्राह्मण का स्थान है | The Shatapatha Brahmin has a place in the Vedic literature after the Rigveda as a means of ancient history.

12

1.2) सामवेद | Samaveda

- 1) गाए जा सकने वाली ऋचाओं का संकलन | Veda of melodies and chants
- 2) भारतीय संगीत का जनक | Father of Indian Music
- 3) पाठकर्ता | Reader :- उद्रातृ | Udgatri



1.3) यजुर्वेद | Yajurveda

- 1) वैदिक कर्मकांड के नियमों का संकलन | Compilation of Vedic ritual rules
- 2) पाठकर्ता | Reader :- अध्वर्यु | Adhvaryu
- 3) विशेषता | Specialty :- यह गद्य एवं पद्य दोनों में है | It is both in prose and verse



13

1.4) अथर्ववेद | Atharvaveda

- 1) सबसे आखरी में रचित वेद | The last composed Veda

ऋग्वेद → सामवेद → यजुर्वेद → अथर्ववेद

- 2) रचयिता | Author :- अथर्वा ऋषि | Atharwa Rishi
- 3) जानकारियां | Information :-

- I. रोग निवारण, तंत्र-मंत्र, जादू-टोना, विवाह आदि | Disease prevention, tantra-mantra, witchcraft, marriage etc.
- II. सामान्य मनुष्यों के विचार विश्वास और अंधविश्वास | Common Man's Beliefs and Superstitions
- III. सभा और समिति - प्रजापति की दो पुत्रियां | Sabha and Samiti considered two daughter of Prajapati.
- IV. कन्याओं की जन्म की निन्दा | Blasphemy of the birth of Girls

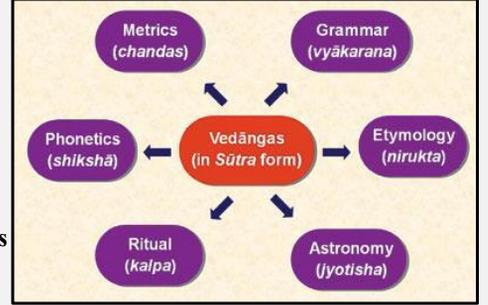


14

2. वेदांग / सूत्र साहित्य | Vedangas / Sutra Literature

- 1) वेदों को समझने हेतु रचित | Composed to understand Vedas
- 2) इनकी संख्या 6 है | Their number is 6

- I. शिक्षा | Phonetics – उच्चारण | Pronounced
- II. कल्प | Ritual - रस्म और समारोह | Ceremony
- III. व्याकरण | Grammar - व्याकरण | Grammar
- IV. निरूक्त | Etymology :- शब्दों की उत्पत्ति | Origin of words
- V. छंद | Metrics
- VI. ज्योतिष | Astrology



15

3. पुराण | Puranas

- 1) भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण | Best arranged description of Indian Historical Stories.
- 2) रचयिता | Composer :- लोमहर्ष व उनके पुत्र उग्रश्रवा | Lomharsh and his son Ugrashrawa.
- 3) अधिकांश पुराण संस्कृत श्लोक में रचित है | Most of the Puranas are composed in Sanskrit verses.
- 4) पुराणों का पाठ | Reader :- पुजारी | Pujari
- 5) स्त्री और शुद्र को इनके पाठन की अनुमति नहीं थी हालांकि वे उन्हें सुन सकते थे | Women and Shudra were not allowed to read them although they could hear them .



16

6) संख्या Number :- 18

↓
प्रमुख पुराण | Major Puraan's

- I. मत्स्यपुराण :- सबसे प्राचीन (आंध्र, सातवाहन)
- II. विष्णु पुराण :- मौर्य वंश
- III. वायु पुराण :- गुप्त वंश
- IV. ब्राह्मण पुराण :- पुरुवंश (महापुराण)
- V. भागवत पुराण :- श्री कृष्ण भक्ति

राजाओं की वंशावली | Lineage of kings



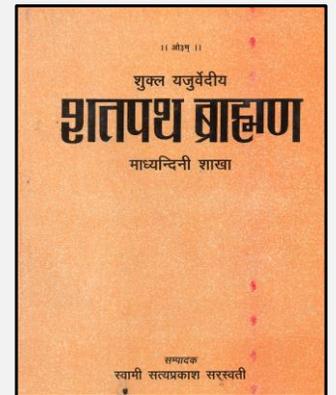
17

4. ब्राह्मण | Brahmin

- 1) यज्ञों और कर्मकांड के विधान | Yajnas and rituals
- 2) प्रमुख ब्राह्मण ग्रंथ | Major Brahmin Books



वेद	सम्बन्धित ब्राह्मण
1- ऋग्वेद	ऐतरेय ब्राह्मण, शांखायन या कौषीतकि ब्राह्मण
2- शुक्ल यजुर्वेद	शतपथ ब्राह्मण
3- कृष्ण यजुर्वेद	तैत्तिरीय ब्राह्मण
4- सामवेद	पंचविंश या ताण्ड्य ब्राह्मण, षडविंश ब्राह्मण, सामविधान ब्राह्मण, वंश ब्राह्मण, मंत्र ब्राह्मण, जैमिनीय ब्राह्मण
5- अथर्ववेद	गोपथ ब्राह्मण



➤ नोट :- शतपथ ब्राह्मण - स्त्री को पुरुष की अर्धांगिनी

18

5. अन्य वैदिक साहित्य | Other Vedic Literature

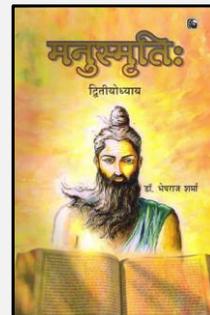
1) मैत्रेयनी :- स्त्री की सर्वाधिक गिरी हुई स्थिति | Woman's worst position



जुआ और शराब की भांति स्त्री को पुरुष का तीसरा मुख्य दोष है | Like gambling and alcohol, a woman has the third main fault of the man.

2) मनुस्मृति | Manu Smriti :-

- I. सबसे प्राचीन स्मृतिग्रंथ | Oldest Smriti Books
- II. शुंग काल का ग्रंथ | Sunga Books



3) नारद स्मृति | Narada Smriti :- गुप्त युग की जानकारी | Information about the Gupta era

19

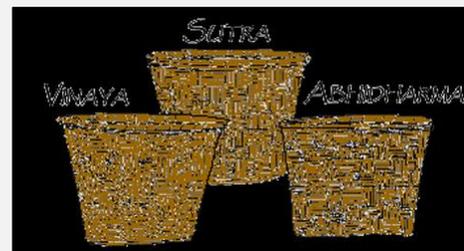
6. बौद्ध साहित्य | Buddhist literature

1) जातक | Jaatak :- बुद्ध के पूर्व जन्म की कहानी | The story of buddha's pre-natal

2) त्रिपिटक | Tripitak :-

- 1) विनयपिटक, सूत्रपिटक, अभिदम्भपिटक
- 2) भाषा | Language :- पाली | Pali

3) हीनयान का प्रमुख ग्रंथ | The main book of Heinyan :- कथावस्तु



महात्मा बुद्ध का जीवन चरित्र | Life character of Mahatma Buddha



20

7. जैन साहित्य | Jain literature

1) जैन साहित्य को **आगम** कहते हैं | Jain literature is called Agam.

- 2) प्रमुख साहित्य
- I. **भगवतीसूत्र :-** स्वामी महावीर के जीवन कृत्य | Mahavir's life
 - II. **कल्पसूत्र :-** जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास | Early history of jainism
 - III. 12 अंग | 12 Angas



21

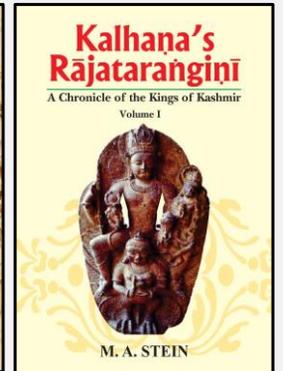
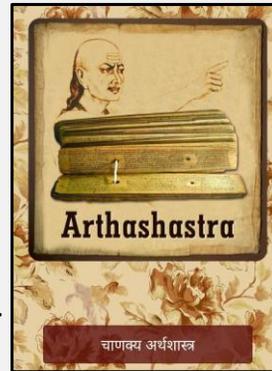
8. ऐतिहासिक ग्रंथ Historical Books

1) **अर्थशास्त्र | Arthashastra**

- I. लेखक Author :- चाणक्य (विष्णुगुप्त / कौटिल्य)
- II. विषय | Subject :- मौर्यकालीन राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति | Mauryan political, social, economic status
- III. संरचना :- 15 अधिकरण (Parts) 180 प्रकरण (Chapters)
- IV. भाषा | Language :- संस्कृत | Sanskrit

2) **राजतरंगिणी | Rajatarangini**

- I. लेखक Author :- कल्हण
- II. भाषा Language :- संस्कृत | Sanskrit
- III. विषय | Subject :- कश्मीर का इतिहास | History of Kashmir

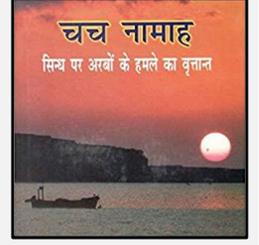


संस्कृत साहित्य में ऐतिहासिक घटनाओं को क्रमबद्ध लिखने का प्रथम प्रयास | First attempt to write historical events in Sanskrit literature

22

3) चचनामा (Chach Nama/Fateh nama Sindh) -

- I. लेखक Author :- अली अहमद
- II. विषय | Subject :- अरबों की सिंध विजय | Sindh conquest of Arabs
- III. भाषा Language :- फारसी | Persian



4) अष्टाध्यायी (Ashtadhyayi) -

- I. लेखक Author :- पाणिनि
- II. विशेषता | Specialty :- संस्कृत व्याकरण का प्रथम ग्रंथ | First book of Sanskrit grammar
- III. विषय | Subject :- मौर्य पूर्व और मौर्य युगीन राजनीतिक व्यवस्था की जानकारी | Knowledge of the pre-Mauryan and Mauryan era political system



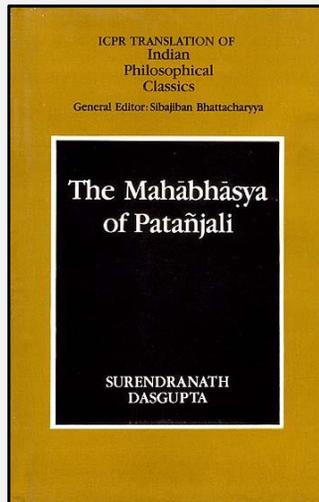
5) गार्गी संहिता (Gargi Samhita) -

- I. लेखक Author :- कत्यायन
- II. विषय | Subject {
 1. ज्योतिष | Astrology
 2. भारत पर होने वाले यवन (Greek) आक्रमण की जानकारी

23

6) महाभाष्य (Mahabhashya) -

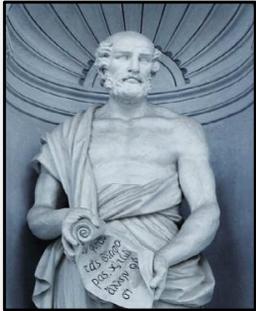
- I. लेखक Author :- पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित पतंजलि | Patanjali, the priest of Pushyamitra Sunga
- II. विषय | Subject :- शुंगों की जानकारी | Information about sungas



24

2. विदेशी यात्रियों का विवरण | Records of foreign travellers

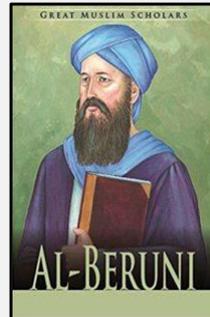
1. यूनानी – रोमन लेखक |
Greek - Roman writer



2. चीनी लेखक | Chinese
writer



3. अरबी लेखक | Arabic
writer



4. अन्य लेखक | Other
authors



25

2. 1) यूनानी – रोमन लेखक | Greek - Roman writer

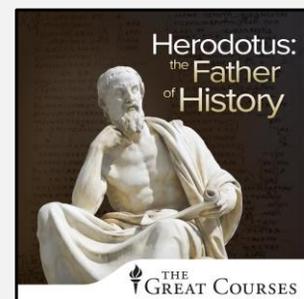
➤ प्रमुख लेखक :- टेसियस, हेरोडोटस, मेगास्थनीज, डाइमेकस

1. टेसियस | Ctesias

- I. यह ईरान का राजवैद्य था | He was the royal physician of Iran
- II. भारत के संबंध में इसका विवरण आश्चर्यजनक कहानियों से परिपूर्ण होने के कारण अविश्वसनीय है | Its description in relation to India is incredible as it is full of amazing stories.

2. हेरोडोटस | Herodotus

- I. 'इतिहास का पिता' | 'Father of history'
- II. पुस्तक :- हिस्टोरिका | Book: - Historica



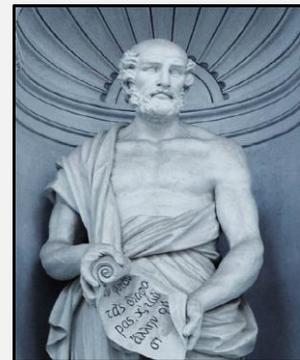
26

3. मेगास्थनीज | Megasthenes

1. सेल्युकस निकेटर का राजदूत | Seleucus Nicator's Ambassador
2. चन्द्रगुप्तमौर्य के राजदरबार में आया | Came to the court of Chandragupta
3. पुस्तक :- इण्डिका | Book: - Indica



मौर्यकालीन व्यवस्था की जानकारी | Mauryan system information



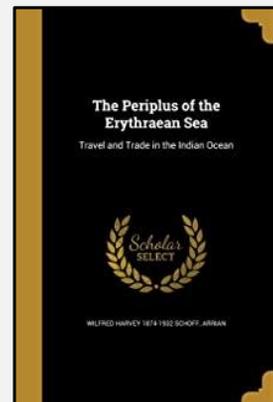
27

<p>4. डाइमेकस Deimachus</p>	<p>1) सीरियन नरेश आन्तियोकस का राजदूत Ambassador of Syrian King Antiochus</p> <p>2) बिन्दुसार के राजदरबार में आया Came to Bindusara's court</p>	
<p>5. डायोनिसियस Dionysus</p>	<p>1) मिस्र नरेश टॉलमी फिलेडेल्फस का राजदूत Ambassador of Egypt King Ptolemy Philadelphia</p> <p>2) अशोक के राजदरबार में आया Came to ashoka's court</p>	
<p>6. टॉलमी Ptolemy</p>	<p>■ दूसरी शताब्दी में 'भारत का भूगोल' नामक पुस्तक लिखी Wrote a book called 'Geography of India' in the second century</p>	
<p>7. प्लिनी Pliny</p>	<p>1) पुस्तक Books :- 'नेचुरल हिस्ट्री' 'Natural history'</p> <p>2) भारतीय वनस्पति और जीवों की जानकारी Knowledge of Indian flora and fauna</p>	

28

8. पेरिप्लस ऑफ द इरिथियन सी | Periplus of the Erythraean Sea

- I. लेखक | Author :- अज्ञात | Anonymous
- II. 80 AD के समय में भारतीय बंदरगाहों की जानकारी | Knowledge of Indian ports at the time of 80 AD



- नोट :- सिकन्दर के साथ आनेवाले लेखकों में नियाकस, आनेसिक्रटस तथा आस्टिबुलस के विवरण अधिक प्रामाणिक एवं विश्वसनीय हैं | Among the authors accompanying Alexander, the descriptions of Niakas, Aneescritus and Astiobulus are more authentic and reliable.

29

2.2) चीनी लेखक | Chinese writer

- प्रमुख लेखक :- फाहियान, संयुगन, ह्वेनसांग ,

1) फाहियान (Fa-Hien)

1. संबंधित राजा | Related king :- गुप्त राजा चंद्रगुप्त द्वितीय
2. पुस्तक | Book :- Foguoji (बौद्ध राज्यों का अभिलेख | Buddhist kingdoms records)
3. जानकारी | Information :- गुप्तकाल, विशेषकर मध्य प्रदेश की समाज और संस्कृति | Gupta period, especially society and culture of Madhya Pradesh



मध्य प्रदेश की जनता को खुशी और समृद्धि बताया | Described happiness and prosperity of the people of Madhya Pradesh



30

2) संयुगन (Sung Yun)

1. यह 518 ई. में भारत आया | It came to India in 518 AD
2. इसने अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध धर्म की प्राप्तियाँ एकत्रित कीं | It collected the proceeds of Buddhism in its three years of travel.



3) ह्वेनसांग (Hiuen Tsang / Xuan Zang /Hun Sang)

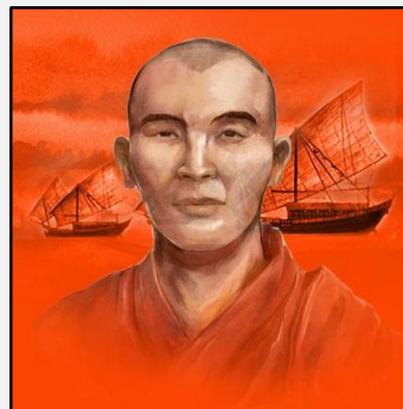
1. यात्रा | Journey :- 629 AD से 645 AD
 2. शासनकाल | Reign :- हर्षवर्धन | Harshavardhana
 3. पुस्तक | Book :- सि-यू-की | Si-yu-ki
 - I. हर्षकालीन व्यवस्था | Harshavardhana's system
 - II. 138 देशों का विवरण | Description of 138 countries
 4. विशेष | Special :- बिहार में स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन और अध्यापन का कार्य किया | Worked in teaching and teaching at Nalanda University, Bihar
- ↓
- समकालीन कुलपति | Contemporary patriarch :- आचार्य शीलभद्र | Acharya Shilabhadra



31

4) इत्सिंग | Itsing

1. सातवीं सदी के अंत में भारत आया एक चीनी यात्री और अनुवादक | A Chinese traveler and translator arrived in India at the end of the seventh century
2. जानकारी | Information :- समकालीन भारत, नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय | Contemporary India, Nalanda and Vikramashila Universities



फाहियान → संयुगन → ह्वेनसांग → इत्सिंग

32

2.3) अरबी लेखक | Arabic writer

➤ प्रमुख लेखक | Major author :- अलबरूनी , इब्नबतूता

1) अलबरूनी (Al-Biruni)

1. महमूद गजनवी के साथ भारत आने वाला **अरबी लेखक | Arabian writer** coming to India with Mahmud Ghaznavi
2. **पुस्तक | Book :-** किताब-उल-हिंद / तहकीक-ए-हिंद / भारत की खोज (Kitāb - al-Hind/Taḥqīq-al-Hind)
3. **भाषा | Language :-** अरबी | Arabian (80 अध्याय | Chapter)
4. **जानकारी | Information :-**
 - I. धर्म, दर्शन, त्यौहार, खगोल विज्ञान | Religion, Philosophy, Festivals, Astronomy
 - II. समाज, तंत्र-मंत्र | Society, Tantra-Mantra,
 - III. राजपूत कालीन राजनैतिक और सामाजिक स्थितियां | Rajput period political and social conditions



33

2) इब्नबतूता (Ibn Battuta)

1. मोहम्मद बिन तुगलक के समकालीन एवं **मोरक्को यात्री, लेखक और खोजी** | Mohammed bin Tughluq's contemporary and Moroccan traveler, writer and explorer
2. **पुस्तक / यात्रा वृतांत :-** रिहला | Rihla (अरबी भाषा में | In Arabian language)
3. **जानकारी | Information :-**
 - I. 14 वीं सदी की भारतीय परिस्थितियां | 14th century Indian conditions
 - II. दिल्ली सल्तनत की जानकारी | Information of Delhi Sultanate
4. **विशेष | Special :-**
 - I. 1333 में मोहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को दिल्ली का काजी / न्यायाधीश बनाया | In 1333, Mohammed bin Tughlaq made Ibn Battuta the Qazi / Judge of Delhi.



34

2. 4) अन्य लेखक | Other authors

तारानाथ | Taranath



- 1) तिब्बती लेखक | Tibetan writer
- 2) पुस्तक | Book :- कंग्यूर / तंग्यूर | Kangyur / Tangyur



मार्कोपोलो | Marco Polo



- 1) 13 वीं सदी के अंत में पाण्ड्य राज्य की यात्रा | Visit of Pandya kingdom at the end of 13th century (इटली का यात्री)
- 2) पाण्ड्य इतिहास की जानकारी | Pandya history information



35

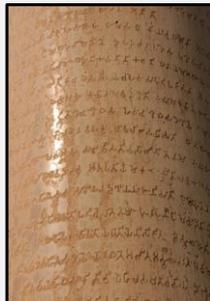
3. पुरातत्व संबंधी स्रोत | Archaeological Sources

1. अभिलेख | Inscription
| Epigraph | Edicts



अध्ययन | Study - इपीग्राफी |
Epigraphy

2. स्तंभलेख | Pillar Edicts /
Pillar Inscription



3. सिक्के और अन्य | Coins
and others



36

3.1) महत्वपूर्ण अभिलेख और स्तंभलेख | Important Inscription and Pillar / Edicts

अभिलेख	शासक Ruler	जानकारी Information
1. हाथीगुम्फा अभिलेख (तिथि रहित अभिलेख)	कलिंग राज खारवेल	सर्वप्रथम 'भारतवर्ष' का जिक्र First mention of 'Bharatvarsha'
2. जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख	रुद्रदामन	
3. नासिक अभिलेख शासक	गौतमी बलश्री	
4. प्रयाग स्तम्भ लेख	समुद्रगुप्त	
5. ऐहोल अभिलेख	पुलकेशिन-II	
6. मन्दसौर अभिलेख	मालवा नरेश यशोवर्मन	रेशम बुनकरों की श्रेणी Silk weavers category

37

7. ग्वालियर अभिलेख	प्रतिहार नरेश भोज	
8. भितरी एवं जूनागढ़ अभिलेख	स्कन्दगुप्त	भारत पर होने वाले हूण आक्रमण Huon invasion of India
9. देवपाड़ा अभिलेख	बंगाल शासक विजयसेन	
10. वेसनगर (विदिशा) गरुड़ स्तंभ	होलियोडोरस	मध्य भारत में भागवत धर्म विकसित होने का प्रमाण Evidence of the development of Bhagwat religion in central India
11. एरण अभिलेख	भानुगुप्त	सती-प्रथा का पहला लिखित साक्ष्य First written evidence of sati
12. एशिया माइनर बोगाज़कोई अभिलेख (1400 BC)	वैदिक देवता मित्र, वरुण, इंद्र, नासत्य का उल्लेख Mention of Vedic God Friend, Varuna, Indra, Nasatya

38



39

3.2) सिक्के और अन्य | Coins and others

- 1) **प्राचीनतम सिक्के | Oldest coins :-** आहत सिक्के (Aahat Coins), काषार्पण, पंचमार्क सिक्के (Punch-marked coins)



धातु के टुकड़े पर विशेष ठप्पा लगाकर निर्मित | Made with a special stamp on a piece of metal

- 2) **सर्वप्रथम सिक्कों पर लेख | First article on coins :-** यवन (Greek) शासक
- 3) **समुद्रगुप्त की वीणा बजाती हुई मुद्रा वाले सिक्के से उसके संगीत-प्रेमी होने का प्रमाण मिलता है | Samudragupta's coin playing the Veena gives evidence of his love for music.**
- 4) **अरिकमेडू (पुदुचेरी के निकट) से रोमन सिक्के प्राप्त हुए हैं | Roman coins have been received from Arikamedu (near Puducherry)**

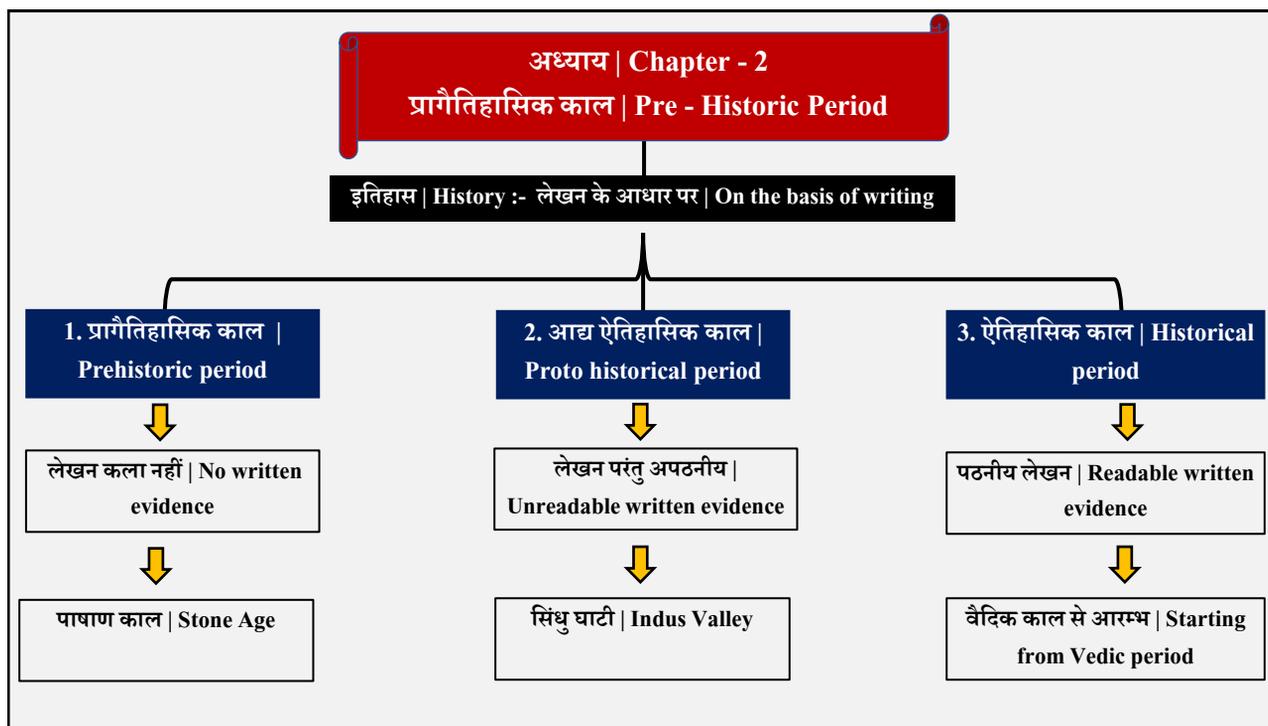


40

➤ नोट :- सबसे पहले भारत के संबंध बर्मा (सुवर्णभूमि - वर्तमान में म्यांमार), मलाया (स्वर्णद्वीप), कंबोडिया (कंबोज) और जावा (यवद्वीप) से स्थापित हुए | India's relations were first established from Burma (Suvarnabhumi - present-day Myanmar), Malaya (Swarnadweep), Cambodia (Kamboj) and Java (Yavadweep).



41



42

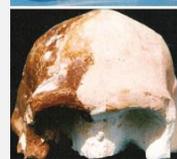
1. साक्ष्य | Evidence

- 1) 'ज्ञानी मानव' (होमोसैपियंस) का प्रवेश इस धरती पर आज से लगभग 30 या 40 हजार वर्ष पूर्व हुआ | The entry of the homosapien occurred on this earth about thirty or forty thousand years ago.
- 2) भारत का प्राचीनतम मानवाभ कपि | India's oldest human ape :- श्वेत गिबन (असम)
- 3) भारत में मनुष्य का प्रथम प्रमाण | First Evidence of man in India :- नर्मदा घाटी | Narmada Valley
- 4) रॉबर्ट ब्रुस फुट :- भारत में पुरापाषाण कालीन औजारों की खोज | Palaeolithic tools discovered in India (1863)



पुरापाषाण औजार | Palaeolithic tools :- पत्थर | Stone

- 5) प्रथम पुरापाषाण कलाकृति | First Palaeolithic Artwork :- पल्लवरम (तमिलनाडु) | Polavaram (Tamil Nadu)
- 6) भारत का प्राचीनतम नगर | The oldest city of India :- मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला) | Mohenjo-Daro (Mound of the dead)



43

2. प्रागैतिहासिक काल | Prehistoric period

पाषाण काल | Stone Age

1. पुरापाषाण काल |
Palaeolithic Age

2. मध्य पाषाण | Mesolithic
Age

3. नवपाषाण काल
Neolithic Age



1. मानव | Human :- आखेटक संग्राहक | Hunter Gatherer
2. आग का आविष्कार | Invention of fire



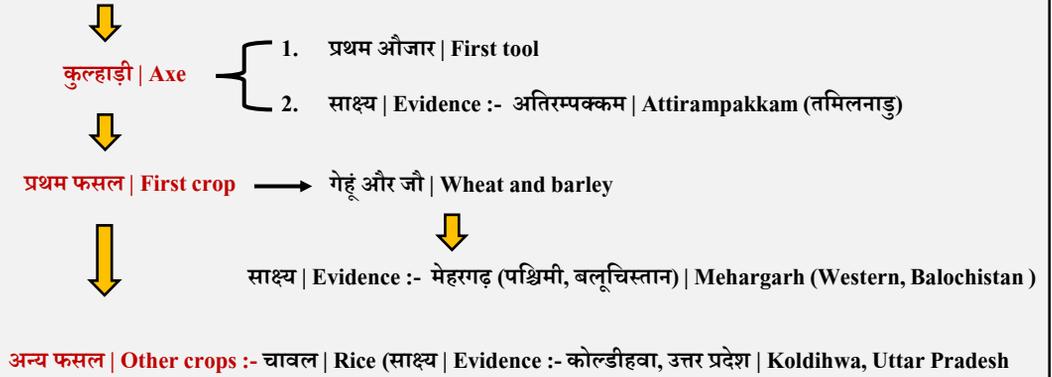
1. पहिए का आविष्कार | Invention of Wheel
2. कृषि का आविष्कार | Invention of agriculture
3. स्थाई निवास | Permanent Residence
4. पशुपालन (कुत्ता प्रथम पालतू जानवर) | Animal Husbandry (Dog first pet)

44

3. कृषि और औजार | Agriculture and Tools

1) अविष्कार | **Invention** :- नवपाषाण काल | Neolithic / New Stone Age

2) औजार | **Tools** :- ताबे का औजार | Copper tools



45

4. बर्तनों के आधार पर प्राचीन संस्कृतियां / पूर्व हड़प्पा स्थल | Ancient cultures / pre-Harappan sites On the basis of Pottery

संस्कृति Cultures	बर्तन / विशेष Pottery / Special
1. मालवा Malwa	काला तथा लाल Black and red
2. बुर्जहोम Burjholm	धूसर Gray
3. जोखे Jokhe	लाल Red
4. दक्षिणी नवपाषाण Southern Neolithic	चमकीला धूसर Bright gray
5. पूर्वी नवपाषाण Eastern Neolithic	भूरा लाल Brown red
6. जोर्वे संस्कृति Jorwe culture	1. ताम्र पाषाण संस्कृति 2. इनामगांव नामक बस्ती Inamgaon Called colony

46

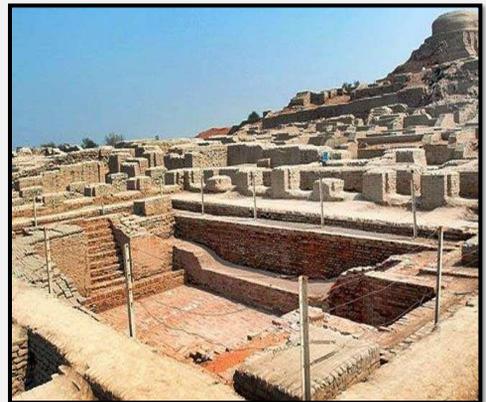
- नोट :- भारतीय नागरिक सेवा के अधिकारी रिजले प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने प्रथम बार वैज्ञानिक आधार पर भारत की जनसंख्या का प्रजातीय विभेदीकरण किया | Rizley, an officer of the Indian Civil Service, was the first person to racialize the population of India on scientific basis for the first time.

47

अध्याय | Chapter - 03 सिंधु घाटी सभ्यता | Indus Valley Civilization

1. सामान्य जानकारी | General Information

- 1) 2400 से 1700 BC के मध्य विकसित नगरीय, आद्य ऐतिहासिक काल | और कांस्ययुगीन सभ्यता | The urban, protohistoric and bronze age civilization developed between 2400 and 1700 B.C.
- 2) मुख्य निवासी | Primary Resident:- द्रविड़ और भूमध्यसागरीय | Dravidian and Mediterranean



48

3) नामांकन और खोजकर्ता | Nomenclature and Discoverer :-

- 1) रायबहादुर दयाराम साहनी | Raibahadur Dayaram Sahni → 1921 में रावी के किनारे स्थित हड़प्पा की खोज | The discovery of Harappa on the banks of Ravi in 1921



हड़प्पा सभ्यता | Harappan Civilization

- 2) राखल दास बनर्जी | Rakhal Das Banerjee → 1922 में सिंधु के किनारे स्थित मोहनजोदड़ो की खोज | The discovery of Mohenjodaro on the banks of the Indus in 1922

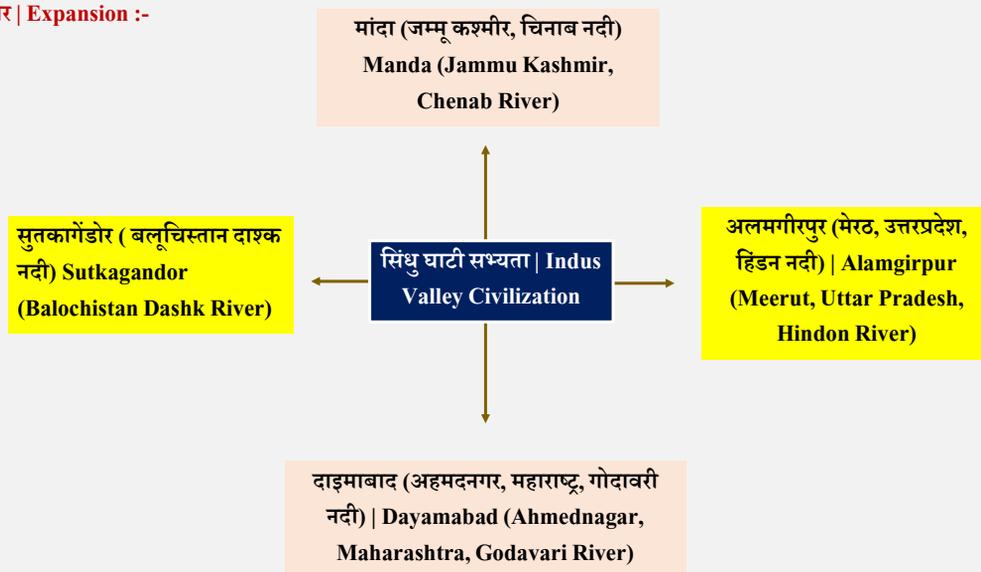


सिंधु घाटी सभ्यता | Indus Valley Civilization

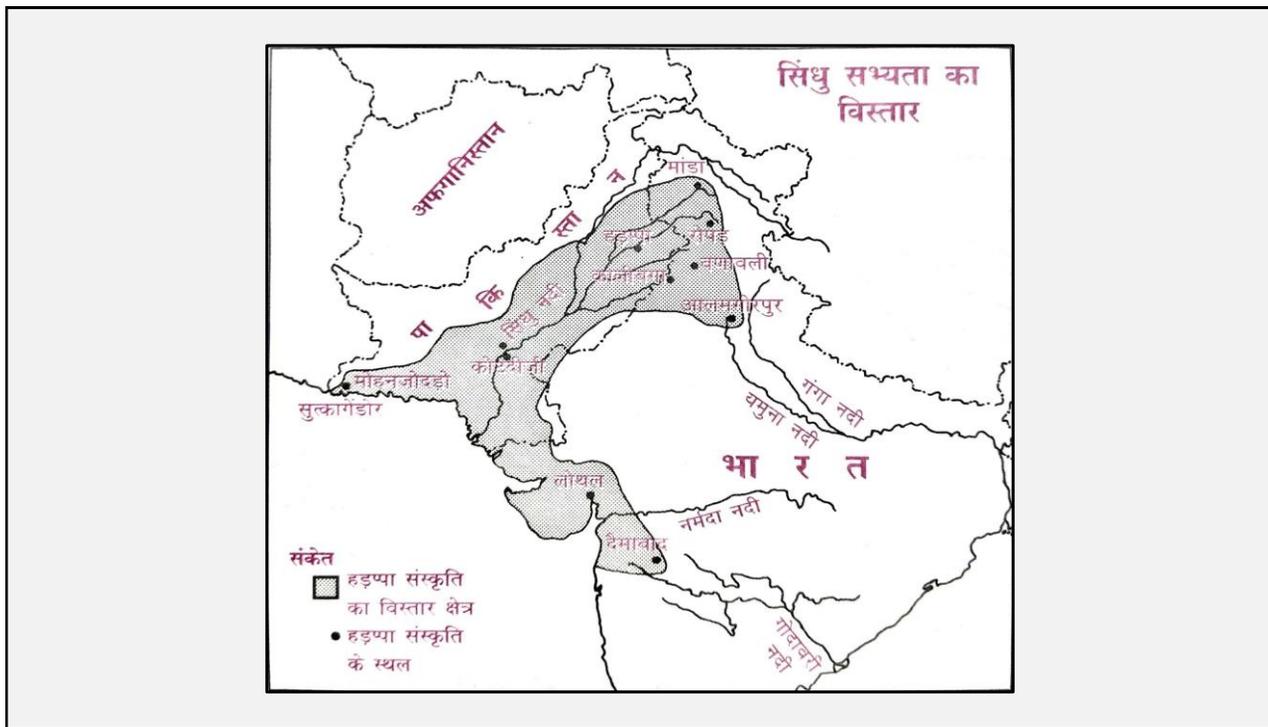
- 3) मेसोपोटामिया के अभिलेख | Mesopotamia edict :- “मेलूहा शब्द | Meluha word”

49

4) विस्तार | Expansion :-



50



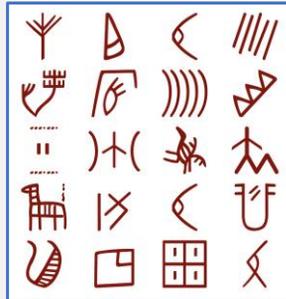
51

5) एक नगरीय सभ्यता | An urban civilization :- छह बड़े नगर | Six Large Town

↓

- 1) मोहनजोदड़ो | Mohenjodaro
- 2) हड़प्पा | Harappa
- 3) गणवारीवाला | Ganwariwala
- 4) धौलावीरा | Dholavira
- 5) राखीगढ़ी | Rakhigarhi
- 6) कालीबंगन | Kalibangan





5) लिपि | Script → भावचित्रात्मक | Pictographic script

I. दाएं से बाएं | Right to Left

II. अपठनीय | Unreadable :- आद्य ऐतिहासिक काल | Proto historical period

52

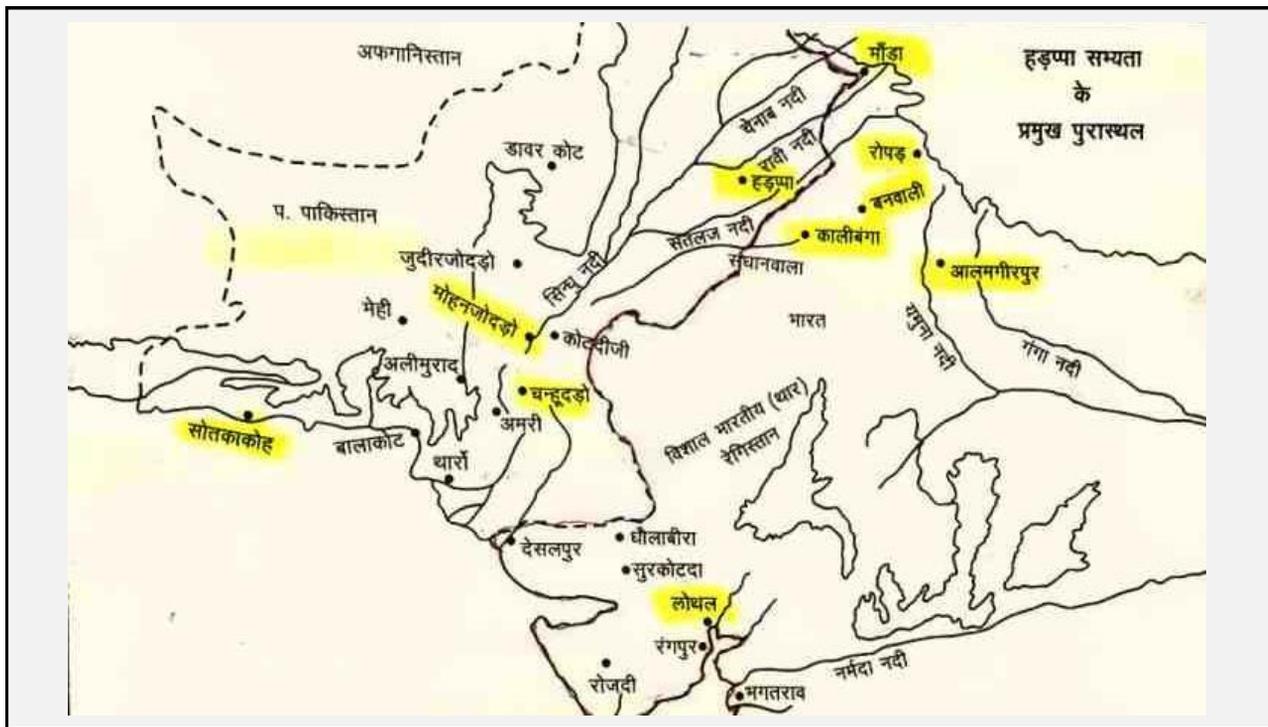


53

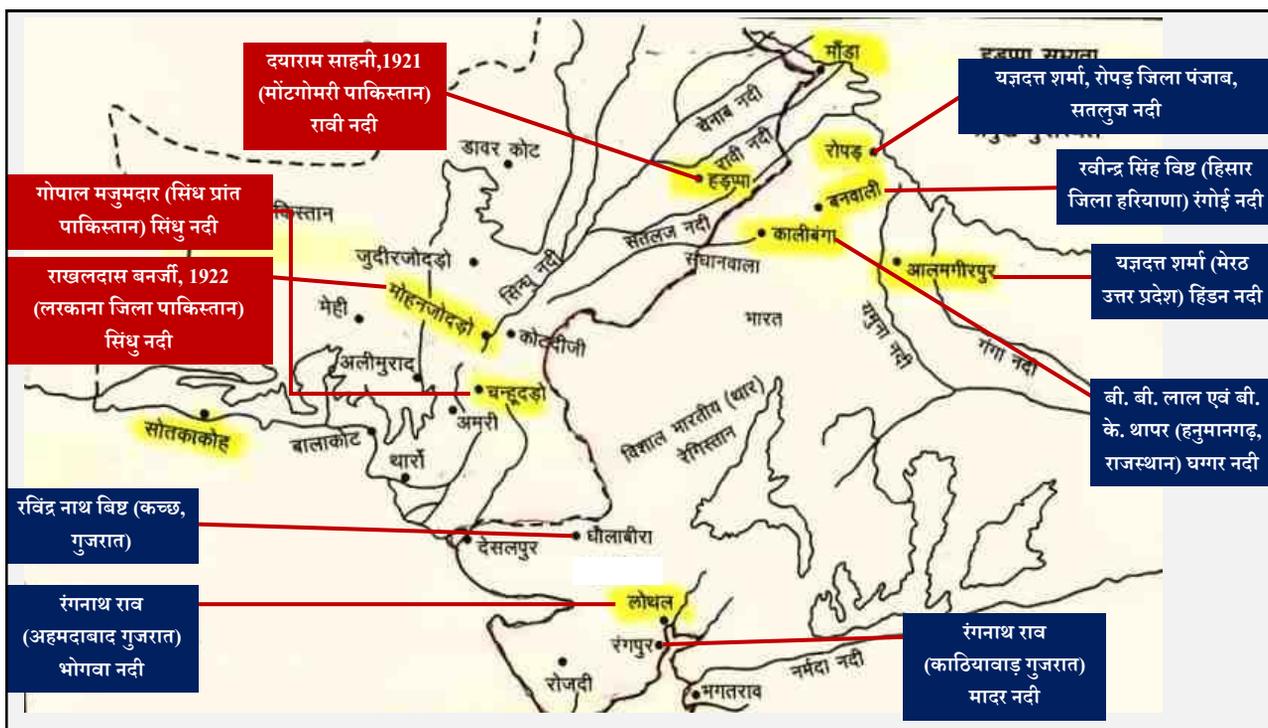
2. प्रमुख स्थान | Major Site

सैथव सभ्यता के प्रमुख स्थल : नदी, उत्खननकर्ता एवं वर्तमान स्थिति					
क्र.	प्रमुख स्थल	नदी	उत्खननकर्ता	वर्ष	स्थिति
1.	हड़प्पा	रावी	दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स	1921	पाकिस्तान का मोंटगोमरी जिला
2.	मोहनजोदड़ो	सिन्धु	राखालदास बनर्जी	1922	पाकिस्तान के सिंध प्रांत का लरकाना जिला
3.	चन्द्रदड़ो	सिन्धु	गोपाल मजुमदार	1931	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)
4.	कालीबंगन	घग्घर	बी. बी. लाल एवं बी. के. थापर	1953	राजस्थान का हनुमानगढ़ जिला
5.	कोटदीजी	सिन्धु	फजल अहमद	1953	सिंध प्रांत का खैरपुर स्थान
6.	रंगपुर	मादर	रंगनाथ राव	1953-54	गुजरात का काठियावाड़ जिला
7.	रोपड़	सतलज	यज्ञदत्त शर्मा	1953-56	पंजाब का रोपड़ जिला
8.	लेथल	भोगवा	रंगनाथ राव	1955 एवं 1962	गुजरात का अहमदाबाद जिला
9.	आलमगीरपुर	हिन्दन	यज्ञदत्त शर्मा	1958	उत्तर प्रदेश का मेरठ जिला
10.	सुतकोगेडोर	दाश्क	ऑरिज स्टाइल, जार्ज डेल्लस	1927 एवं 1962	पाकिस्तान के मकरान में समुद्र तट के किनारे
11.	बनमाली	रंगोई	रवीन्द्र सिंह विष्ट	1974	हरियाणा का हिसार जिला
12.	धौलावीरा	—	रवीन्द्र सिंह विष्ट	1990-91	गुजरात के कच्छ जिला

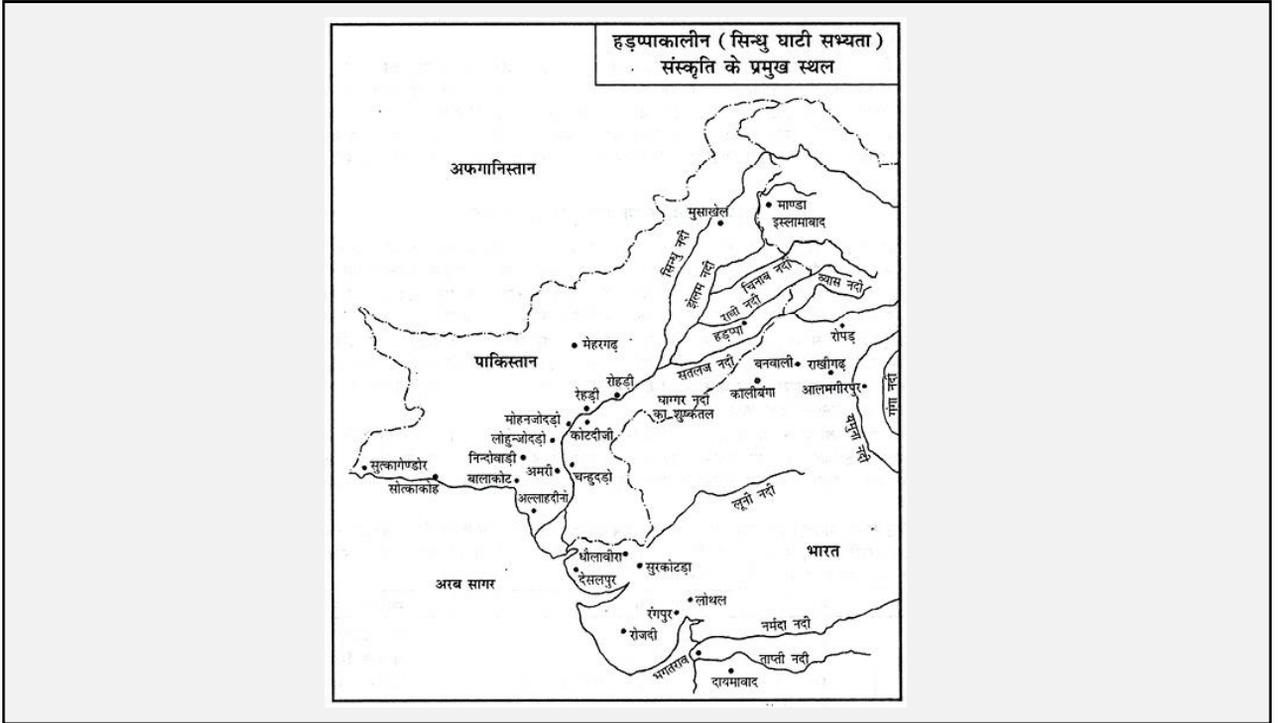
54



55



56



57

3. विशेषताएं | Characteristics



1) नगरीय विशेषताएं | Urban Characteristics :-

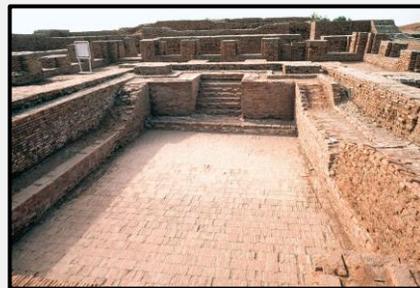
- I. ग्रीड पद्धति पर निर्मित नगर | City built on grid system
- II. सुव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था | Well-run drainage system
- III. पकी और अलंकृत ईंट (कालीबंगन) का प्रयोग | Use of burnt clay bricks and ornate brick (Kalibangan)
- IV. घरों के दरवाजे और खिड़कियाँ सड़क की ओर न खुलकर पिछवाड़े की ओर खुलते थे। केवल लोथल नगर के घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की ओर खुलते थे | The doors and windows of the houses used to open towards the backyard rather than towards the road. Only the doors of Lothal city's houses opened towards the main road.
- V. शहर उच्च और निम्न भाग में वर्गीकृत | City classified into Upper and lower part
- VI. उच्च भाग | Upper part :- किलाबंद | Fortification



अपवाद | Exception :- कालीबंगा (दोनों भागों में किलेबंदी) | Kalibanga (fortifications in both parts)

58

VII. मोहनजोदड़ो से प्राप्त वृहत स्नानागार एक प्रमुख स्मारक हैं, जिसके मध्य स्थित स्नानकुंड 11.88 मीटर लम्बा, 7.01 मीटर चौड़ा एवं 2.43 मीटर गहरा है | The large great baths obtained from Mohenjodaro are a major monument, between which the bath bath is 11.88 meters long, 7.01 meters wide and 2.43 meters deep.



2) कृषि और पशुपालन | Agriculture and Animal Husbandry

I. जुते हुए खेत | Ploughed fields :- कालीबंगन | Kalibangan

II. प्रमुख फसल | Major crop :- गेहूं और जौ | Wheat and barley

III. लोथल और रंगपुर से चावल के साक्ष्य | Evidence of rice from Lothal and Rangpur

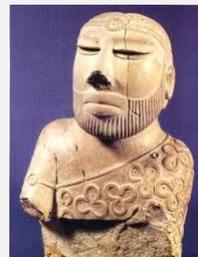
IV. अन्नागार | Granary

- 1. अधिशेष उत्पादन | Surplus production
- 2. विकसित कृषि | Developed agriculture
- 3. मोहनजोदड़ो का अन्नागार सेंधव सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत | The largest building of the civilization – Warehouse of Mohenjodaro

59

V. पशुपालन | Animal husbandry

- 1. बैल, भैंस | Bull, buffalo
- 2. घोड़े के प्रमाण सुतकोटदा, कालीबंगा और लोथल से | Horse evidence from Sutkotada, Kalibanga and Lothal



3) धार्मिक विशेषताएं | Religious Characteristics :-

I. स्पष्ट जानकारी का अभाव है | Lacks clear information

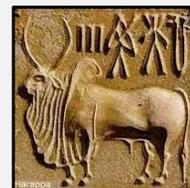
II. मन्दिर के अवशेष नहीं | No remains of temple

III. मातृदेवी / उर्वरता देवी की पूजा | Mother goddess / fertility goddess worship :- मातृसत्तात्मक समाज | Matriarchal society

IV. वृक्ष पूजा और शिव पूजा के साक्ष्य | Evidence of tree worship and Shiva worship

V. कूबड़ वाला साड़ | Humped bull

VI. मोहनजोदड़ो - दाढ़ी वाला पुजारी | Bearded priest



60

VII. पशुपतिनाथ की मुहर | Pashupatinath's seal

1. मोहनजोदड़ो से | From Mohenjodaro

2. चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता और भैंस | Elephant, rhinoceros, cheetah and buffalo around

VIII. कालीबंगा | Kalibanga :- अग्निकुंड | Firepot

IX. स्वास्तिक चिन्ह | Swastik sign :- सूर्य उपासना | Sun Worship

X. शवाधान प्रक्रिया | Funeral :-

1. शवों को जलाना | Burning bodies :- मोहनजोदड़ो | Mohenjodaro
2. शवों को दफनाना | Burial of dead bodies :- हड़प्पा | Harappa
3. युग्म में समाधिया | Paired tomb:- लोथल और कालीबंगा | Lothal and Kalibanga



61

4) यातायात | Transportation:-

I. यातायात | Transportation

I. लोथल और सुतकोटदा से बंदरगाह | Water, Lothal and Sutkotada Ports

II. बैलगाड़ी / भैंसगाड़ी | Bullock cart / Buffalo cart

II. समाज | Society

I. पर्दा प्रथा और वेश्यावृत्ति | Curtain and prostitution

II. मोहनजोदड़ो से नर्तकी की कांस्य मूर्ति | Bronze statue of dancer from

Mohenjodaro



62

5) जीवन शैली | Lifestyle :-

जीवन शैली | Lifestyle :-

- I. लोथल और चन्हूदड़ो | Lothal And Chanhudaro :- मनके कारखाना | Beaded factory
- II. सूती और ऊनी वस्त्र | Cotton and woolen cloth
- III. पासा, शिकार जैसे मनोरंजन कार्य | Entertainment work like dice, hunting
- IV. डिजाइन वाले काले रंग के बर्तन | Black painted utensils
- V. मिठास | Sweetness :- शहद | Honey
- VI. तलवार के साक्ष्य नहीं | No evidence of sword:- शांतिपूर्ण समाज | Peaceful society



63

6) व्यापार | Trades :-

व्यापार | Trades :-

- I. मोहर प्रयोग | Seal experiment :- हड़प्पा की मोहर पर एक श्रृंगी पशु | A horned animal on the seal of Harappa
- II. मापन की इकाई | Unit of Measurement :- 16 के अनुपात | 16 Ratio
- III. विदेशी व्यापार | Foreign trade :-



सिन्धु काल में विदेशी व्यापार Foreign trade during Indus period	
आयातित वस्तुएँ Imported Goods	प्रदेश Regions
ताँबा Copper	खेतड़ी, बलूचिस्तान, ओमान
चाँदी Silver	अफगानिस्तान, ईरान
सोना Gold	कर्नाटक, अफगानिस्तान, ईरान
टिन Tin	अफगानिस्तान, ईरान
लाजवर्त Lajwart	मेसोपोटामिया
सीसा Led	ईरान

64

7) शासन | Governance :- → संभवतः वाणिज्यिक वर्ण | Possible commercial characters

- 1) सैंधव सभ्यता के विनाश का संभवतः सबसे प्रभावी कारण बाढ़ था | Probably the most effective cause of the destruction of the Sandhav civilization was floods.
- 2) पिग्गट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को एक विस्तृत साम्राज्य का जुड़वाँ राजधानी कहा है | Pingt called Harappa and Mohenjodaro the twin capital of a vast empire.
- 3) स्वतंत्रता-प्राप्ति पश्चात् हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात में खोजे गये हैं | Most sites of Harappan culture have been discovered in Gujarat after attaining independence.
- 4) आग में पकी हुई मिट्टी को टेराकोटा कहा जाता है | The soil baked in fire is called terracotta
- 5) सबसे बड़ी साइट | Largest site :- राखीगढ़ी (हरियाणा) और मोहनजोदड़ो | Rakhigarhi (Haryana) and Mohenjodaro

65

4. स्थान और साक्ष्य | Site And Evidence

स्थान Site	साक्ष्य Evidence
1. मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला) Mohenjodaro (mound of the dead)	<ol style="list-style-type: none"> 1. सबसे बड़ा अन्नागार Granary 2. स्नानागार Great Bath 3. पशुपतिनाथ की मुहर Pashupatinath's seal 4. नर्तकी की मूर्ति (काँस्य) Dancer Idol (Bronze) 5. शव को जलाने के साक्ष्य Evidence of burning bodies 6. दाढ़ी वाला पुजारी Bearded priest
2. हड़प्पा Harappa	<ol style="list-style-type: none"> 1. एक श्रृंगी पशु वाली मुहर A horned animal seal 2. मातृदेवी की प्रतिमाह Statue of mother goddess

66

3. कालीबंगा (राजस्थान) Kalibanga (Rajasthan)	1) अग्निकुंड Fire pit 2) चूड़ी कारखाना Bangle factory 3) युग्म समाधि Paired tomb 4) जूता हुआ खेत 5) अलंकृत ईंट Ornate Brick
4. सुरकोटदा (गुजरात) Surkotada (Gujarat)	1) घोड़े के अवशेष Remains of horses
5. लोथल (गुजरात)	1) बंदरगाह (सिंधु घाटी का मैनचेस्टर) Ports (Manchester of the Indus Valley) 2) धान और घोड़े के साक्ष्य Evidence of paddy and horse 3) अग्निकुंड Fire pit 4) युग्म समाधि Paired tomb 5) मनके बनाने का कारखाना Bead factory

67

6. धौलावीरा (गुजरात) Dhaulavira (Gujarat)	1) बांध और जलाशय स्टेडियम
----------------------------------------------------	---------------------------

68

अध्याय | Chapter - 04
वैदिक सभ्यता | Vedic culture

1. ऋग्वैदिक काल-1500 BC - 1000 BC



2. उत्तर वैदिककाल-1000 BC - 600BC

1) वैदिक सभ्यता | Vedic culture :- आर्यों द्वारा विकसित ग्रामीण सभ्यता | Rural civilization developed by Aryans



↓

मूल निवास | Prime residence → मध्य-एशिया (मैक्समूलर) | Central Asia (MaxMuller)

↓

सर्वप्रथम पंजाब एवं अफगानिस्तान में सिन्धु के आसपास निवास | First residence around Indus in Punjab and Afghanistan

2) भाषा | Language → संस्कृत | Sanskrit

69

1. ऋग्वैदिक काल (1500 BC -1000 BC)

1.1) राजनैतिक और प्रशासनिक व्यवस्था | Political and administrative system

1) प्रशासनिक इकाइयाँ | Administrative units :-

- I. राष्ट्र | State :- राजा | King → सबसे बड़ी इकाई | Largest unit
- ↑
- II. जन | Jana :- राजन | Rajan
- ↑
- III. विश | Vis (The Clan) :- विशपति | Vispati
- ↑
- IV. ग्राम | Village :- ग्रामिणी | Gramini
- ↑
- V. कुल Kula (The family):- कुलपति / कुलप | kulapati / Kulapa

70

2) प्रमुख अधिकारी | Major Officer :-

- | | | |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|-------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>I. धार्मिक अधिकारी Religious officer :- पुरोहित Priest / Purohit</p> <p>II. गुप्तचर Spotter :- स्पश Spush / Spush</p> <p>III. दुर्गपति Durgapati :- पुरप Purp</p> <p>IV. चारागाह / गोचर भूमि का अधिकारी Pasture / Pasture officer of transiting land :- वाजपति Vajapati</p> <p>V. पुलिस / अपराधी पकड़ने :- उग्र Ugra / Fiery</p> <p>VI. सूत, रथकार तथा कम्मादि Soot, charioteer and kamadi :- रत्नी (12 संख्या)</p> | { | <p>1) वशिष्ठ :- रूढ़िवादी Conservative</p> <p>2) विश्वामित्र :- उदारवादी Moderate</p> |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|-------------------------------------------------------------------------------------------|

1. सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुरोहित और सैनिक | Most important priests (Pandit) and soldiers
2. न्यायिक अधिकारी का उल्लेख नहीं | Judicial officer not mentioned

71

VII. सभा एवं समिति | Sabha and Samiti :-

- | | |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------|
| <p>→ 1) राजा को सलाह देने वाली संस्था An Institution advising the king</p> <p>→ 2) सभा Assembly :- श्रेष्ठ लोगों की संस्था Institution of The Best People</p> <p>→ 3) समिति Committee :- सामान्य लोगों की संस्था Institution of ordinary people</p> | <p>↓</p> <p>अध्यक्ष Chairman :- ईशान Ishaan</p> |
| <p>→ 4) स्त्रियां सभा और समिति में भाग ले सकती थी Women could participate in the meeting and committee</p> | |



72

VIII. युद्ध | War :-

1. युद्ध के लिए गविष्टि शब्द का प्रयोग | Use of the word Gavishti for war



गायों की खोज | Search for cows



2. दसराज युद्ध | Battle of the Ten Kings

- I. परुषणी (रावी) नदी के तट पर सूदास (भारत नामक समुदाय - विजय) और 10 जनों के मध्य | Between Sudas (Vijay) and the Ten Kings on the banks of the river Parushani (Ravi)
- II. जानकारी | Information :- ऋग्वेद का सातवां मंडल | Seventh division of Rigveda

73

1. 2) सामाजिक जानकारी | Social information

- 1) वर्ण व्यवस्था | Varna system :-

- I. ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित की पुरुषसूक्त | Purushukta described in the tenth mandala of the Rigveda
- II. 4 वर्ण | Four Varna :- ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र | Brahmin, Kshatriya, Vaishya, Shudra
- III. विभाजन का आधार | Division basis :- व्यवसाय (कर्म) | Profession (Karma / Work)

- 2) पितृसत्तात्मक समाज | Patriarchal society

- 3) हालाँकि स्त्रियों की बेहतर स्थिति | Although the better condition of women

- I. शिक्षा | Education :- लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, आपला एवं विश्वास जैसी विदुषी स्त्रियाँ
- II. बाल विवाह और पर्दा प्रथा नहीं | Child marriage and not curtain practice
- III. पति के साथ यज्ञ में भागीदारी | Participation in Yajna with husband
- IV. विधवा स्त्री देवर से विवाह कर सकती थी | The widow could marry a woman brother-in-law
- V. अमाजू | Amaju :- जीवनभर अविवाहित रहने वाली स्त्री | A woman living unmarried for a lifetime



74

4) धर्म | Religion :-

- I. प्रिय देवता | Beloved Deity :- इंद्र | Indra
 II. अग्नि | Agni :- मनुष्य और देवता के मध्यस्थ | Mediator of man and god
 III. पवित्र पशु | Holy animal :- गाय | Cow



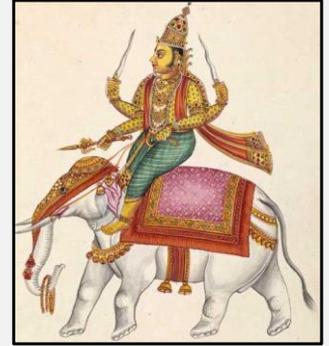
अधन्या | Adhyaya न मारे जाने योग्य पशु | Non-perishable animal

- IV. पवित्र नदी | Holy river :- सरस्वती | Saraswati

- V. गायत्री मंत्र सावित्री नामक देवता को संबोधित है, जिसका संबंध ऋग्वेद से है। The Gayatri mantra is addressed to a deity called Savitri, who is related to the Rigveda. Vishwamitra composed the Gayatri Mantra to make people Arya.



लोगों को आर्य बनाने के लिए विश्वामित्र ने गायत्री मंत्र की रचना की |



75

ऋग्वेदिककालीन देवता | Rigvedic gods

देवता Gods	संबंध Relation
इन्द्र	युद्ध का नेता एवं वर्षा का देवता Leader of war and god of rain
अग्नि	देवता एवं मनुष्य के बीच मध्यस्थ Mediator between God and Man
वरुण	पृथ्वी एवं सूर्य के निर्माता, समुद्र का देवता, विश्व के नियामक एवं शासक, सत्य का प्रतीक, ऋतु-परिवर्तन एवं दिन-रात का कर्ता Creator of Earth and Sun, God of the sea, Regulator and ruler of the world, symbol of truth, season-change and day-night doer
द्यौ	आकाश का देवता (सबसे प्राचीन) God of the sky (most ancient).
सोम	वनस्पति देवता Plant god
उषा	प्रगति एवं उत्थान-देवता God of progress and development
आश्विन	विपत्तियों को हरनेवाले देवता Gods of Calamities
पूषन	पशुओं का देवता Gods of Animal
विष्णु	विश्व के संरक्षक एवं पालनकर्ता World's mentor and follower
मरुत	आँधी-तूफान का देवता God of storm

76

5) जीवन शैली | Lifestyle :-

- I. मनोरंजन | Entertainment :- संगीत, रथदौड़, घुड़दौड़
- II. प्रिय पशु | Famous animal :- घोड़ा | Horse
- III. मुख्य पेय | Main drink :- सोमरस (वनस्पति से निर्मित) | Somaras (made from vegetation)
- IV. वस्त्र {
 - 1) तीन प्रकार (बास, अधिवास और उष्णीष) Three types (baas,adhivaas aur ushneesh)
 - 2) अंदर पहनने वाले वस्त्र | Inside clothing :- नीवि | Neevi



77

1. 3) अन्य जानकारी | Other information

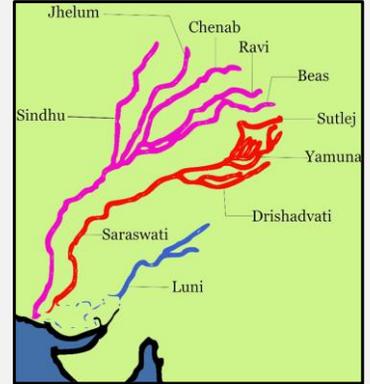
- 1) मुख्य व्यवसाय | Core Profession :- पशुपालन फिर कृषि | Animal husbandry then agriculture
- 2) धातु | Metal {
 - I. लोहा (श्याम अयस्क) | Iron (black ore) :- आर्यों ने खोजी | Aryans discovered
 - II. तांबा | Copper :- लोहित अयस्क | Iron ore
- 3) आदान-प्रदान का माध्यम | Medium of exchange :- वस्तु विनिमय प्रणाली | Barter system
- 4) पणि | Pane :- व्यापार हेतु दूर दूर तक जाने वाला व्यक्ति | A person who is going far away for business.
- 5) वेकनॉट (सूदखोरी) | Weknot (usury) :- ब्याज पर ऋण देने वाला | Lender on interest

78

1. 4) ऋग्वैदिककालीन नदियां | Rigvedic Rivers

- 1) सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण नदी | Most sacred and important river :- सरस्वती | Saraswati
- 2) सर्वाधिक उल्लिखित नदी | Most mentioned river :- सिंधु | Indus
- 3) गंगा (एक बार) यमुना (तीन बार) उल्लेखित | Ganga (once) Yamuna (thrice) mentioned

ऋग्वैदिककालीन नदियां Rigvedic Rivers			
प्राचीन नाम	आधुनिक नाम	प्राचीन नाम	आधुनिक नाम
क्रुभ	कुर्रम	विपाशा	व्यास
कुभा	काबुल	सदानीरा	गंडक
वितस्ता	झेलम	दृमद्धती	घग्घर
आस्कनी	चिनाब	गोमती	गोमल
परुषणी	रावी	सुवस्तु	स्वात्
शतुद्रि	सतलज		



79

2. उत्तर वैदिककाल-1000 BC -600BC

- 1) उत्तरवैदिक काल में इन्द्र के स्थान पर प्रजापति सर्वाधिक प्रिय देवता हो गये थे | In the later Vedic period, Prajapati became the most beloved deity in place of Indra.
- 2) उत्तरवैदिक काल में राजा के राज्याभिषेक के समय राजसूय यज्ञ का अनुष्ठान किया जाता था | In the later Vedic period, the Rajsuya Yajna was performed at the time of the coronation of the king.
- 3) उत्तरवैदिक काल में वर्ण व्यवसाय की बजाय जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगे थे | In the later Vedic period, the Varnas were determined on the basis of birth rather than occupation
- 4) उत्तरवैदिक काल में हल को सिरा और हल रेखा को सीता कहा जाता था | In the later vedic period the plow was called the end and the plow line was called Sita.

80

- 5) उत्तरवैदिक काल में निष्क और शतमान मुद्रा की इकाइयाँ थीं, लेकिन इस काल में किसी खास भार, आकृति और मूल्य के सिक्कों के चलन का कोई प्रमाण नहीं मिलता | In the later Vedic period there were units of pure and cool currency, but in this period, there is no evidence of coins of any special weight, shape and value.
- 6) उत्तरवैदिक काल में कौशाम्बी नगर में प्रथम बार पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया है | Pucca bricks have been used in Kaushambi city for the first time in the later Vedic period.
- 7) गोत्र नामक संस्था का जन्म उत्तरवैदिक काल में हुआ | Gotra was born in the later Vedic period

81

3. अन्य ऐतिहासिक स्रोत | Other historical sources

1. उपनिषद Upanishads	1) संख्या 108 Number 108 2) सत्यमेव जयते - मुंडकोपनिषद से लिया गया है इसी उपनिषद में यज्ञ की तुलना टूटी नाव से की गई है Satyameva Jayate has been taken from Mundakopinishad, in this Upanishad, Yajna has been compared to a broken boat.
2. महाकाव्य Epic	1) संख्या - दो (महाभारत और रामायण) Number two (Mahabharata and Ramayana) 2) 'महाभारत' का पुराना नाम जयसंहिता है। यह विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य है The old name of 'Mahabharata' is Jayasahita. It is the world's largest epic.

82

4. प्रमुख दर्शन और उनके प्रवर्तक | Prominent philosophy and their promoters

प्रमुख दर्शन और उनके प्रवर्तक | Prominent philosophy and their promoters

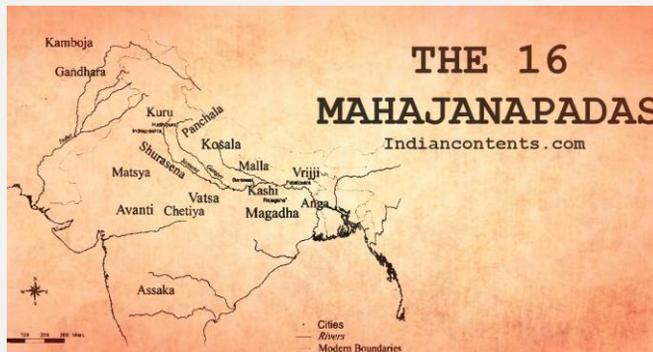
दर्शन	प्रवर्तक	दर्शन	प्रवर्तक
चार्वाक	चार्वाक	पूर्वमीमांसा	जैमिनी
योग	पतञ्जलि	उत्तरमीमांसा	बादरायण
सांख्य	कपिल	वैशेषिक	कणाद या उलूक
न्याय	गौतम		

- नोट :- वेदान्त दर्शन के मौलिक ग्रंथ 'ब्रह्मसूत्र' या 'वेदान्त सूत्र' की रचना बादरायण ने की थी || 'Brahmasutra' or 'Vedanta Sutra', the original text of Vedanta philosophy, was composed by Badarayan.

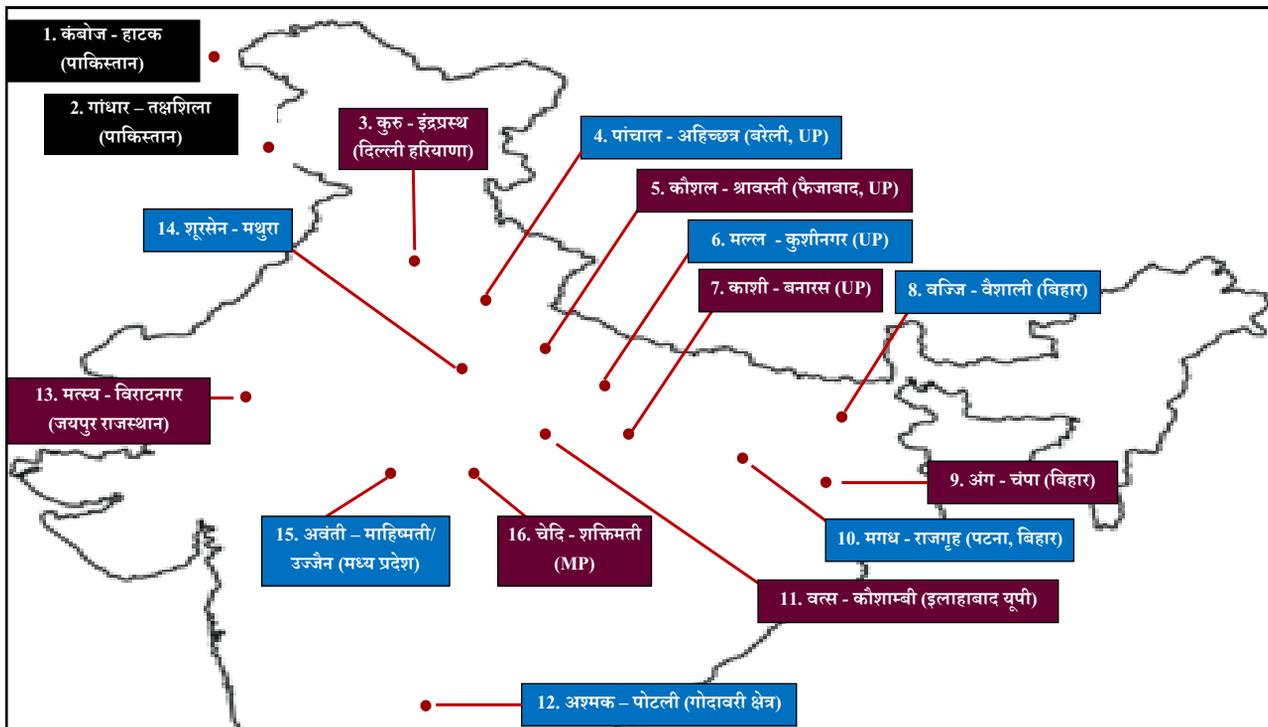
83

अध्याय | Chapter - 05 महाजनपदों का उदय | Mahajanapada Period

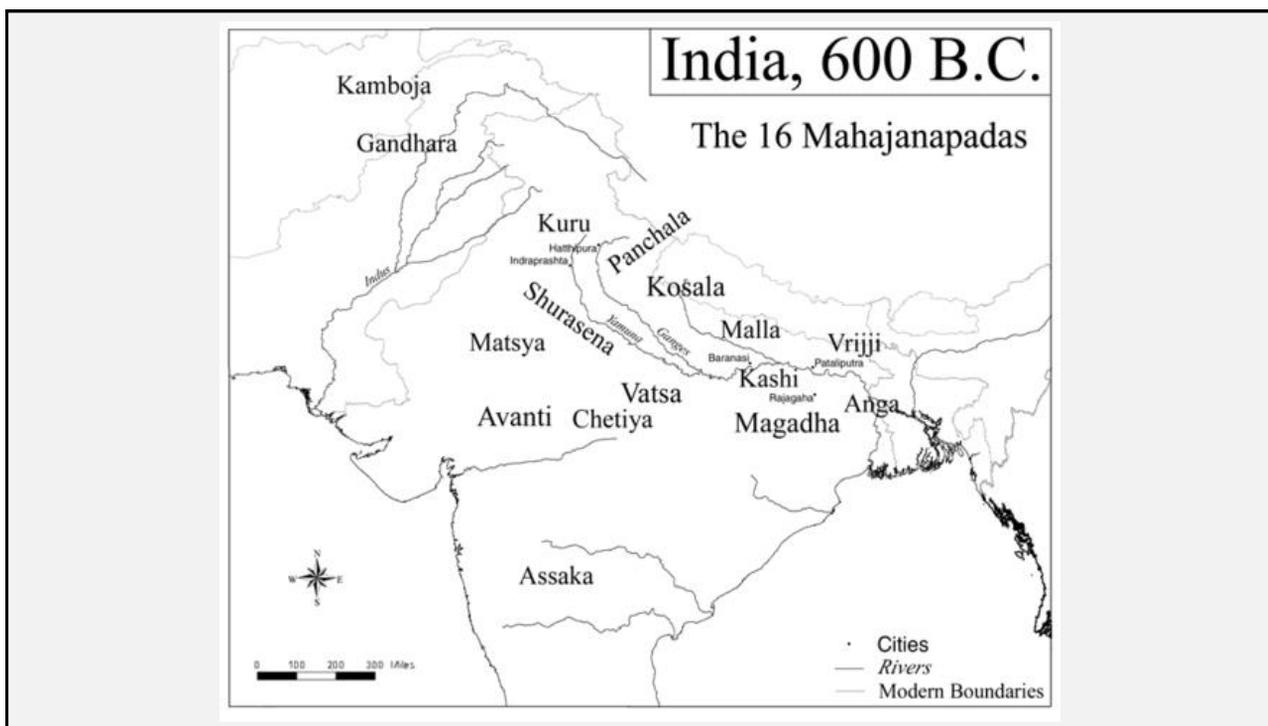
- बुद्ध के जन्म के पूर्व 6ठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारतवर्ष 16 जनपदों में बँटा हुआ था, इसकी जानकारी हमें बौद्धग्रंथ अंगुत्तर निकाय से मिलती है | In the 6th century BC, before the birth of Buddha, India was divided into 16 districts, we get the information from the Buddhist scripture **anguttara nikaya**



84



85



86

क्र. महाजनपद	राजधानी	क्षेत्र (आधुनिक स्थान)
1. अंग	चंपा	भागलपुर, मुंगेर (बिहार)
2. मगध	गिरिब्रज/राजगृह	पटना, गया (बिहार)
3. काशी	वाराणसी	वाराणसी के आस-पास (उत्तर प्रदेश)
4. वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद के आस-पास, (उत्तर प्रदेश)
5. वज्जि	वैशाली/विदेह/ मिथिला	मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा के आस- पास का क्षेत्र
6. कोशल	श्रावस्ती	फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)
7. अवन्ति	उज्जैन/महिष्मती	मालवा (मध्य प्रदेश)
8. मल्ल	कुशावती	देवरिया (उत्तर प्रदेश)
9. पंचाल	अहिच्छत्र, काम्पिल्य	बरेली, बदायूं, फरुखाबाद (उ. प्रदेश)
10. चेदि	शक्तिमती	बुंदेलखंड (उत्तर प्रदेश)

87

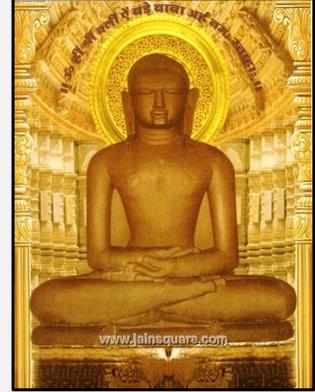
11. कुरु	इन्द्रप्रस्थ	आधुनिक दिल्ली, मेरठ एवं हरियाणा के कुछ क्षेत्र
12. मत्स्य	विराटनगर	जयपुर (राजस्थान) के आस-पास के क्षेत्र
13. कम्बोज	हाटक	राजोरी एवं हजारा क्षेत्र (पाकिस्तान)
14. शूरसेन	मथुरा	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
15. अश्मक	पोटली/पोतन	गोदावरी नदी क्षेत्र (द. भारत का एक मात्र जनपद)
16. गान्धार	तक्षशिला	रावलपिंडी एवं पेशावर (पाकिस्तान)

88

अध्याय | Chapter - 06 जैन धर्म | Jainism

1. परिचय | Introduction

- 1) संस्थापक और प्रथम तीर्थंकर | Founder and First Tirthankara :- ऋषभदेव |
Rishabhdev
- 2) जैन धर्म में तीर्थंकरों की संख्या | Number of Tirthankaras in Jainism :- 24



89

2. प्रमुख जैन तीर्थंकर और उनके प्रतीक चिह्न | Major Tirthankara & Symbol

जैन तीर्थंकर के नाम एवं क्रम Name	प्रतीक चिह्न Symbol
ऋषभदेव (01) Lord Rishabha	साँड़ Ox
अजितनाथ (02) Ajitanath	हाथी Elephant
संभवनाथ (03) Sambhavanatha	घोड़ा Horse
संपार्श्वनाथ (07) Suparshvanath	स्वास्तिक Swastika
शांतिनाथ (16) Santinath	हिरण Deer
नामिनाथ (21) Naminatha	नीलकमल Blue-Lotus
अरिष्टनेमि (22) Aristanemi	शंख Conch
पार्श्वनाथ (23) Parshwanath	सर्प Serpent
महावीर (24) Mahavira	सिंह Lion

- नोट :- दो जैन तीर्थंकरों ऋषभदेव एवं अरिष्टनेमि के नामों का उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है। अरिष्टनेमि को भगवान कृष्ण का निकट संबंधी माना जाता है | The names of two Jain Tirthankaras Rishabhdev and Arishtanemi are mentioned in the Rigveda. Arishtanemi is considered to be a close relative of Lord Krishna.

90

3. पार्श्वनाथ | Parshvanath

- 1) जैनधर्म के 23वें तीर्थंकर | 23rd Tirthankar of Jainism
- 2) काशी के इक्ष्वाकु वंशीय राजा अश्वसेन के पुत्र | Son of Ikshvaku dynasty king Ashwaseen of Kashi
- 3) 30 वर्ष की अवस्था में संन्यास-जीवन | Renunciation life at the age of 30

4) प्रमुख शिक्षाएं | Major teachings

1. हिंसा न करना | Ahimsa (non-injury)
2. सदा सत्य बोलना | Satya (non-lying)
3. चोरी न करना | Asteya (non stealing)
4. सम्पत्ति न रखना | Aparigraha (non-possession)



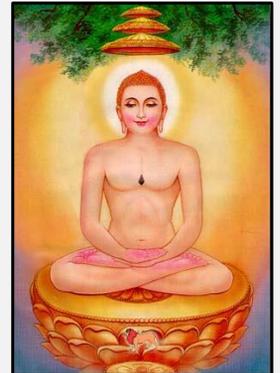
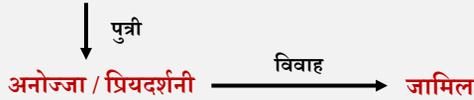
91

4. महावीर स्वामी | Mahavir Swami

- 1) जैनधर्म के 24वें (अंतिम) तीर्थंकर | 24th (last) Tirthankar of Jainism

- 2) जन्म | Birth :- 540 ईसा पूर्व कुण्डग्राम (वैशाली)
 - I. बचपन का नाम :- वर्धमान
 - II. पिता :- सिद्धार्थ (ज्ञातृक कुल' के सरदार)
 - III. माता :- त्रिशला (लिच्छवि राजा चेटक की बहन)

- 3) पत्नी | Wife :- यशोदा | Yashoda



92

- 4) 30 वर्ष की उम्र में भाई नंदीवर्धन की अनुमति से संन्यास | Renunciation at the age of 30 with the permission of Brother Nandivardhan

↓
12 वर्षों की कठोर तपस्या

- 5) जृम्भिक के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान का बोध | Realization of knowledge under Sal tree on the banks of river Rijupalika near Jrimbhikagrama

जिन (विजेता), अर्हत (पूज्य) और निग्रन्थ (बंधनहीन) | Jina or Jitendriya (one who conquered his senses), Ngrigrantha (free from all bonds), Arhant (blessed one)



93

- 6) प्रथम उपदेश | First sermon :- राजगीर/राजगृह (बिहार) में बितूलाचल पहाड़ी पर वाराकर नदी के तट पर प्राकृत (अर्धमागधी) भाषा

↓
अनुयायी | Followers

- I. निग्रन्थ (अनुयायी) | Nigranth (follower)
- II. प्रथम अनुयायी | First follower :- जामिल (दामाद)
- III. प्रथम भिक्षुणी | First Nun :- नरेश दधिवाहन की पुत्री चम्पा
- IV. अपने शिष्यों को 11 गणधरों में विभाजित किया | Divided his disciples into 11 Gan
- V. महावीर के बाद प्रथम उपदेशक :- आर्य सुधर्मा

- 7) मृत्यु (निर्वाण) | Death (nirvana) :- 468 BC पावापुरी (राजगीर बिहार)

↓
मल्लराजा सृस्तिपाल | Malla King Srishtipal



94

4. जैन धर्म की विशेषताएं | Characteristics of Jainism

- 1) जैनधर्म ने अपने आध्यात्मिक विचारों को सांख्य दर्शन से ग्रहण किया | Jainism embraced his spiritual thoughts through Sankhya philosophy.
- 2) जैनधर्म में ईश्वर की मान्यता नहीं है | God is not recognized in Jainism
- 3) जैनधर्म में आत्मा की मान्यता है | Spirit is recognized in Jainism
- 4) महावीर पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करते थे | Mahavira believed in rebirth and karmism .



5) जैनधर्म के त्रिरत्न | Triratna of Jainism



- I. सम्यक् दर्शन | Right belief
- II. सम्यक् ज्ञान | Right knowledge
- III. सम्यक् आचरण | Right action

इस हेतु 5 महाव्रत | 5 Mahavrat for this

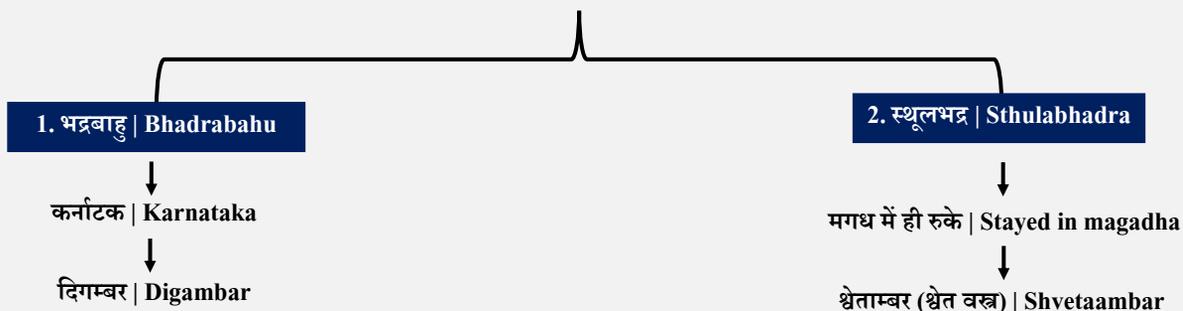
अहिंसा → सत्य → अस्तेय → अपरिग्रह → ब्रह्मचर्य

95

- 6) जैनधर्म के सप्तभंगी ज्ञान के अन्य नाम स्यादवाद और अनेकांतवाद हैं | The other names of Saptabhangi knowledge of Jainism are Syedvad and Vyantavad.

5. जैन धर्म का विभाजन | Division of Jainism

- 1) लगभग 300 ईसा पूर्व में मगध में 12 वर्षों का भीषण अकाल | 12 years of severe famine in Magadha around 300 BC



96

6. प्रमुख तथ्य | Major facts

- 1) जैनधर्म मानने वाले कुछ राजा थे - उदयिन, वदराजा, चन्द्रगुप्त मौर्य, कलिंग नरेश खारवेल, राष्ट्रकूट राजा अमोघवर्ष, चंदेल शासक
- 2) मैसूर के गंग वंश के मंत्री, चामुण्ड के प्रोत्साहन से कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में 10वीं शताब्दी के मध्य भाग में विशाल बाहुबलि की मूर्ति (गोमेश्वर की मूर्ति) का निर्माण किया गया
- 3) मौर्योत्तर युग में मथुरा जैन धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था।



97

- 4) खजुराहो में जैन मंदिरों का निर्माण चंदेल शासकों द्वारा किया गया | Jain temples in Khajuraho were built by the Chandela rulers.
- 5) जैन तीर्थंकरों की जीवनी भद्रबाहु द्वारा रचित कल्पसूत्र में है | The biography of Jain Tirthankaras is in the Kalpasutra composed by Bhadrabahu
- 6) मल्लराजा सृष्टिपाल के राजप्रसाद में महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ था | Mahavir Swami attained nirvana in Mallaparaja Srishtipal's Rajprasad.



98

जैन संगीतियाँ			
संगीति	वर्ष	स्थल	अध्यक्ष
प्रथम	300 ईसा पूर्व	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र
द्वितीय	छठी शताब्दी	बल्लभी (गुजरात)	क्षमाश्रवण

99



अध्याय | Chapter - 07
बौद्ध धर्म | Buddhism

1. परिचय | Introduction



1) **संस्थापक | Founded :-** गौतम बुद्ध (एशिया का ज्योति पुञ्ज - Light of Asia)

2) **जन्म | Birth :-** 563 BC लुम्बिनी (कपिलवस्तु)

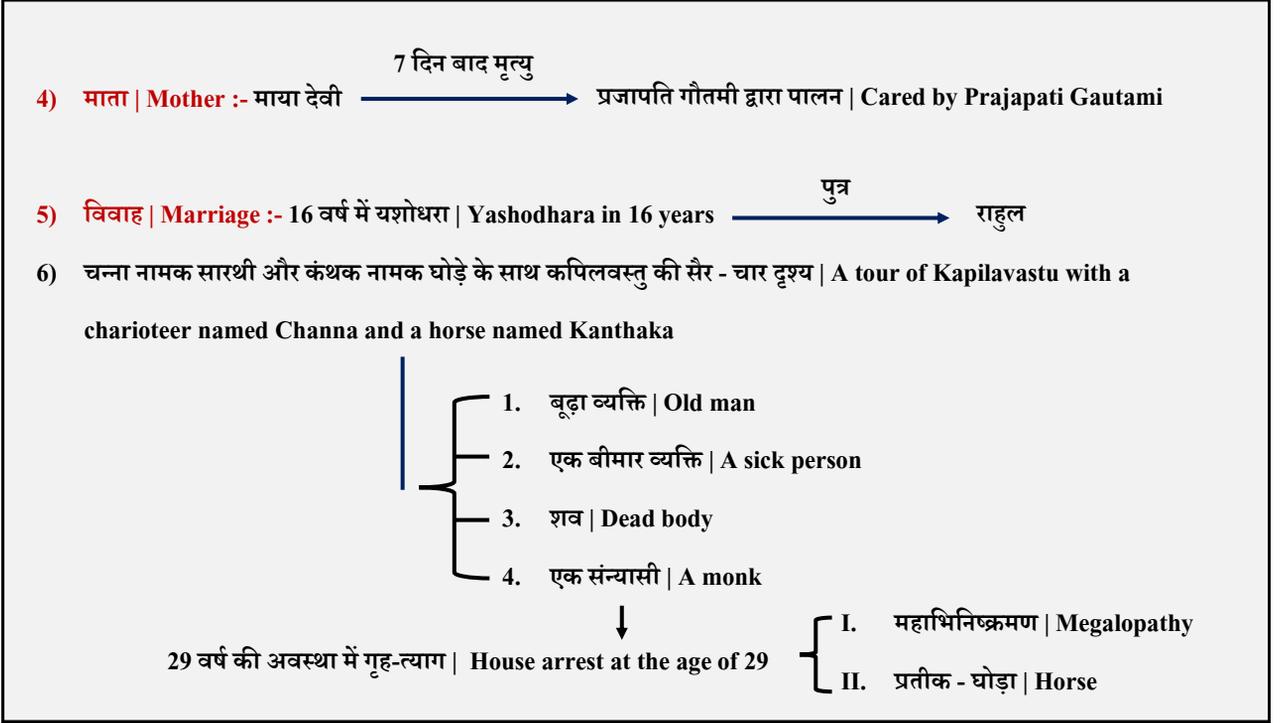
I. कैंटोन चीनी अभिलेख

II. **नाम Name :-** सिद्धार्थ | Siddharth

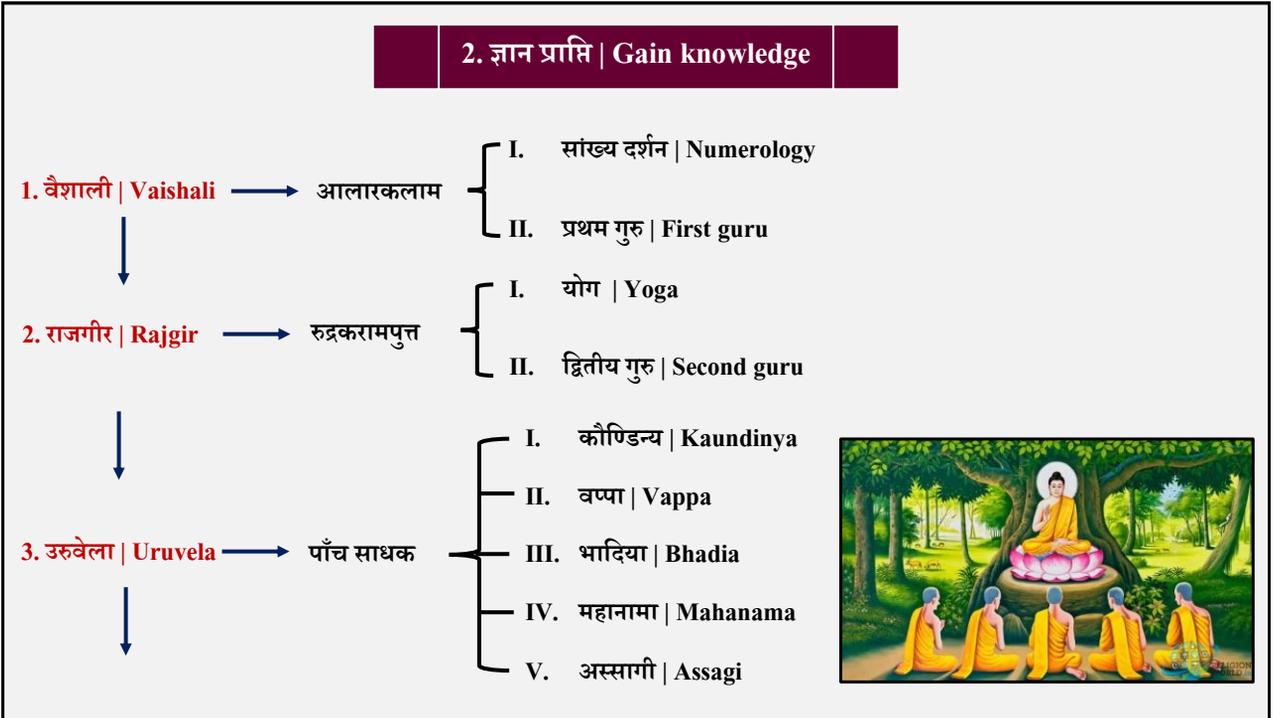
III. **प्रतीक | Symbol :-** कमल और सांड | Lotus and bull

3) **पिता | Father :-** शुद्धोधन (शाक्य गण के मुखिया | Head of shakya gana)

100



101



102

4. गया (बिहार) → 6 वर्ष की कठिन तपस्या | 6 years of hard penance

- 1. 35 वर्ष की आयु | 35 years old
- 2. वैशाख की पूर्णिमा की रात
- 3. पीपल वृक्ष, निरंजना (फल्गु) नदी

↓

ज्ञान प्राप्ति | Gain knowledge



- 1) सिद्धार्थ | Siddharth → बुद्ध | Buddha
- 2) स्थान | Place → बोधगया | BodhGaya
- 3) प्रतीक | Symbol → पीपल (बोधिवृक्ष)

103

5) उपदेश | Preaching

- 1) प्रथम | First :- ऋषिपतनम् (सारनाथ) | Rishipatnam (Sarnath)
- 2) धर्मचक्रप्रवर्तन | Dharmachakra Pravartana
- 3) सर्वाधिक उपदेश | Most preaching :- श्रावस्ती (कोशल की राजधानी)



6) अनुयायी | Followers

- 1) बिम्बिसार, प्रसेनजित तथा उदयिन | Bimbisara, Prasenjit and Udayin
- 2) प्रथम अनुयायी | First follower :- तपस्यु और कालिक | Tapasu and kalik

7) 483 ईसा पूर्व में कुशीनारा (देवरिया, उत्तर प्रदेश)

↓

मृत्यु | Death

- 1) महापरिनिर्वाण | Mahaparinirvan
- 2) प्रतीक | Symbol :- स्तूप (बुद्ध के अवशेषों को आठ भागों में बाँटकर आठ स्तूप)
- 3) मल्ल राजा द्वारा अंतिम संस्कार | Funeral by Malla Raja



104

3. विशेषता | Characteristic

1) अनीश्वरवादी | Antitheist

2) अनात्मवादी | Anaatmavaadee

3) पुनर्जन्म की मान्यता | Reincarnation recognition

4) मध्यममार्गी | Middle Path (मध्यमा प्रतिपद)

5) बुद्ध के चार आर्य सत्य | The Four Noble Truths of the Buddha

4 Noble Truths
• Dukkha: Truth of Suffering
• Samudaya: Truth of the Cause of Suffering
• Nirodha: Truth of the End of Suffering
• Magga: Truth of the Path

1) दुःख | Life is full of sorrow (Dukha):

Sabbam Dukkam.

2) दुःख समुदाय | (Dukha Samudaya) Dwadash

Nidan| Pratitya Samutpada.

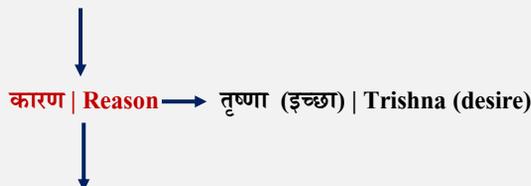
3) दुःख निरोध | (Dukha Nirodha): Nirvana.

4) दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा | Dukha Nirodha

Gamini Pratipada): Ashtangika Marga.

105

6. संसार दुखों से भरा हुआ है | The world is full of sorrows



7). बौद्ध धर्म का परम लक्ष्य :- निर्वाण (इच्छा की समाप्ति) प्राप्ति और इन दुखों से मुक्ति | Nirvana (abolition of desire) attainment

and freedom from these sufferings

प्राप्ति हेतु | To obtain

अष्टांगिक मार्ग |
Ashtaangik Maarg

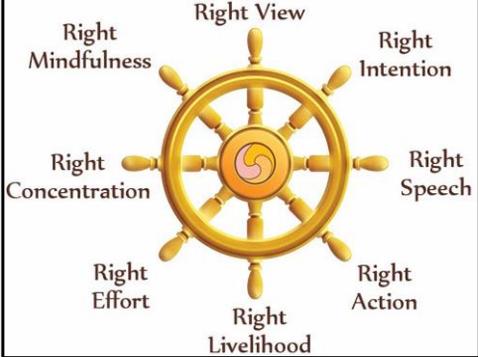
दस शील | Ten
modesty

नोट :- निर्वाण | Nirvana

{ जीवन-मरण चक्र से मुक्ति | Freedom from life cycle
प्रतीक | Symbol :- पद चिन्ह | Footprint

106

8) अष्टांगिक मार्ग | 8 Fold Path



- 1) सम्यक् दृष्टि | Right observation
- 2) सम्यक् संकल्प | Right determination
- 3) सम्यक् वाणी | Right speech
- 4) सम्यक् कर्मान्त | right action,
- 5) सम्यक् आजीव | Right livelihood
- 6) सम्यक् व्यायाम् | Right exercise
- 7) सम्यक् स्मृति एवं | Right memory
- 8) सम्यक् समाधि | Right meditation.

107

9) दस शील | Ten Precepts

- 1) अहिंसा | Ahimsa
- 2) सत्य | Truth
- 3) अस्तेय (चोरी न करना) | Asthe (not stealing)
- 4) अपरिग्रह (किसी प्रकार की सम्पत्ति न रखना) | Aparigraha (not possessing any kind of property)
- 5) मद्य-सेवन न करना | Non drinking
- 6) असमय भोजन न करना | Non-stop eating
- 7) सुखप्रद बिस्तर पर नहीं सोना | Not sleeping on a soothing bed
- 8) धन-संचय न करना | Non-accumulation of wealth
- 9) स्त्रियों से दूर रहना | Stay away from women
- 10) नृत्य-गान आदि से दूर रहना | Abstain from dancing



108

4. अन्य तथ्य Other facts

- 1) बौद्धधर्म के त्रिरत्न | **Tiratna of Buddhism**
- 
- 1. बुद्ध | Buddha,
 - 2. धम्म | Dhamma
 - 3. संघ Dhamma and Sangha
- 1. प्रवेश की आयु :- 15 वर्ष
 - 2. उपसंपदा :- प्रवेश संस्कार
- 2) बुद्ध के अनुयायी | **Followers of buddha**
- 1. भिक्षुक | Beggar :- सन्यासी | Hermit
 - 2. उपासक | Worshiper :- गृहस्थ | Householder
- 3) वैशाख पूर्णिमा | **Vaisakh Purnima**
- 1. बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और मृत्यु
 - 2. सबसे पवित्र दिन | Most holy day

109

- 4) भारत में उपासना की जाने वाली **प्रथम मूर्ति** | The first idol to be worshiped in India :- गौतम बुद्ध | Gautam buddha



प्रथम मूर्ति :- मथुरा कला

सर्वाधिक :- गांधार कला

- 5) बुद्ध के अन्य नाम | **Other names for Buddha** :- शाक्यमुनि, मैत्रेये (आने वाला)
- 6) तिब्बत, भूटान एवं पड़ोसी देशों में बौद्ध धर्म का **प्रचार पद्मसंभव (गुरु रिनपाँच)** ने किया। इनका संबंध बौद्ध धर्म के **बज्रयान शाखा** से था। इनकी 123 फीट ऊँची मूर्ति **हिमाचल प्रदेश** रेवाल सर झील में है | Padmasambhava (Guru Rinpanch) propagated Buddhism in Tibet, Bhutan and neighboring countries. He was related to the Bajrayan branch of Buddhism. His 123 feet high statue is in Himachal Pradesh Rewal Sir Lake.

110

5. बौद्ध संगीतियां | Buddha Council

सभा	समय	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ईसा पूर्व	राजगृह	महाकश्यप	अजातशत्रु
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ईसा पूर्व	वैशाली	सबाकामी	कालाशोक
तृतीय बौद्ध संगीति	255 ईसा पूर्व	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ बौद्ध संगीति	ई. की प्रथम शताब्दी	कुण्डलवन	वसुमित्र / अश्वघोष	कनिष्क

चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्धधर्म दो भागों हीनयान एवं महायान में विभाजित हो गया | After the fourth Buddhist association, Buddhism divided into two parts Hinayana and Mahayana.

111

अध्याय | Chapter - 08

शैव धर्म | Shaivism

1. परिचय | Introduction

- 1) भगवान शिव के उपासक | Worshiper of lord shiva :- शैव धर्म | Shaivism
- 2) प्रमाण | Evidence :-
 - I. प्रारंभिक प्रमाण | Preliminary evidence :- हड़प्पा संस्कृति | Harappan Culture
 - II. ऋग्वेद :- रुद्र (शिव) | Rudra (Shiva)
 - III. अथर्ववेद :- शिव को भव, शर्व, पशुपति एवं भूपति | Bhav, Sharva, Pashupati and Bhupati
 - IV. मत्स्यपुराण :- लिंग-पूजा का पहला स्पष्ट वर्णन | First clear description of sex worship
 - V. तैत्तिरीय आरण्यक :- रुद्र की पत्नी के रूप में पार्वती | Parvati as Rudra's wife



पद्मा, पार्वती, उमा, गौरी एवं भैरवी | Padma, Parvati, Uma, Gauri and Bhairavi



112

3) दक्षिण भारत में प्रसार | Spread in south india

I. 63 नायनार संत (पल्लव) | 63 Nayanar saint (Pallava)

II. चालुक्य, राष्ट्रकूट, पल्लव और चोल | Chalukyas, Rashtrakutas, Pallavas and Cholas



कैलाश मंदिर (एलोरा)



राजराज प्रथम ने तंजौर में राजराजेश्वरी मंदिर बृहदीश्वर मंदिर

4) कुषाण शासकों की मुद्रा |

Currency of kushan rulers :-

शिव और नंदी की आकृति |

Figure of Shiva and Nandi



113



114

2.1) पाशुपत शैव संप्रदाय | Pashupat Shaivism

1. संस्थापक | Founded :- लाकुलिश (भगवान शिव के 18 अवतारों में से एक) | Lakulish (one of the 18 incarnations of Lord Shiva)
2. सर्वाधिक प्राचीन शिव संप्रदाय | Most ancient Shiva sect
3. अनुयायी | Followers :- पंचार्थिक | Pancharthik
4. प्रमुखग्रंथ | Major script :- पाशुपतसूत्र | Pashuputasutra

2.2) कापालिक शैव संप्रदाय | Kapalik Shaivism

1. ईष्टदेव | Ishtadev :- भैरव | Bhairav
2. प्रमुख केन्द्र | Major center :- श्री शैल | Shree shail



115

2.3) कालामुख शैव संप्रदाय | Kalamukh Shaivism

1. अनुयायी | Followers :- महाब्रतधर | Mahabratadhar



2.2) लिंगायत शैव संप्रदाय | Kapalik Shaivism

1. दक्षिण भारत में प्रचलित शैव संप्रदाय | Shaivism cult prevalent in South India
2. ग्रंथ | Script :- शून्य संपादने
3. प्रवर्तक :- अल्लभ प्रभु तथा उनके शिष्य बासव | Allabh Prabhu and his disciple Basava
4. अन्य नाम | Other names :- जंगम, वीरशिव संप्रदाय | Jangam, Veerashaiva sect

10वीं शताब्दी में मत्स्येन्द्रनाथ ने नाथ सम्प्रदाय की स्थापना की। इस सम्प्रदाय का व्यापक प्रचार-प्रसार बाबा गोरखनाथ के समय में हुआ | In the 10th century Matsyendranath founded the Nath sect. This community was widely publicized during the time of Baba Gorakhnath.

116

अध्याय | Chapter - 09 वैष्णव धर्म | Vaishnavism

1. परिचय | Introduction



- 1) विष्णु के उपासक | Worshipers of Vishnu :- वैष्णव (प्रारंभिक जानकारी - उपनिषद)
- 2) उपासक | Worshipers :- पंचरात्र | Pancharatra
- 3) प्रवर्तक | Promoter :- कृष्ण | Krishna (वृषण कबीला)



1. प्रथम उल्लेख | First mention :- छांदोग्य उपनिषद | Chandogya Upanishad

देवकी पुत्र और अंगिरस के शिष्य के रूप में | As Devaki's son and disciple of Angiras

2. अभिलेख | Inscription :- बेसनगर स्तंभ | Besanagar pillar

117

4) मत्स्यपुराण | MatsyaPurana :- विष्णु के 10 अवतार | 10 avatar of Vishnu

मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, बलराम, बुद्ध एवं कल्कि | Matsya, Kurma, Varaha, Narsingh, Vaman, Parashurama, Ram, Balarama, Buddha and Kalki



- 5) गुप्तकाल में विष्णु का वराह अवतार सर्वाधिक प्रसिद्ध था | The Varaha incarnation of Vishnu was the most famous during the Gupta period.
- 6) अंकोरवाट का मंदिर कंबोडिया (कंबोज) के राजा सूर्यवर्मा II (1113 ई.-1150 ई.) ने बनवाया था। इस मंदिर में लगभग 10.5 फीट ऊँची भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है | The temple of Ankorwat was built by King Suryavarma II (1113 AD-1150 AD) of Cambodia (Cambos). The temple has an idol of Lord Vishnu about 10.5 feet high.
- 7) भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र में छः तिलियाँ हैं |



118

2. प्रमुख सम्प्रदाय, मत एवं आचार्य |
Major Sects, Opinions and Acharyas

प्रमुख सम्प्रदाय	मत	आचार्य
वैष्णव सम्प्रदाय	विशिष्टाद्वैत	रामानुज
ब्रह्म सम्प्रदाय	द्वैत	आनन्दतीर्थ
रुद्र सम्प्रदाय	शुद्धाद्वैत	वर्लभाचार्य
सनक सम्प्रदाय	द्वैताद्वैत	निम्बार्क

119

3. प्रमुख सम्प्रदाय, संस्थापक एवं पुस्तक |
Major Sects, founder and book

प्रमुख सम्प्रदाय	संस्थापक	पुस्तक
बरकरी	नामदेव	-----
श्रीवैष्णव	रामानुज	ब्रह्मसूत्र
परमार्थ	रामदास	दासबोध
रामभक्त	रामानन्द	अध्यात्म रामायण

120

अध्याय | Chapter - 10 इस्लाम धर्म | Islam religion

1. परिचय | Introduction

1) **संस्थापक | Founder :-** हजरत मुहम्मद साहब | Hazrat Muhammad Sahab

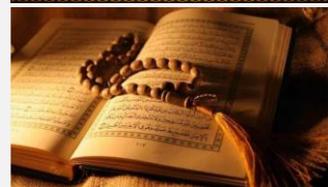
↓
जन्म | Birth :- 570 ई. मक्का (सऊदी अरब)

↓
पिता और माता :- अब्दुल्ला और अमीना | Abdullah and Aameena

2) **शादी | Marriage** → खदीजा | Khadija

↓
पुत्री | Daughter

फ़ातिमा | Phatima → **शादी | Marriage** → अली | Ali



121

3) 610 AD → मक्का में हीरा नामक गुफा में ज्ञान की प्राप्ति | Knowledge of Mecca in Heera Cave

↓
देवदूत **जिब्रियल (Gabriel)** ने अरबी भाषा में **कुरान** संप्रेषित की | The angel Gabriel communicated the Quran in Arabic.

↓
इस्लाम धर्म का पवित्र ग्रंथ (**कुरान**) | Holy scripture of Islam (**Quran**)

4) 622 AD → पैगम्बर साहब ने मक्का से मदीना की यात्रा | Paigambar Sahab traveled from Mecca to Madina

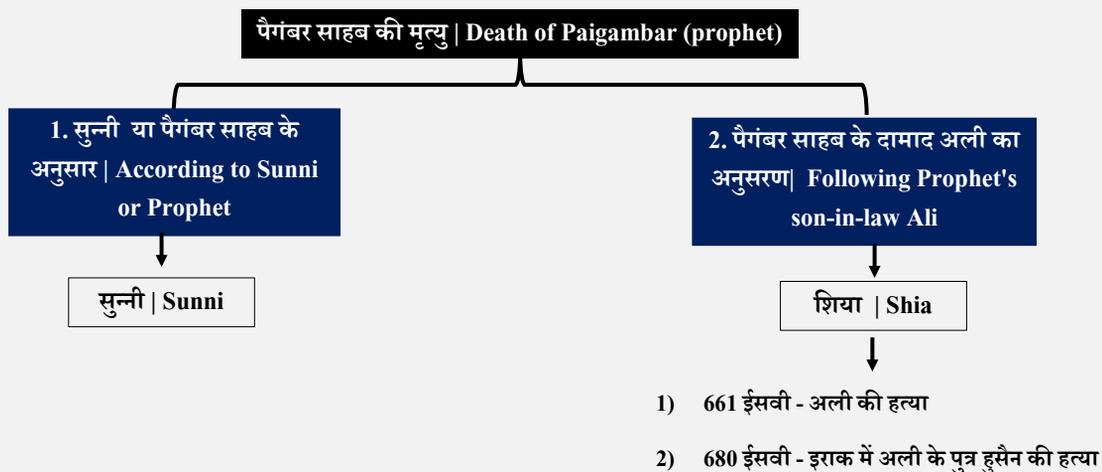
↓
(हिजरी संवत्) | (Hijri Samvat)

5) **मृत्यु | Death** - 8 जून, 632 ई | 8 June 632 AD

122

1) **मुहम्मद साहब का उत्तराधिकारी :-** खलीफा | Khalifa

2) **इस्लाम का विभाजन |** Partition of Islam :-



123

अन्य तथ्य

- 1) **इब्न इशाक | Ibn Ishaq :-** पैगंबर साहब का जीवन- चरित्र लिखा | Wrote the life-character of the Prophet
- 2) **ईद-ए-मिलाद-उन-नबी | Eid-e-milad-un-nabi :-** मुहम्मद साहब पैगम्बर का जन्म-दिन | Muhammad Sahab Prophet's Birthday
- 3) इस्लाम जगत में खलीफा पद 1924 ई. तक रहा। 1924 ई. में इसे तुर्की के शासक मुस्तफा कमालपाशा ने समाप्त कर दिया | The post of Khalifa in the world of Islam remained till 1924 AD. In 1924, it was abolished by the Turkish ruler Mustafa Kamalpasha.
- 4) भारत में सर्वप्रथम इस्लाम का आगमन अरबों के जरिए हुआ | The first arrival of Islam in India was through the Arabs.

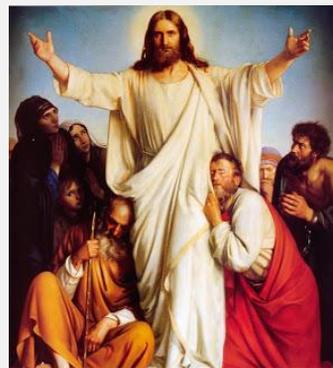
➤ **नोट :-** नमाज़ के दौरान मुसलमान मक्का की तरफ मुंह करके खड़े होते हैं। भारत में मक्का पश्चिम की ओर पड़ता है। मक्का की ओर की दिशा को क़िबला कहा जाता है | During prayers, Muslims stand facing Mecca. Mecca in India falls to the west. The direction of the Oor of Mecca is called Kibla.

124



अध्याय | Chapter - 11 ईसाई धर्म | Christianity

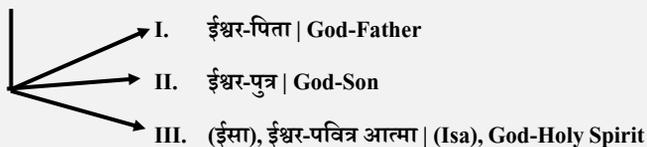
1. परिचय | Introduction



- 1) **संस्थापक | Founder :-** ईसा मसीह | Jesus Christ
- 2) **प्रमुख ग्रंथ Major scripture :-** बाइबिल | Bible
- 3) **ईसा मसीह का जन्म | Birth of christ :-** जेरुशेलम (बैथलेहम) | Jerusalem (Bethlehem)
- 4) **ईसा मसीह के जन्म-दिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है | Christmas birthday is celebrated as christmas**
- 5) **पिता और माता | Father and Mother :-** जोसेफ और मेरी | Joseph and mary
- 6) **ईसा ने अपने जीवन के प्रथम 30 वर्ष एक बढ़ई के रूप में बैथलेहम के निकट नाज़रेथ में बिताए | Jesus spent the first 30 years of his life as a carpenter in Nazareth near Bethlehem**
- 7) **ईसा मसीह के प्रथम दो शिष्य | First two disciples of christ :-** एंड्रस एवं पीटर | Andrews and Peter

125

- 8) **ईसा मसीह को सूली पर रोमन गवर्नर पोंटियस ने चढ़ाया | Roman governor Pontius crucified Jesus Christ**
- 9) **ईसा मसीह को 33 ई. में सूली पर चढ़ाया गया | Jesus was crucified in 33 AD**
- 10) **ईसाई धर्म का सबसे पवित्र चिह्न | The most sacred symbol of Christianity :- क्रॉस | Cross**
- 11) **ईसाई त्रित्व में विश्वास रखते हैं Christians believe in the Trinity, :-**



- **नोट | Note :-** 12वीं शताब्दी से फ्रांस में आरंभिक भवनों की तुलना में अधिक ऊँचे व हल्के चर्चों के निर्माण प्रारंभ हुए। वास्तुकला की यह शैली गोथिक नाम से जानी जाती है। इस वास्तुकलात्मक शैली के सर्वोत्कृष्ट उदाहरणों में एक पेरिस का नाट्रेडम चर्च है। From the 12th century, the construction of higher and lighter churches began in France compared to the initial buildings. This style of architecture is known as Gothic. One of the best examples of this architectural style is the Natredum Church of Paris .

126

अध्याय | Chapter – 12 पारसी धर्म | Zoroastrianism / Parasitism

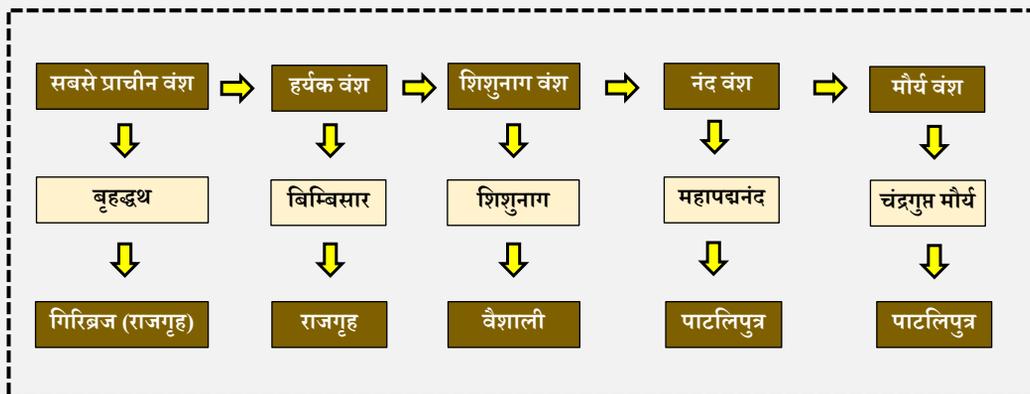
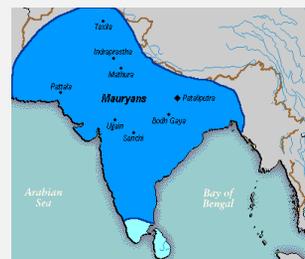
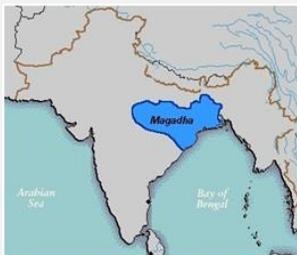
1. परिचय | Introduction

- 1) **संस्थापक | Founder :-** जरथुस्ट (ईरानी) | Zarathust (Iranian)
- 2) इनके शिक्षाओं का संकलन **जेन्दा अवेस्ता** नामक ग्रंथ में है, जो पारसियों का धार्मिक ग्रंथ है | The compilation of his teachings is in the book Jenda Avesta, which is the religious text of the Parsis.
- 3) इनकी मूल शिक्षा का सूत्र | Their basic source of education :-
 1. **सद्-विचार, सद्-वचन तथा सद्-कार्य** | Good thoughts, good words and good works
- 4) इसके अनुयायी एक ईश्वर 'अहुर' को मानते हैं | Its followers consider a god 'Ahur'
- 5) इस धर्म के अनुयाइयों को 'अग्नि-पूजक भी कहा जाता है | Followers of this religion are also called 'fire worshippers'



127

अध्याय | Chapter – 13 मगध राज्य का उत्कर्ष | Rise of Magadha



128

1. हर्यक वंश / पितृहंता वंश | Haryanka dynasty

बिम्बिसार → अजातशत्रु/कुषिक → उदायिन → नागदशक

1.1) बिम्बिसार | Bimbisara



- 1) हर्यक वंश के **संस्थापक** | Founder of the Harayak dynasty :- बिम्बिसार | Bimbisara (544 BC)
- 2) **राजधानी** | Capital :- राजगृह | Rajgriha
- 3) **बौद्ध धर्म का अनुयायी** | **Buddhist follower** :- महात्मा बुद्ध की सेवा हेतु राजवैद्य जीवक को भेजा | Sent Rajavadya Jeevak to serve Mahatma Buddha

129

4) कार्य | Work :-

- I. कुशल प्रशासनिक व्यवस्था और विदेश नीति | Efficient administrative system and foreign policy
- II. अंग राज्य को हराकर मगध में मिलाया | After defeating the Anga state and merged with Magadha
- III. अवंती के राजा प्रद्योत की सहायता हेतु राजवैद्य जीवक को भेजा | Sent Rajavadya Jeevak to assist Pradyot king of Avanti .
- IV. वैवाहिक संबंधों द्वारा सशक्तिकरण | Empowerment by Marital Relations

- 1) कौशल नरेश प्रसनजीत की बहन **महाकौशला**
- 2) वैशाली के चेटक की पुत्री **चेल्लना**
- 3) मद्र देश की राजकुमारी **क्षेमा**

- 5) **बिम्बिसार की हत्या** | **Assassination of bimbisara** :- पुत्र अजातशत्रु द्वारा | By son Ajatashatru

130

1.2) अजातशत्रु / कुषिक | Ajatashatru / Kushik



KING AJATSHATRU

- 1) **493 BC :-** पिता बिंबिसार की हत्या करके मगध का शासक बना | Became ruler of Magadha after killing father Bimbisara
- 2) प्रारंभ में जैन तथा बाद में बौद्ध धर्म का अनुयायी | Initially a follower of Jainism and later Buddhism
- 3) मंत्री वर्षकार (वरस्कार) की सहायता से वैशाली पर विजय | Victory over Vaishali with the help of Minister Varshakar (Varshak)
- 4) **461 BC :-** पुत्र उदायिन द्वारा हत्या | Assassination by son Udayin
- 5) **प्रथम बौद्ध संगिति | First Buddhist Sangiti** → राजगृह | Rajgriha → महाकश्यप | Mahakashyap

131

1.3) उदायिन | Udayin



- 1) 461 ईसा पूर्व में अपने पिता की हत्या कर उदायिन मगध की गद्दी पर बैठा | Udayin ascended the throne of Magadha by killing his father in 461 BC
- 2) **पाटलिग्राम की स्थापना | Establishment of Patilagram**
- 3) **जैन धर्म का अनुयायी | Follower of jainism**
- 4) **अंतिम शासक | Last ruler :-** उदायिन का पुत्र नागदशक | Udayin's son Nagadashak

132

2) नाग वंश | Nag Dynasty

1) **संस्थापक | Founder :-** शिशुनाग | Shishunaga



यह नागदशक का अमात्य था

2) वैशाली को राजधानी बनाया | Made Vaishali the capital

3) **इसी वंश के शासक | The ruler of this dynasty :-** कालाशोक | Kalashoka



पुनः पाटलिपुत्र को राजधानी | Re-Pataliputra Capital

द्वितीय बौद्ध संगीति | Second Buddhist Council

- I. वैशाली
- II. सबाकामी

4) **अंतिम शासक | Last ruler :-** नंदीवर्धन | Nandivardhan

133

3) नंद वंश | Nanda Dynasty

1) **संस्थापक | Founder :-** महापद्मनंद

उग्रसेन | Ugrasen - पाली ग्रंथ | Pali Granth

एकछत्र - पुराण | Purana

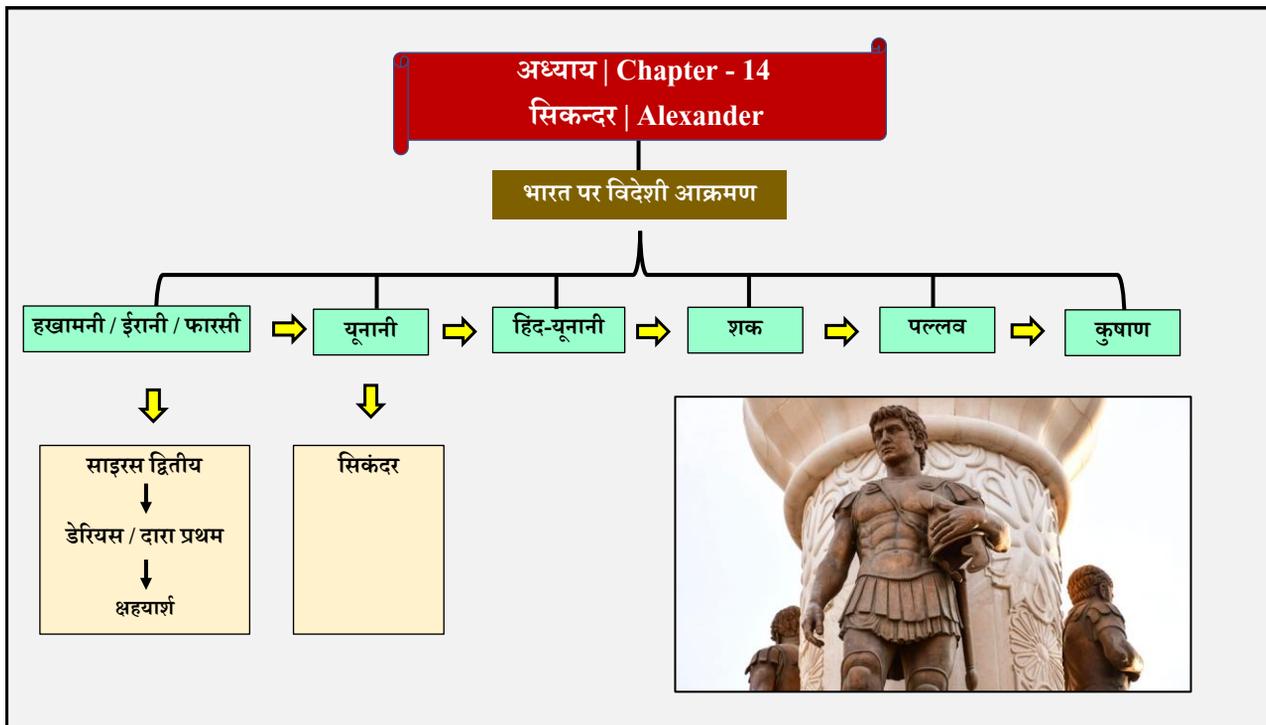
एकराट - पुराण | Purana

2) **अंतिम शासक | Last ruler :-** घनानंद | Ghananand

- 1) सिकंदर का समकालीन | Alexander's contemporary
- 2) चंद्रगुप्त मौर्य ने पराजित किया और मौर्य वंश की स्थापना की | Chandragupta Maurya defeated and established the Maurya dynasty.



134



135

1. सिकन्दर | Alexander



- 1) जन्म 356 ईसा पूर्व - मेसोडोनिया / मकदूनिया | Macedonia / Macedonia
- 2) पिता | **Father** :- फिलिप | Philip
- 3) गुरु | **Teacher** :- अरस्तू | Aristotle
- 4) भारत पर आक्रमण | **Invasion of india** :- 326 BC
 - I. भारत में घनानंद का शासन | Ghananand's rule in India
 - II. सेनापति **Commander** :- सेल्यूकस निकेटर
 - III. 19 माह का समय | 19 months time
 - IV. जल सेनापति | **Commander of Water** :- निर्याकस
- 5) हाइडेस्पिज / ज़ेलम (वितस्ता) का युद्ध | **Battle of the Hydaspes / Jhelum (Vistasta)** :-
 - पंजाब (पुरु) के राजा पोरस और सिकंदर की मध्य | **Between Porus and Alexander the King of Punjab (Puru)**
 - सिकंदर ने सम्मान किया | **Alexander respected**

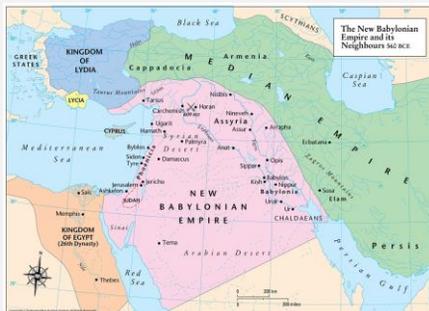


136

6) व्यास नदी के बाद सिकंदर लौट गया | Alexander returned after Vyas river

- I. नवीन शहरों का निर्माण | Manufacture of new cities - सिकंदरिया, बऊकेफला (घोड़े के नाम पर) आदि |
Alexandria, Boukefla (named after a horse) etc.
- II. साम्राज्य को चार भागों में बांटा | Divided the empire into four

7) मृत्यु | Death :- 323 ईसा पूर्व में (बेबीलोन, इराक) | In 323 BC (Babylon, Iraq)



137

अध्याय | Chapter - 15
मौर्य साम्राज्य | Maurya Empire

चन्द्रगुप्त



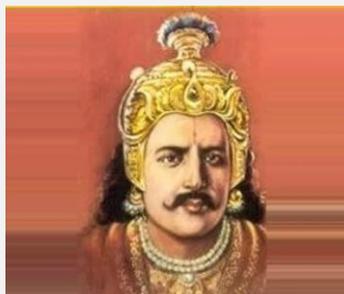
बिंदुसार



अशोक



बृहद्रथ (अंतिम)



138

1. चन्द्रगुप्त मौर्य | Chandragupta Maurya

1) मौर्य वंश का संस्थापक और प्रथम सम्राट | Founder and first emperor of Maurya dynasty



322 BC में नंद शासक घनानंद को हराया | Defeated the Nanda ruler Ghanananda in 322 B.C.

2) जन्म | Birth :- 345 ईसा पूर्व

3) अन्य नाम | Other names :-

- स्ट्रेबो, एरियन और जस्टिन | Strebo, Ariane and Justin :- सेन्द्रोकोट्टस | Sandrocottus
- ऐप्पियानस व प्लूटार्क | Appianus and Plutarch :- ऐंट्रोकोटस | Enterocotus
- नियार्कस | Nearchus :- सेंटोकोप्टस | Centocopts
- विशाखदत्त की मुद्राराक्षस | Visakhadatta's Mudraraksha :- वृषल (निम्न कुल) Vrishal (Low Caste)



139

4) प्रधानमंत्री | Prime Minister :- चाणक्य/ कौटिल्य / विष्णुगुप्त | Chanakya / Kautilya / Vishnugupta



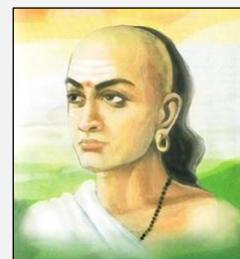
पुस्तक | Book :- अर्थशास्त्र | Arthashastra

5) कार्य और युद्ध | Work and war :-

1. 305 BC :- सेल्युकस निकेटर को हराया | Defeated Seleucus I Nicator



- सेल्युकस निकेटर ने अपनी पुत्री कार्नेलिया की शादी | Seleucus Nicator marries his daughter Cornelia
- चार प्रांत - काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान चन्द्रगुप्त को दिए | Four provinces were given to Kabul, Kandhar, Herat and Makran Chandragupta



140

2. रुद्रदामन का जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख | Junagadh (Girnar)

inscription of Rudradaman

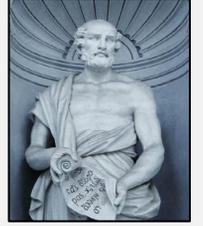
- I. संस्कृत भाषा का सबसे बड़ा अभिलेख
- II. चंपू शैली (गद्य और पद्य)



- चंद्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल पुष्यगुप्त ने सुदर्शन झील (सौराष्ट्र) का निर्माण | Chandragupta Maurya Governor Pushyagupta Vaishya built the Sudarshan Lake (Saurashtra)
- अशोक द्वारा पुनः निर्माण | Rebuilding by Ashoka
- रुद्रदामन द्वारा पुनर्निर्माण | Rebuilding by Rudradaman

3. मेगास्थनीज | Megasthenes

- सेल्यूकस निकेटर का राजदूत | Ambassador of seleucus nicator
- पुस्तक | Book :- इंडिका | Indica



141

6) जैन धर्म का अनुयायी | Follower of jainism :-

- दीक्षा | Initiation :- गुरु भद्रबाहु
- 298 BC कर्नाटक की श्रवणबेलगोला में जैन विधि (संलेखना पद्धति) द्वारा प्राण त्याग



142

मेगास्थनीज | Megasthenes

- 1) **पुस्तक | Book :-** इंडिका | Indica
- 2) **चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में सेल्यूकस का राजदूत | Ambassador of Seleucus to the court of Chandragupta Maurya**
- 3) **विवरण | Description :-**
 - I. मेगास्थनीज के अनुसार सम्राट का जनता के सामने आने के अवसरों पर शोभा-यात्रा के रूप में जश्न मनाया जाता है |
According to Megasthenes, the emperor is celebrated on the occasions in front of the public as Shobha-Yatra.
 - II. उन्हें एक सोने के पालकी में ले जाया जाता है | They are taken in a gold sedan
 - III. उनके अंगरक्षक सोने और चाँदी से अलंकृत हाथियों पर सवार रहते हैं | Their bodyguards ride on elephants embellished with gold and silver

143

- IV. कुछ अंगरक्षक पेड़ों को लेकर चलते हैं | Some bodyguards carry trees
- V. इन पेड़ों पर प्रशिक्षित तोतों का झुण्ड रहता है जो सम्राट के सिर के चारों तरफ चक्कर लगाता रहता है | There is a horde of trained parrots on these trees, which revolve around the head of the emperor.
- VI. राजा सामान्यतः हथियारबंद महिलाओं से घिरे होते हैं | Kings are usually surrounded by armed women.
- VII. उनके खाना खाने के पहले खास नौकर उस खाने को चखते हैं। वे लगातार दो रात एक ही कमरे में नहीं सोते थे | The special servants taste the food before they eat their food. They did not sleep in the same room two nights in a row .
- VIII. पाटलिपुत्र एक विशाल प्राचीर से घिरा है, जिसमें 570 बुर्ज और 64 द्वार हैं | Pataliputra is surrounded by a huge rampart, which has 570 bastions and 64 gates.
- IX. दो और तीन मंजिल वाले घर लकड़ी और कच्ची ईंटों से बने हैं | Two and three storey houses are made of wood and raw bricks.
- X. राजा का महल भी काठ का बना है जिसे पत्थर की नक्काशी से अलंकृत किया गया है | The palace of the king is also made of wood which is decorated with stone carvings.
- XI. यह चारों तरफ से उद्यानों और चिड़ियों के लिए बने बसेरों से घिरा है | It is surrounded by shelters for gardens and sparrows.

144

2. बिंदुसार | Bindusar (298-273 BC)

1) **298 BC :-** चंद्रगुप्त मौर्य का पुत्र | Son of Chandragupta Maurya

2) **अन्य नाम | Other names :-**

I. अमित्रघात (शत्रु विनाशक) | Amitraghat (enemy destroyer)

II. भद्रसार (वायु पुराण) | Bhadrasar (Vayu Purana)

III. सिंहसेन (जैन धर्म) Singhsen (Jain Religion)

IV. 16 राज्यों का विजेता (बौद्ध विद्वान तारानाथ) | Winner of 16 states (Buddhist scholar Taranath)

3) आजीवक संप्रदाय के अनुयायी | Followers of the Aajevak sect :-



संस्थापक | Founder :- मकखलिपुत्र गोसाल | Makkaliputra Gosal



4) सीरियन नरेश एण्टियोकस ने डाइमेकस को भेजा तथा बिंदुसार ने मदिरा अंजीर और दार्शनिक भेजने की प्रार्थना की | Syrian king Antiochus sent Dymacus, and Bindusara prayed to send wine figurines and philosophers.

145

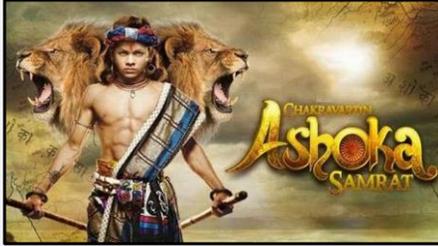
4) बिंदुसार की सभा में 500 सदस्यों वाली एक मंत्रिपरिषद थी जिसका **प्रधान खल्लाटक** था | Syrian king Antiochus sent Dymacus, and Bindusara prayed to send wine figurines and philosophers.

5) बिंदुसार के शासनकाल में तक्षशिला (सिन्धु एवं झेलम नदी के बीच) में हुए दो विद्रोहों का वर्णन है। इस विद्रोह को दबाने के लिए बिंदुसार ने पहले सुसीम को और बाद में अशोक को भेजा | There are accounts of two revolts in Taxila (between Indus and Jhelum river) during the reign of Bindusara. To suppress this rebellion, Bindusara sent Susim first and later Ashoka.

146

3. अशोक | Ashoka (273-232 BC)

3.1) परिचय | Introduction



1) 269 BC :- अशोक मौर्य साम्राज्य का सम्राट बना | Ashok became Emperor of Maurya Empire



इससे पहले अशोक अवंति का राज्यपाल था | Earlier Ashok was the governor of Avanti

147

- 2) अशोक | Ashoka
- 1. पिता | Father :- बिंदुसार | Bindusar
 - 2. माता | Mother :- सुभद्रांगी | Subhadrangi (बौद्धग्रंथ दिव्यादान के अनुसार)
 - 3. अशोक के नाम | Ashok's name



- I. मास्की, गुजरा, नेत्तुर एवं उडेगोलम लेख :- अशोक
- II. कनगनहल्ली शिलालेख (कर्नाटक) :- राण्यो अशोक (राजा अशोक)
- III. पुराण :- अशोकवर्धन
- IV. भ्रावु अभिलेख :- अशोक ने स्वयं को मगध का राजा कहा
- V. 1837 में जेम्स प्रिंसेप द्वारा प्राप्त ब्राह्मी लिपि का अभिलेख :- देवनाम पियदस्सी
- VI. जूनागढ़ अभिलेख :- अशोक मौर्य

3) प्लिनी का कथन है कि मिस्र का राजा फिलाडेलफस (टॉलमी II) ने पाटलिपुत्र में डियानीसियस नाम का एक राजदूत भेजा था | Pliny states that the Egyptian king Philadelphus (Ptolemy II) sent an ambassador named Pityapius to Pataliputra

148

3.2) अशोक का धार्मिक जीवन | Ashok's Religious Life

1) प्रारंभिक धर्म | Early religion :- ब्राह्मण धर्म (महावंश) | Brahmin religion (Mahavansh)



2) राजतरंगिणी | Rajatarangini :- शैव धर्म | Shaivism



3) बौद्ध साहित्य और अहरोरा लेख | Buddhist literature and Aharora articles :- निग्रोध के उपदेश सुनकर बौद्ध धर्म अपनाया |

Adopted Buddhism after listening to the sermons .



I. बौद्ध धर्म की दीक्षा | Buddhism initiation :- उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु | Buddhist monk Upagupta



149

II. बौद्ध तीर्थों की यात्रा | Buddhist pilgrimage

राज्य अभिषेक 10 वें वर्ष :- बोधगया | BodhGaya

12 वें वर्ष :- निगालि सागर | Nigaali Sagar

20 वें वर्ष :- लुम्बिनी | Lumbini

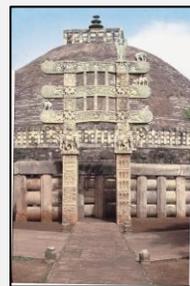
4) अशोक ने वृहद स्तर पर बौद्ध धर्म का प्रचार किया | Ashoka propagated Buddhism on a large scale



I. 84000 स्तूपों का निर्माण करवाया | Constructed 84000 stupas

II. पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका (सिलॉन | Ceylon) भेजा | Son Mahendra and daughter Sanghamitra sent to Sri Lanka (Ceylon | Ceylon)

III. तृतीय बौद्ध संगीति (पाटलिपुत्र) | Third Buddhist Council (Pataliputra) :- मोग्गलिपुत्त तिस्स | Moggaliputta Tissa



150

5) अशोक व आजीवक संप्रदाय | Ashoka and Aajeevak sect :-

- I. अजीवक और अन्य संप्रदायों का सम्मान | Respect for Ajivak and other sects :- धार्मिक सहिष्णुता | Religious tolerance
- II. बराबर की पहाड़ियों (बिहार) में चार गुफाओं (कर्ज, चौपार, सुदामा और विश्व झोपड़ी) का निर्माण | Construction of four caves (Karj, Chaupar, Sudama and Vishwa Hut) in Parbar Hills (Bihar)

6) अशोक का धम्म | Ashoka's Dhamma :-

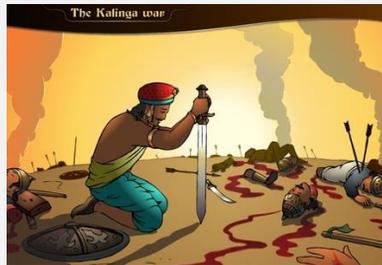
- I. अशोक के 11 वें शिलालेख में वर्णित | Described in the 11th inscription of ashoka
- II. अर्थ | Meaning :- नैतिक नियमों की संहिता | Code of ethical rules



151

3.3) अशोक की कलिंग विजय | Ashoka's Kalinga Vijay (261 BC)

- I. जानकारी | Information :- अशोक के 13वें शिलालेख | 13th Rock Edict of Ashoka
- II. 261 BC :- कलिंग (वर्तमान उड़ीसा का दक्षिणी भाग) पर हमला और राजधानी तोसली पर अधिकार | Attack on Kalinga (southern part of present-day Orissa) and occupation of capital Tosali
- III. अशोक का हृदय परिवर्तन | Ashok's change of heart :- भेरीघोष से धर्मघोष



152

3. परवर्ती मौर्य शासक | Later Maurya ruler

1) मौर्य शासन 137 वर्षों तक रहा | Mauryan rule lasted for 137 years

2) अंतिम शासक | Last ruler :- बृहद्रथ | Brihadratha



I. सेनापति पुष्यमित्र शुंग द्वारा 185 ईसा पूर्व में हत्या | Assassinated in 185 BC by commander Pushyamitra Sunga .



II. मगध में शुंग वंश का प्रारंभ | Sunga dynasty begins in Magadha.

153

3) पतन के कारण | Reason to Fall :-

- I. अयोग्य उत्तराधिकारी (परवर्ती मौर्य शासक) | Undeserving successor (successor Maurya ruler)
- II. अत्यधिक केंद्रीकृत शासन (रोमिला थापर) | Highly Centralized Governance (Romila Thapar)
- III. ब्राह्मणों की प्रतिक्रिया (एच. सी. रायचौधरी) | Response of Brahmins (HC Raychaudhuri)
- IV. करो की अधिकता और आर्थिक समस्याएं | Excess of tax and economic problems
- V. अशोक के बाद मौर्य साम्राज्य का विभाजन | The division of the Maurya Empire after Ashoka

कुनाल (पश्चिमी) | Kunal (Western)

दशरथ (पूर्वी) | Dasharatha (Eastern)

154

4. मौर्यकालीन प्रशासन | Mauryan Administration

1) भारत की प्रथम केंद्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था | India's first centralized administrative system

केंद्रीय प्रशासन | Central administration :- राजा | King



5 प्रांत :- कुमार / आर्यपुत्र / राष्ट्रिक



मंडल :- प्रादेशिक / प्रदेश



विषय / आहार :- आहारपति / विषयपति



ग्राम | Gram :- ग्रामिणी



155

4.1) केंद्रीय प्रशासन | Central administration

1) परिचय | Introduction

1) संपूर्ण प्रशासन का प्रमुख | Head of overall administration :- राजा | King

↓ सहायता | Help

मंत्रीपरिषद | Council of Ministers

प्रमुख मंत्री | Chief Minister

- 1) पुरोहित | Priest
- 2) युवराज | Prince / Yuvaraaj
- 3) सेनापति | Commander

इनकी नियुक्ति उपधा परीक्षण (जांच) के बाद होती थी |

They were appointed after trial.

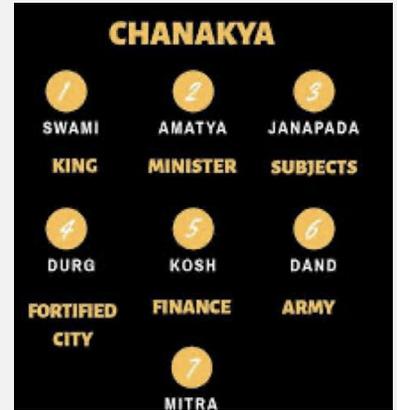
156

2) कौटिल्य का सप्तांग सिद्धांत | Kautilya's Saptaang Theory



शरीर के अंगों के समान राज्य के 7 अंग होते हैं | There are 7 parts of the state similar to body parts.

- 1) राजा | King :- शीर्ष | Head
- 2) आमाल्य | Amatya :- आंख | Eye
- 3) जनपद | Janapad :- क्षेत्र और जनसंख्या (पैर) | Area and Population (feet)
- 4) दुर्ग | Durg :- बाह | Arm
- 5) कोष | Kosh :- धन (मुख) | Money (Mouth)
- 6) सेना/दंड | Army / Dand :- मस्तिष्क | Brain/ Mind
- 7) मित्र | Friend :- कान | Ear



157

2) मुख्य अधिकारी / तीर्थ | Chief Officer / Tirthas

1. मुख्य अधिकारियों | Chief officer :- तीर्थ/महापात्र | Tirthas



2. संख्या | Number :- 18

अधिकारी / तीर्थ	कार्य
1) मंत्री Mantri	प्रधानमंत्री Prime Minister
2) पुरोहित Purohit	धर्माधिकारी Chief Priest
3) युवराज Yuvraj	राजा का उत्तराधिकारी Crown Prince
4) समाहर्ता Samaharta	राजस्व विभाग का प्रधान अधिकारी Revenue collector
5) सन्निधाता Sannidata	राजकीय कोषाध्यक्ष Treasury head
6) प्रदेष्टा Pradeshta	फौजदारी न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश Criminal Court Judge
7) व्यवहारिक Vyavaharika	दीवानी न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश Civil Court Judge

158

3) अध्यक्ष/मजिस्ट्रेट | Adhyakshya/ Magistrate

- 1) विभिन्न विभागों के प्रमुख | Heads of various departments
- 2) अर्थशास्त्र के अनुसार संख्या | Number of According arthashastra :- 27

अध्यक्ष /Adhyakshya	कार्य
1) Sitaadhyaksha सीता अध्यक्ष	Superintendent of agriculture कृषि विभाग
2) Sulkaadhyaksha शुल्क अध्यक्ष	Superintendent of tolls व्यापारिक कर का प्रधान
3) Lakshanadhyaksha लक्षणा अध्यक्ष	Coin minting मुद्रा विभाग
4) Navadhyaksha नव्या अध्यक्ष	Superintendent of ships जहाज विभाग
5) Mudradhyaksha मुद्रा अध्यक्ष	Royal symbol पासपोर्ट विभाग

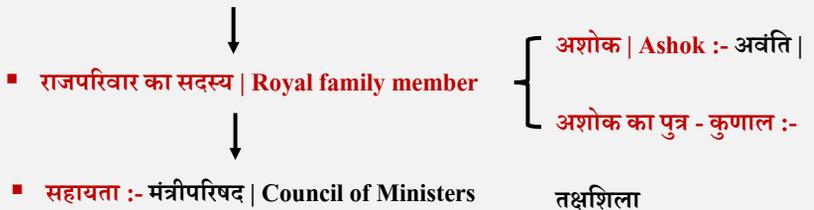
159

4.2) प्रांतीय प्रशासन | Provincial administration

- 1) केंद्र पांच प्रांतों (चक्रों) में विभाजित था | The center was divided into five provinces (chakras)

प्रान्त	राजधानी
उत्तरापथ	तक्षशिला
दक्षिणापथ	सुवर्णागिरी
अवन्ति राष्ट्र	उज्जयिनी
प्राची (पूर्वी प्रदेश)	पाटलिपुत्र
कलिंग	तोसली

2. प्रमुख | Chief :- कुमार/राष्ट्रिक /आर्यपुत्र | Kumar / Aryaputra



160

4.3) नगर प्रशासन | Municipal Administration



- 1) जानकारी का स्रोत | Source of information :- मेगास्थनीज की इंडिका | Megasthenes indica
- 2) नगर प्रमुख | City Head :- एस्टिनोमोई
- 3) नगर प्रशासन | City administration → 30 सदस्य → 6 समितियों में विभाजित | Divided into 6 committees

समिति Committee	कार्य Work
पहली समिति	औद्योगिक तथा कलात्मक उत्पादन से सम्बंधित Related to industrial and artistic production
दूसरी समिति	विदेशियों के मामले देखना Foreign Affairs
तीसरी समिति	जन्म तथा मृत्यु का पंजीकरण Birth and death registration
चौथी समिति	व्यापार तथा वाणिज्य का विनिमयन Trade & Commerce
पाँचवी समिति	माल के विनिर्माण पर नजर रखना Manufacturing
छठी समिति	कर वसूलना Taxation

161

4.4) गुप्तचर व्यवस्था | Detective system

- 1) गुप्तचर | Detective → गुह्यपुरुष { संस्था | Organization :- एक ही स्थान पर कार्यरत | Working in one place
संचार | Communications :- भ्रमणशील | Excursive
- 2) प्रमुख | Chief → महामात्य सर्प



162

6.5) राजस्व व्यवस्था | Revenue system

1) आय का मुख्य स्रोत | **Main source of income :- भू-राजस्व | Land Revenue**

2) भूमि | **Land** { I. सीता | Seeta :- सरकारी भूमि | Government land
II. भाग | Bhaag :- निजी | Private
III. अदेवमातृक | Adolescent :- बिना वर्षा के अच्छी खेती | Good farming without rain

3) भूमिकर | **Tax :- उत्पादन का 1/6 कौटिल्य या 1/4 (मेगास्थनीज) | 1/6 Kautilya or 1/4 of the production (Megasthenes)**

4) बिक्रीकर | **Sales tax :- मूल्य का 10 वां भाग 10th value of money**

5) अन्य कर | **Other taxes** { I. रज्जु | Rajju :- भूमिमाप | Land survey
II. बलि | Bali :- धार्मिक कर | Religious tax
III. विवीत | Viveet :- चारागाह | Grassland

6) अकाल के समय राहत | **Famine relief**

163

4.6) सैन्य प्रशासन | Military administration

1) युद्धक्षेत्र से सेना का नेतृत्व करने वाला अधिकारी | **An officer leading the army from the battlefield :- नायक | Nayak**

2) जास्टिन का विवरण | **Description of Justin**

- कुल सैनिक | Total soldiers :- 6 लाख
- 50 हजार अश्वारोही, 9 हजार हाथी व 8 हजार रथ | 50 thousand horsemen, 9 thousand elephants and 8 thousand chariots
- लुटेरों की सेना | Army of robbers
- पश्चिमोत्तर भारत पर अधिकार | Authority over northwest India

3) प्लिनी का विवरण | **Description of Pliny**

- 6 लाख पैदल सैनिक | 6 million infantrymen
- 30 हजार घुड़सवार | 30 thousand horsemen
- 9 हजार हाथी | 9 thousand elephants

164

- 4) सबसे बड़ा सैन्य अधिकारी | **Greatest military officer** :- सेनापति | Commander
- 5) मेगास्थनीज | **Megasthenes** :- सेना का रखरखाव 6 समितियों (प्रत्येक में 5 सदस्य) द्वारा | Maintenance of the army by 6 committees (5 members each)

समिति	कार्य
पहली समिति	जल सेना की व्यवस्था करती थी Navy
दूसरी समिति	सामग्री, यातायात एवं रसद की व्यवस्था करती थी Logistics
तीसरी समिति	पैदल सैनिकों की व्यवस्था करती थी Army
चौथी समिति	अश्वारोही सेना की व्यवस्था करती थी Cavalry
पाँचवी समिति	गज सेना की व्यवस्था करती थी Elephant Force
छठी समिति	रथ सेना की व्यवस्था करती थी Chariot Force

6) अन्य अधिकारी | **Other officer**

- आयुधगाराध्यक्ष :- Logistics
- नवाध्यक्ष :- जल सेना | Navy

165

4.7) न्याय प्रशासन | Administration of justice

- 1) सर्वोच्च न्यायालय | Supreme Court :- राजा | King
- 2) जनपद न्यायालय | District court :- राजुक (अशोक द्वारा) | Rajuk (by Ashoka)
- 3) ग्राम न्यायालय | Village court :- ग्रामीणी | Gramini
- 4) कठोर न्याय एवं दंड व्यवस्था | Strict justice and penal system
- 5) कौटिल्य | Kautilya
 - I. धर्मस्थीय (दीवानी) :- धर्मस्थ/व्यवहारिक
 - II. कंटकशोधन (फौजदारी) :- प्रदेष्टा



166

5. मौर्यकालीन सामाजिक व्यवस्था | Mauryan social system

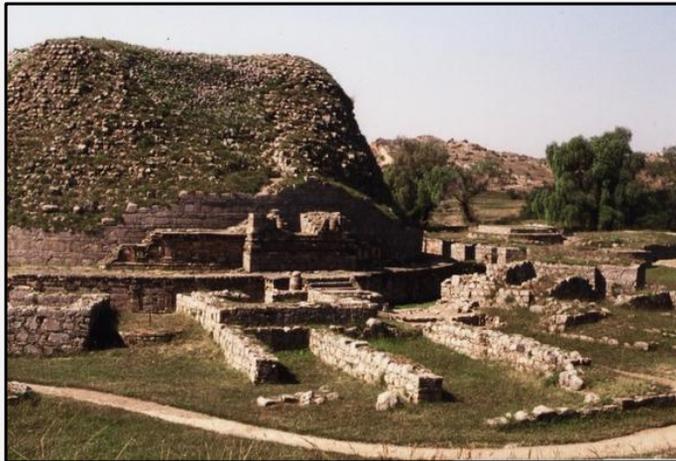
- 1) वर्ण व्यवस्था का प्रचलन | Prevalence of varna system
- 2) कौटिल्य ने शुद्रों हेतु आर्य शब्द का इस्तेमाल किया तथा अधिकार दिए | Kautilya used the word Arya for Shudras and gave rights.
- 3) मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को सात वर्गों में विभाजित किया है | Megasthenes has divided Indian society into seven classes.

- | | |
|----------------------------------|--------------------------------|
| 1) दार्शनिक Philosopher | 5) सैनिक Soldier |
| 2) किसान Farmer | 6) निरीक्षक Inspector |
| 3) अहीर Ahir | 7) सभासद Councilor |
| 4) कारीगर Artisan | |



167

- 4) स्त्रियों को पुनर्विवाह, विधवा विवाह एवं नियोग प्रथा के अधिकार |
- 5) गणिका (वैश्या) तथा स्वतंत्र रूप से वेश्यावृत्ति करने वाली स्त्रियां :- रूपाजीवा | Rupajiva
- 6) शिक्षा का केंद्र | **Center of education :- तक्षशिला | Takshshila**



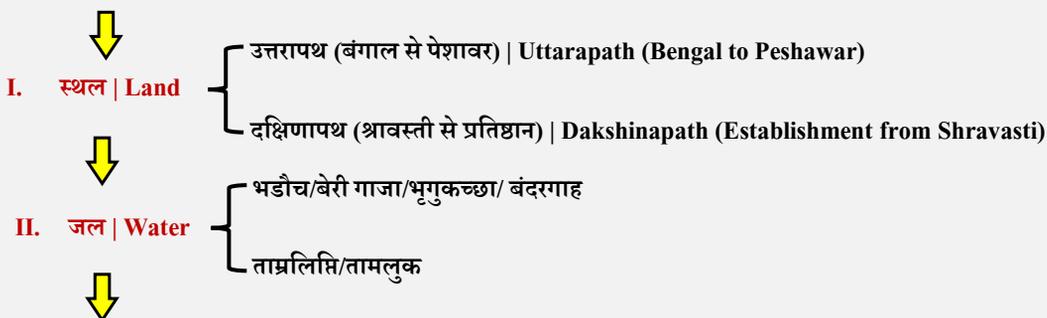
168

6. मौर्यकालीन अर्थव्यवस्था | Mauryan economy

- 1) कृषि आधारित अर्थव्यवस्था | Agricultural economy
 - I. सर्वश्रेष्ठ फसल | Best crop :- धान | Grain
 - II. बुरी फसल | Bad crop :- गन्ना | Sugarcane
 - III. सिंचाई हेतु सर्वप्रथम मंडल कूपों (रिंग वेल्स) का उपयोग | First to use irrigation wells (ring wells) for irrigation
- 2) प्रमुख उद्योग | Core industries :- सूत की कताई व बुनाई | Yarn spinning and weaving
- 3) व्यापार-वाणिज्य का अधिकारी | Trade officer :- पण्यध्यक्ष

169

4) प्रमुख मार्ग | Main road :-



कौटिल्य ने जलमार्ग को सर्वश्रेष्ठ बताया | Kautilya described the waterway as the best

- 5) विनिमय का माध्यम | Medium of exchange :- चांदी के पंचमार्क सिक्के (पण) | Silver Punchmark Coins (Pana)
- 6) मापन की इकाई | Unit of Measurement
 - I. द्रोण | Drona :- अनाज मापन | Grain measurement
 - II. निवर्तन | Nivartana :- भूमि | Land

170

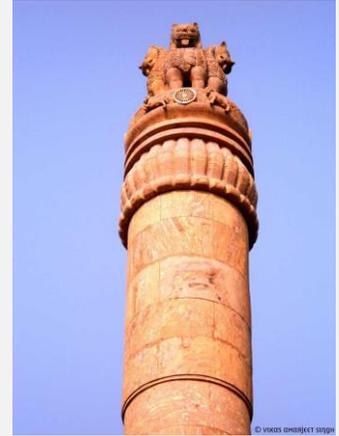
7. मौर्यकालीन कला | Mauryan Art

1) अशोक के स्तंभ | Ashoka Pillar :-

- I. लाल बलुआ पत्थर और पॉलिशदार स्तंभ | Red Sandstone and Polished Pillar.
- II. सारनाथ (वाराणसी उत्तर प्रदेश) स्तंभ अभिलेख | Sarnath (Varanasi Uttar Pradesh) pillar inscription .



- इसके शीर्ष भाग को सिंहचतुर्मुख (Lion Capital of Ashoka)
 - 1950 में भारत का राष्ट्रीय प्रतीक | National Emblem of India in 1950
- मध्यभाग 24 तीलियों वाला अशोक चक्र | Central Ashoka Chakra with 24 matchsticks.



171

2) अशोक के स्तूप | Ashoka's stupas :-

1) परिभाषा | Definition :- 'बुद्ध' या बौद्ध संतों की स्मृति में उनके शारीरिक अवशेष जैसे उनकी अस्थियाँ/दाँत तथा उनके द्वारा प्रयुक्त वस्तुओं के ऊपर बनाए जाते थे।

2) प्रथम उल्लेख | First mention :- ऋग्वेद | Rigveda (अर्थ-ढेर)

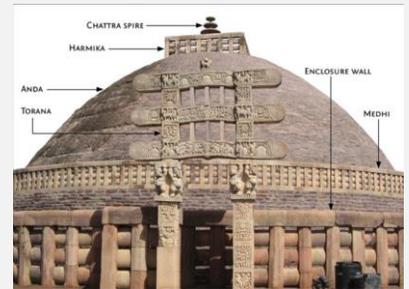
3) प्राचीनतम स्तूप | Oldest stupas :- पिपरहवा स्तूप (UP) | Piparahwa Stupa (UP)

4) सांची स्तूप (रायसेन, मध्यप्रदेश) | Sanchi Stupa (Raisen, Madhya Pradesh)

- 1) अशोक द्वारा ईंटों से निर्मित | Made of bricks by ashoka
- 2) 1818 में टॉयलर द्वारा खोज | Discovered by toiler in 1818
- 3) इसमें तीन स्तूप है | It has three stupas



- 1) महास्तूप :- भगवान बुद्ध के अवशेष (पुष्यमित्र शुंग ने वेदिका को पत्थर का बनाया)
- 2) कालास्तूप :- अशोक कालीन धर्मप्रचारकों के अवशेष
- 3) स्तूप 3 :- सारिपुत्र और महामोदगालायन के अवशेष



172

5) भरहुत स्तूप (सतना, मध्यप्रदेश) | Bharhut Stupa (Satna, Madhya Pradesh)

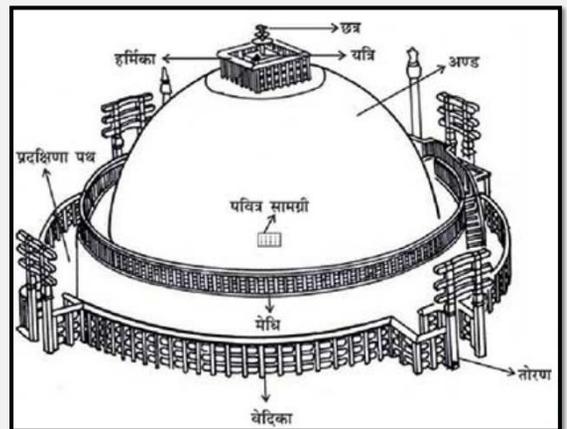
- अशोक द्वारा नीव रखी गई, जबकि पुष्यमित्र शुंग द्वारा पूर्ण | Laid foundation by Ashoka, while complete by Pushyamitra Sunga
- 1873 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा खोज | Search by Alexander Cunningham in 1873
- लाल बलुआ पत्थर | Red sandstone



173

6) स्तूप की संरचनाए | Stupa Structure :-

- स्तूप एक अर्द्धवृत्ताकार संरचना (पवित्र सामग्री के ऊपर गोलाबद्ध लिए हुए मिट्टी के टिले जैसा) है जिसे अण्ड कहा जाता है।
- 'अण्ड' के ऊपर एक छज्जे जैसी संरचना होती है जिसे 'हर्मिका' कहते हैं।
- हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे 'यष्टि' कहते हैं।
- यष्टि पर तीन छत्रियाँ लगी होती थी
- उपरोक्त संरचना के चारों तरफ घुमने के लिए प्रदक्षिणापथ होता है।
- इस संपूर्ण संरचना के चारों ओर एक वेदिका होती थी जहाँ तोरणद्वार (प्रवेश द्वार) बनाया जाता था



174

7) स्तूप के विभिन्न अंगों का अर्थ | Meaning of different parts of stupa :-

- 1) **तोरण द्वार :-** स्तूपों के चारों ओर चार प्रवेश द्वार बने होते थे जो चारों दिशाओं में बुद्ध के संदेशों के फैलने का प्रतीक है | There were four entrances around the stupas, which symbolized the spread of Buddha's messages in all four directions.
- 2) **वेदिका :-** स्तूपों के चारों तरफ एक घेरा बनाया जाता था जिसे वेदिका/रेलिंग कहा जाता था। जो पत्थरों के विभिन्न स्तरों/पट्टिकाओं का बना होता था। यह पवित्र भूमि का प्रतीक है, जो पवित्र स्थल को सामान्य दुनिया से अलग करती है | An enclosure was built around the stupas called the vedika / railing. Which was made of different levels / plaques of stones. It is a symbol of the Holy Land, which separates the holy site from the normal world.
- 3) **'अण्ड' :-** 'शांति' का प्रतीक | 'peace symbol
- 4) **'हर्मिका' :-** देवताओं के घर अथवा पवित्रता का प्रतीक है | The house of gods or symbol of purity
- 5) **'छत्र' :-** बुद्ध के विचारों/भिक्षाओं का प्रतीक है। जैसे-श्रद्धा, सम्मान एवं उदारता | It symbolizes the thoughts / beggars of Buddha. Such as reverence, respect and generosity

175

8. अशोक के अभिलेख | Ashoka's Inscriptions

भारत में शिलालेख का प्रचलन अशोक द्वारा | The inscription prevails in India by Ashoka

शिलालेख | Rock Edict

वृहत् | Large -14

लघु | Minor

पृथक् शिलालेख | Distinct Rock Edict

स्तंभलेख | Pillar Edict

दीर्घ | Long -07

लघु | Minor

गुहालेख | Cave Edict



- 1) शिलालेख के खोजकर्ता | Inscription explorers :- **फेन्थैलर | T. Fanthler**
- 2) शिलालेख को पढ़ने में सफलता | Success in reading Rock Edict :- **जेम्स प्रिंसेप | James Prinsep (1837)**
- 3) अभिलेखों की लिपि | Script of inscriptions
 - I. ग्रीक और और अरमाइक लिपि :- **अफगानिस्तान**
 - II. खरोष्ठी लिपि (दायी से बायी) :- **पाकिस्तान शाहबाजगढ़ी व मनशेहरा**
 - III. ब्राह्मी लिपि :- **शेष भारत**

176

1) अशोक के दीर्घ शिलालेख | Ashoka's Long Rock Edict

1) संख्या | Number :- 14

2) 8 विभिन्न स्थानों से प्राप्ति | Acquisition from various locations

शिलालेख	विषय Subject
पहला First	इसमें पशुबलि की निंदा की गयी है Animal sacrifice has been condemned in this.
दूसरा Second	मनुष्य व पशु दोनों की चिकित्सा-व्यवस्था का उल्लेख है The treatment of both humans and animals is mentioned
तीसरा Third	इसमें राजकीय अधिकारियों को यह आदेश दिया गया है कि वे हर पाँचवें वर्ष के उपरान्त दौरे पर जाएँ। इसमें कुछ धार्मिक नियमों का भी उल्लेख है In this, the state officials have been ordered to go on tour after every fifth year. It also mentions some religious rules
चौथा Fourth	इसमें भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा की गयी है In this, Dhammaghosh has been announced in place of Bherighosh
पाँचवाँ Fifth	इसमें धर्म-महामात्रों की नियुक्ति की जानकारी मिलती है It provides information about the appointment of Dharma-Mahamatras.
छठा Sixth	इसमें आत्म-नियंत्रण की शिक्षा दी गयी है It teaches self-control
7वां व 8वाँ	इनमें अशोक की तीर्थ-यात्राओं का उल्लेख है It mentions Ashoka's pilgrimage

177

नौवाँ Ninth	इसमें सच्ची भेंट तथा सच्चे शिष्टाचार का उल्लेख है It mentions true offering and true courtesy
दसवाँ Tenth	इसमें अशोक ने आदेश दिया है कि राजा तथा उच्च अधिकारी हमेशा प्रजा के हित में सोचें In this Ashoka has ordered that the king and high officials should always think in the interest of the subjects
ग्यारहवाँ Eleventh	इसमें धम्म की व्याख्या की गयी है Dhamma is explained in this .
बारहवाँ Twelfth	इसमें स्त्री महामात्रों की नियुक्ति एवं सभी प्रकार के विचारों के सम्मान की बात कही गयी है It talks about the appointment of women mahamatras and respecting all kinds of ideas.
तेरहवाँ Thirteenth	इसमें कलिंग युद्ध का वर्णन एवं अशोक के हृदय-परिवर्तन की बात कही गयी है। इसी में पाँच यवन राजाओं के नामों का उल्लेख है, जहाँ उसने धम्म प्रचारक भेजे It talks about the Kalinga war and the change of heart of Ashoka. In this, the names of the five Yavana kings are mentioned, where he sent the Dhamma pracharak
चौदहवाँ Fourteenth	अशोक ने जनता को धार्मिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित किया Ashoka inspired the public to lead a religious life.

178

2) अशोक के लघु शिलालेख | Ashoka's Minor Rock Edict

- 1) लघु शिलालेख में अशोक के व्यक्तिगत जीवन की जानकारी मिलती है | Information about Ashoka's personal life is found in the short Rock Edict.
- 2) ये निम्नलिखित स्थानों से प्राप्त हुए हैं | These are derived from the following places .
 - 1) रूपनाथ (जबलपुर) | Roopnath (Jabalpur)
 - 2) गुर्जरा (दतिया) | Gurjara (Datia)
 - 3) सारोमारो (शहडोल) | Saromaro (Shahdol)
 - 4) पनगुडरिया (सिहोर) | Panguderia (Sihor)

179

3) अन्य महत्वपूर्ण लघु शिलालेख | Other important minor Rock Edict :-

- I. मास्की अभिलेख (कर्नाटक) | Maski Rock Edict (Karnataka) :- इसमें अशोक ने स्वयं को बुद्ध शाक्य कहा है, इसी अभिलेख में उसका नाम अशोक मिलता है इसके अतिरिक्त नेतूर, उडेगोलम्, सन्नाती (सभी कर्नाटक) तथा गुर्जरा (दतिया) से प्राप्त अभिलेखों में अशोक नाम मिलता है | In this, Ashoka has called himself Buddha Shakya. In the same Rock Edict , his name is found Ashoka, in addition to this, the name Ashoka is found in the records obtained from Nettur, Udegolam, Sannati (all Karnataka) and Gurjara (Datia).
- II. भाबू/वैराट अभिलेख (राजस्थान) | Bhabu /Vairat Rock Edict (Rajasthan) :- इसमें अशोक ने स्वयं को मगधाधिराज कहा है तथा बौद्ध धर्म के त्रिरत्न (बुद्ध, धम्म व संघ) के प्रति आस्था प्रकट की है | In this, Ashoka has called himself Magadhidhiraja and has expressed faith in the Triratna (Buddha, Dhamma and Sangha) of Buddhism.
- III. एरंगुडि (आन्ध्र प्रदेश) | Erangudi (Andhra Pradesh) :- इस अभिलेख में लेखन शैली अन्य अभिलेखों के विपरीत बाएँ से दाएँ एवं दाएँ से बाएँ (बूस्ट्रोफेन) है | The writing style in this Rock Edict is from left to right and right to left (boostrophen) unlike other Rock Edict .

180

3) अशोक के पृथक शिलालेख | Ashoka's Distinct Article

- 1) **प्रथम पृथक लेख | First Distinct Article :-** इसमें अशोक कहता है कि सारी प्रजा मेरी संतान है। अशोक ने कलिंग के समीप के महामात्यों तथा नगर के न्याय अधिकारियों को निष्पक्ष न्याय करने को कहा है। अशोक कहता है कि मनुष्यों को कभी भी अकारण कैद या यातना न दी जाए। मैं निष्पक्ष न्याय हेतु सभी प्रांतों में प्रति पांचवें वर्ष (उज्जैन व तक्षशिला में प्रति तीसरे वर्ष) महामात्य नामक अधिकारी भेजूंगा | In this, Ashoka says that all the subjects are my children. Ashok has asked the Mahamatyas near Kalinga and the justice officers of the city to do fair justice. Ashoka says that humans should never be imprisoned or tortured without cause. I will send an officer named Mahamatya every fifth year (in Ujjain and Taxila) every third year for fair justice.
- 2) **द्वितीय पृथक लेख | Second Distinct Article :-** इसमें भी अशोक कहता है कि सारी प्रजा मेरी संतान है | In this too, Ashoka says that all the People's are my children.

181

4) अशोक के वृहत शिलालेख | Ashoka's Large Rock Edict

- 1) इन लेखों की संख्या 7 है, जो 6 भिन्न-भिन्न स्थानों से प्राप्त हुए हैं | The number of these articles is 7, obtained from 6 different places :-
 - I. **दिल्ली-मेरठ | Delhi-Meerut :-** यह पहले मेरठ में था, जिसे बाद में फिरोज तुगलक द्वारा दिल्ली लाया गया | It was earlier in Meerut, which was later brought to Delhi by Feroze Tughlaq.
 - II. **दिल्ली-टोपरा | Delhi-Topra :-** यह पहले हरियाणा के टोपरा में था, जिसे बाद में फिरोज तुगलक द्वारा दिल्ली लाया गया। यह एक मात्र ऐसा स्तम्भ लेख है, जिस पर अशोक के सातों स्तम्भलेख उत्कीर्ण हैं, जबकि शेष स्थानों पर केवल 6 लेख ही उत्कीर्ण मिलते हैं | It was earlier at Topra in Haryana, which was later brought to Delhi by Feroze Tughlaq. This is the only Pillar Edict on which the seven pillars of Ashoka are engraved, while in the remaining places only 6 articles are engraved.

182

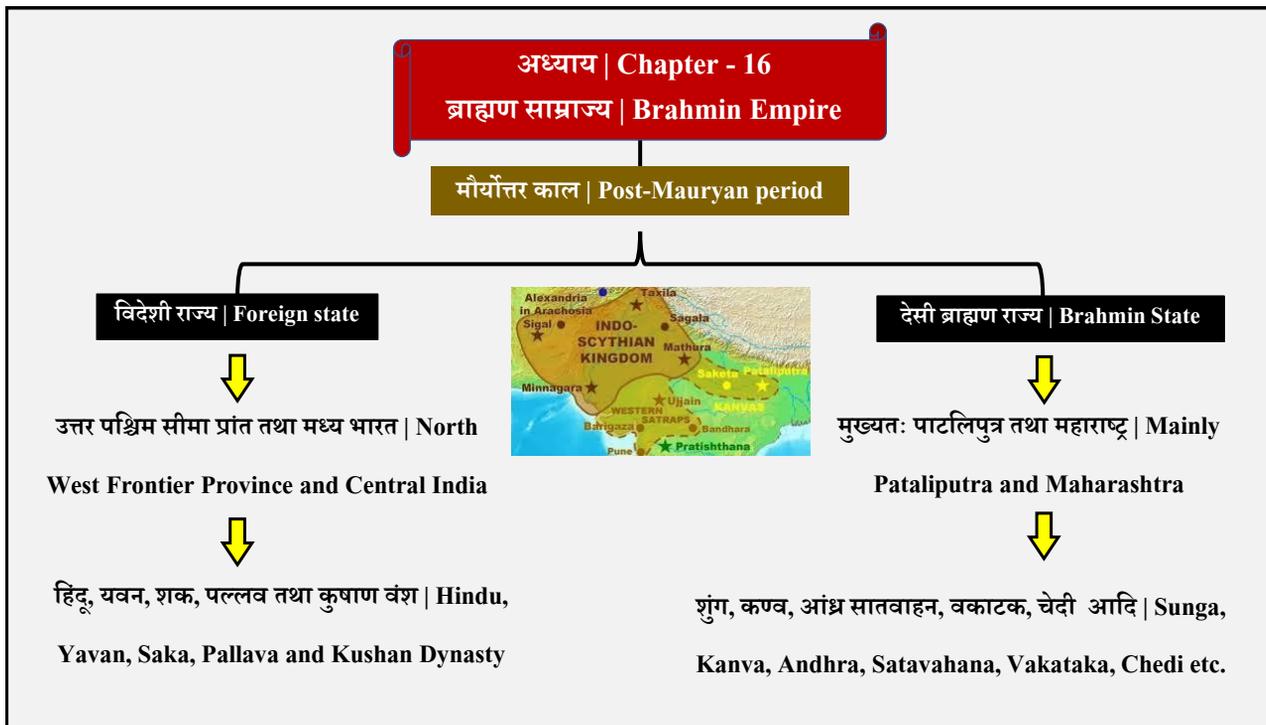
III. कौशाम्बी/प्रयाग स्तम्भ लेख (उत्तर प्रदेश) | Kaushambi / Prayag column article (Uttar Pradesh) :- इसमें अशोक की रानी कारुवाकी तथा पुत्र तीवर का का उल्लेख है। इसे रानी का अभिलेख भी कहा जाता है। यह पहले कौशाम्बी में था, जिसे अकबर के शासनकाल में जहांगीर द्वारा इलाहाबाद के किले में रखा गया | There is mention of Ashoka's queen Karuvaki and son Teewar. It is also called the queen's inscription. It was earlier in Kaushambi, which was kept in the fort of Allahabad by Jahangir during the reign of Akbar.

183

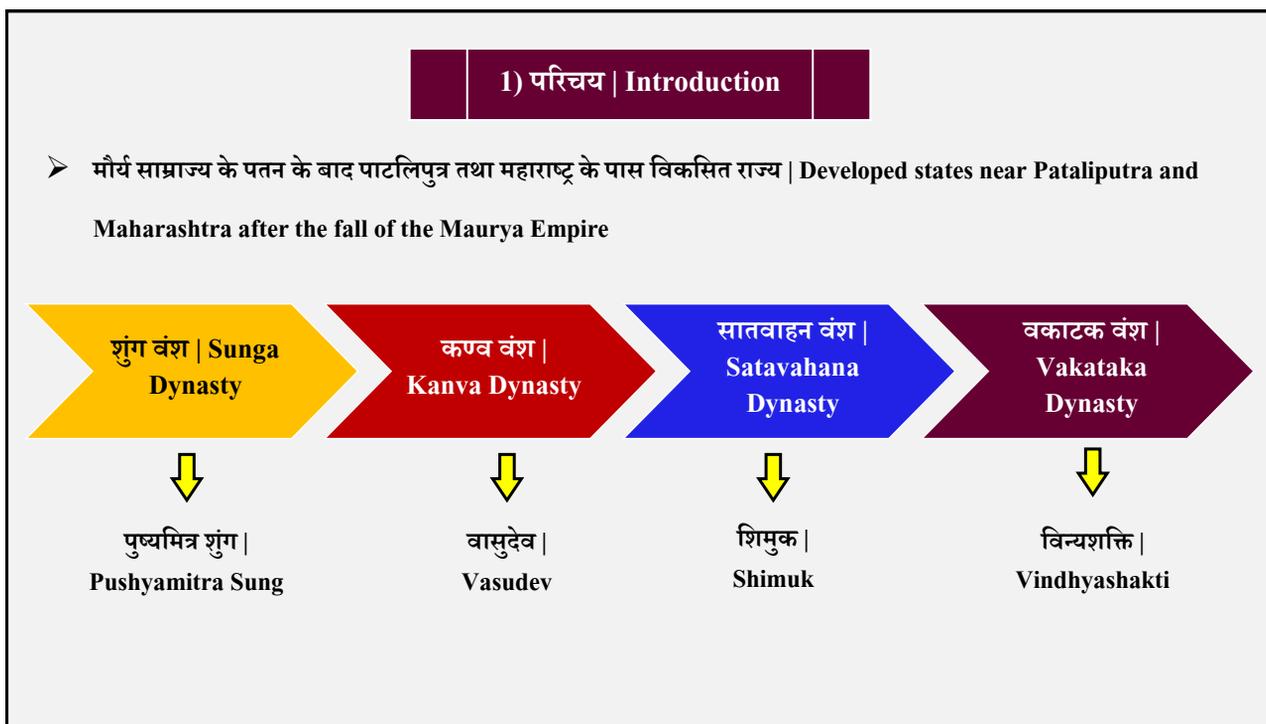
5) अशोक के लघुस्तंभ लेख | Ashoka's Minor Pillar Article

- 1) **सांची लघुस्तम्भ लेख (रायसेन, मध्य प्रदेश) | Sanchi Minor Pillar Article (Raisen, Madhya Pradesh) :-** इसमें अशोक अपने महामात्रों को संघ भेद रोकने का आदेश देता है | In this ,Ashoka orders his Mahamatras to stop the union.
- 2) **रूमिनदेई स्तम्भ लेख (नेपाल) | Rummindei Minor Pillar Article (Nepal) :-** इस अभिलेख से पता चलता है कि अशोक अपने राज्याभिषेक के 20वें वर्ष में रूमिनदेई (लुम्बिनी) आया और उसने यहां धार्मिक कर बलि को समाप्त कर दिया तथा भाग को घटाकर 1/8 कर दिया | This inscription shows that Ashoka came to Rummindei (Lumbini) in the 20th year of his coronation and he abolished religious tax sacrifice here and reduced the portion to 1/8.
- 3) **निगालिसागर स्तम्भ लेख (नेपाल) | Nigalisagar Minor Pillar Article (Nepal) :-** इस अभिलेख से पता चलता है कि अशोक अपने राज्याभिषेक के 12 वें वर्ष निगालिसागर आया तथा यहां कनकमुनि के स्तूप का संवर्द्धन किया | This inscription shows that Ashoka came to Nigalisagar in the 12th year of his coronation and augmented the stupa of Kanakamuni here.

184



185



186

2) शुंग वंश | Sunga Dynasty

➤ शुंग वंश मूलतः उज्जैन की ब्राह्मण जाति



187

2.1) पुष्यमित्र शुंग | Pushyamitra Sung

- 1) मौर्य वंश के अंतिम शासक **बृहद्रथ की हत्या** करके मगध में शुंग वंश की नींव डाली | By killing Brihadratha, the last ruler of the Maurya dynasty, he laid the foundation of the Sunga dynasty in Magadha.
- 2) राजधानी | Capital :- विदिशा | Vidisha
- 3) प्रमुख कार्य Important work :-
 - I. दो बार अश्वमेध यज्ञ (पुरोहित- पतंजलि) | Two Ashwamedha Yagna (Purohit- Patanjali)
 - II. हिंदू यूनानी शासक मिनांडर को हराया | Defeated Indo - Greek ruler Minander
 - III. सतना में भरहुत स्तूप का निर्माण | Construction of Bharhut Stupa in Satna
 - IV. वैदिक धर्म और संस्कृत का पुनरुत्थान | Resurgence of Vedic religion and Sanskrit
 - V. सांची स्तूप की वेदिका (रेलिंग) का पुनः निर्माण | Sanchi Stupa's Vedika (Railing) Reconstruction

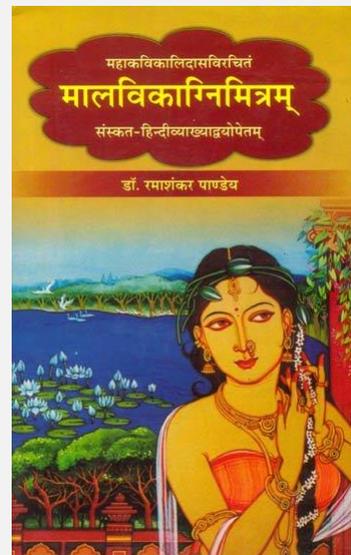


↓
लकड़ी के स्थान पर पत्थर | Stones in place of wood

188

2.2) अन्य शुंग शासक | Other Sunga Rulers

- 1) **अग्निमित्र | Agnimitra :-** कालिदास द्वारा लिखित नाटक **मालविकाग्निमित्रम्** का नायक | The protagonist of the play *Malavikagnimitram* written by Kalidas
- 2) **भागभद्र | Bhagabhadra :-** यूनानी राजा एंटियाकिल्ड्स ने हेलिओडोरस को अपना राजदूत बनाकर भेजा था, जिसने यहां भागवत धर्म को स्वीकार किया और विदिशा में भागवत वासुदेव के सम्मान में गरुडध्वज की स्थापना की | **Heliodorus was sent by the Greek king Antikilds as his ambassador, who accepted the Bhagavata religion here and established Garudadhvaja in honor of Bhagwat Vasudeva in Vidisha.**



189

- 3) **देवभूति | Devabhuti**
 - 1) शुंग वंश का अंतिम शासक | The last ruler of the Sunga dynasty
 - 2) 73 BC में वासुदेव ने हत्या करके कण्व वंश की स्थापना की | Vasudeva murdered in 73 BC and established the Kanva dynasty.



- कण्व वंश (75 BC-30BC)**
- I. **संस्थापक | Founder :-** वासुदेव | Vasudev
 - II. **अंतिम | Last :-** सुशर्मा | Susarma

190

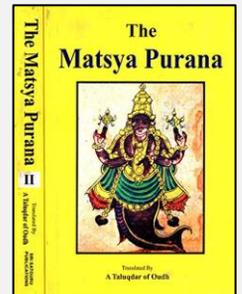
3) सातवाहन वंश | Sat vahana Dynasty (30BC-25BC)



191

3.1) परिचय | Introduction

- 1) संस्थापक | Founder :- शिमुक | Shimuk
- 2) क्षेत्र | Area :- महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश | Maharashtra and Andhra Pradesh
- 3) भारत पर सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला प्रथम राजवंश (लगभग 280 वर्ष) | The first dynasty to rule India for the longest time (about 280 years)
- 4) पुराण | Purana :- आंध्र
- 5) अभिलेख :- सातवाहन | Satavahana
- 6) मत्स्यपुराण | Matsya Purana
- 7) राजधानी | Capital :- प्रतिष्ठान (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) | Pratishthaan (Aurangabad, Maharashtra)
- 8) राजकीय भाषा | Official language :- प्राकृत | Prakrit
- 9) लिपि | Script :- ब्राह्म लिपि | Brahmi script



192

3.2) शातकर्णी I | Shatkarni I

1) विवाह | Marriage :- नागनिका | Nagnika



नानाघाट अभिलेख (महाराष्ट्र) | Nanaghat Records (Maharashtra)

I. शातकर्णी प्रथम ने दो अश्वमेध यज्ञ तथा एक राजसूय यज्ञ कराया | Shatkarni I performed two Ashwamedha Yagya and one Rajsuya Yagya.

II. ब्राह्मणों को भूमिदान की प्रथा का आरंभ | Commencement of land donation practice to Brahmins

2) नागनिका ने संरक्षिका के तौर पर कार्य किया | Naganika acted as guardian



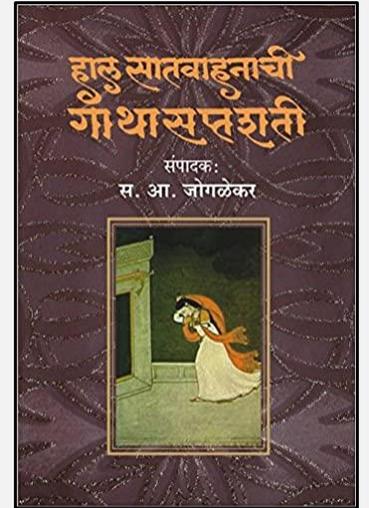
193

3.3) हाल | Hall

1) प्राकृत भाषा में गाथासप्तशती (प्रेमकथा) की रचना | Gathasaptashati (love story) composed in Prakrit language

2) गुणाढ्य | Gunaadhy :- प्राकृत भाषा में वृहत्कथा कोश

3) सर्ववर्मन | Sarvavarman :- संस्कृत भाषा में कातंत्र (रानी मलयवती के अनुरोध पर) | Kantra in Sanskrit (at the request of Rani Malayavati)



194

3.4) गौतमीपुत्र शातकर्णी | Gautamiputra Shatkarni (106AD -130AD)

- 1) सबसे महान सातवाहन शासक | Greatest satavahana ruler
- 2) नासिक अभिलेख | Nashik inscription (गौतमी बलश्री)
 - एक मात्र ब्राह्मण | The only Brahmin
 - अद्वितीय ब्राह्मण | Unique brahmin
 - वर्ण व्यवस्था का रक्षक | Protector of Varna System
 - वेदों का आश्रयदाता | Harbinger of vedas
- 3) शक शासक ने नहपान को हराया | Saka ruler defeated Nahapan



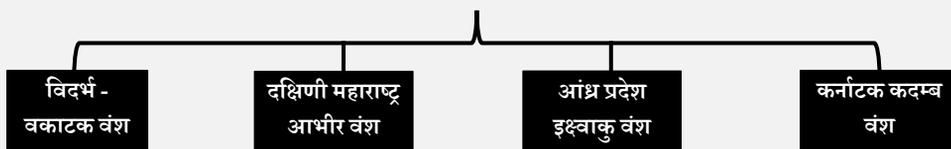
3.5) वशिष्ठीपुत्र पुलमावी | Vashishtiputra Pulamavi

- 1) नाम | Name :- आंध्रसम्राट, दक्षिणापथेश्वर | AndhraSamrat, Dakshinapatheshwar
- 2) सिक्के | Coins :- “दो पतवार वाली जहाज” का चित्र | Picture of a "ship with two hulls"

195

3.6) अन्य सातवाहन शासक | Other Satavahana rulers

- 1) यज्ञश्री शातकर्णी | Yajnashree Shatkarni
 - I. अंतिम शक्तिशाली शासक | The last powerful ruler
 - II. सिक्कों पर जलयान का चित्र | Vessel picture on coins
- 2) पुलमावी चतुर्थ | Pulamavi IV :- अंतिम शासक और विघटन | Last ruler and Dissolution



196

3.7) अन्य तथ्य | Other Facts

- 1) सातवाहन ने चाँदी, ताँबे, सीसा (सर्वाधिक), पोटीन और काँसे की मुद्राओं का प्रचलन किया | The Satavahanas practiced silver, copper, lead (most), putty and bronze.
- 2) सातवाहन अपना सिक्का ढालने में जिस सीसे का इस्तेमाल करते थे, उसे रोम से मंगाया जाता था | The lead which the Satavahanas used to mint their coin, was sourced from Rome.
- 3) सातवाहनों में हमें मातृवंशवादी ढाँचे का आभास मिलता है। उनके राजाओं के नाम उनकी माताओं के नाम पर रखने की प्रथा थी, जैसे- गौतमीपुत्र, वासिष्ठीपुत्र आदि। लेकिन सातवाहन राजकुल पितृवंशवादी था, क्योंकि राजसिंहासन का उत्तराधिकारी पुत्र ही होता था | In the Satavahanas we get the impression of matriarchal structure. It was the practice to name their kings after their mothers, such as Gautamiputra, Vasisthiputra etc. But the Satavahana Rajkula was patriarchal, because the throne was succeeded by a son.

197

- 4) सातवाहन, शासकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन का काम गौल्मिक को सौंपा | Satavahanas, rulers entrusted administration work in rural areas to Golmik.
- 5) शातकर्णी एवं अन्य सभी सातवाहन शासक दक्षिणापथ के स्वामी कहे जाते थे | Shatkarni and all other Satavahana rulers were called the lord of Dakshinapath.
- 6) सातवाहन राज्य ने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सेतु का काम किया | The Satavahana kingdom served as a bridge between North and South India.
- 7) सातवाहनों की महत्वपूर्ण स्थापत्य कृतियाँ हैं- कालें का चैत्य, अजंता, एवं एलोरा की गुफाओं का निर्माण एवं अमरावती कला का विकास किया | Important architectural works of the Satavahanas - the construction of the caves of Carley's Chaitya, Ajanta, and Ellora and developed the Amravati art.

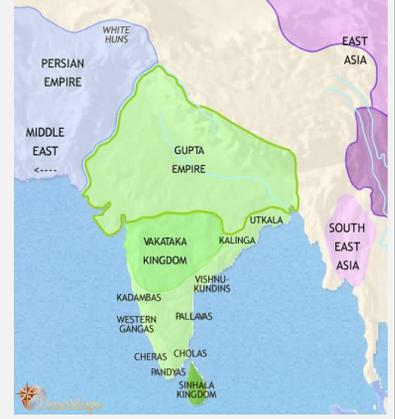
198

4) वकाटक वंश | Vakataka Dynasty (300AD-500AD)

विन्ध्यशक्ति → प्रवरसेन I → रुद्रसेन → पृथ्वीसेन → प्रवरसेन II → पृथ्वीसेन II

क्षेत्र | Area :- दक्षिण भारत | South india

- 1) वाकाटक राजवंश की स्थापना 255 ई. के लगभग **विन्ध्यशक्ति नामक व्यक्ति** ने की थी। इसके पूर्वज सातवाहनों के अधीन बरार (विदर्भ) के स्थानीय शासक थे | The Vakataka dynasty was founded around 255 AD by a man named Vindhyashakti. Its ancestors were local rulers of Berar (Vidarbha) under the Satavahanas.



199

- 2) विन्ध्यशक्ति के पश्चात **उसका पुत्र प्रवरसेन प्रथम (275-335ई.)** शासक हुआ। वाकाटक वंश का वह अकेला ऐसा शासक था जिसने **सम्राट की उपाधि धारण** की थी। पुराणों से पता चलता है कि इसने **चार अश्वमेध** यज्ञ किया था | After Vindhyashakti, his son Pravarsena I (275–335 AD) became the ruler. He was the only ruler of the Vakataka dynasty who held the title of Emperor. The Puranas suggest that he performed the four Ashwamedha yagna.
- 3) प्रवरसेन के पश्चात वाकाटक साम्राज्य **दो शाखाओं में** विभक्त हो गया - **प्रधान शाखा तथा बासीय (वरसगुल्म)** शाखा। दोनों शाखाएँ समानान्तर रूप से शासन किया | After Pravarsen, the Vakataka empire was divided into two branches - the Pradhan branch and the Basi (Varsagulum) branch. The two branches ruled parallel
- 4) **प्रधान शाखा के प्रमुख राजा** - रुद्रसेन प्रथम (335-360ई.), प्रभावती गुप्ता का संरक्षण काल (390-410), प्रवरसेन द्वितीय (414-440ई.), नरेन्द्र सेन (440-460 ई.), पृथ्वीसेन द्वितीय (460-480 ई.) | The head of the principal branch was Raja-Rudrasen I (335-360 AD), Prabhavati Gupta's patronage period (390-410), Pravarsen II (414-440 AD), Narendra Sen (440-460 AD), Prithvisen II (460-480 AD).

200

- 5) गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्ता का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय से किया। वाकाटकों का राज्य गुप्त एवं शक राज्यों के बीच था। राज्यों पर विजय प्राप्त करने के लिए चन्द्रगुप्त-II ने इस संबंध को स्थापित किया था। विवाह के कुछ समय बाद रुद्रसेन द्वितीय की मृत्यु हो गई। चूँकि उसके दोनों पुत्र दिवाकर सेन एवं दमोदर सेन अवयस्क थे अतः प्रभावतीगुप्ता ने शासन संभाला। यह काल वाकाटक गुप्त संबंध का स्वर्णकाल रहा | The Gupta ruler Chandragupta II married his daughter Prabhavati Gupta to the Vakataka king Rudrasen II. The kingdom of the Vakatakas was between the Gupta and Saka states. This relationship was established by Chandragupta II to conquer the states. Shortly after marriage, Rudrasen II died. Since his two sons Diwakar Sen and Damodar Sen were minor, Prabhavatigupta took over the rule. This period was the golden period of Vakataka secret relationship
- 6) प्रभावतीगुप्ता के संरक्षण काल के बाद उसका कनिष्ठ पुत्र दमोदर सेन प्रवरसेन द्वितीय के नाम से गद्दी पर बैठा | After the patronage of Prabhavati Gupta, his junior son Damodar Sen Pravarsen II ascended the throne.
- 7) पृथ्वीसेन-II वाकाटकों की प्रधान शाखा का अंतिम शासक था। उसके बाद उसका राज्य बासीम शाखा के हरिषेण के हाथों में चला गया | PrithviSense-II was the last ruler of the principal branch of the Vakatakas. After that, his kingdom passed into the hands of the Harsishan of the Basim branch.

201

4.1) वकाटक वंश :- कला एवं साहित्य | Vakataka Dynasty: - Art and literature

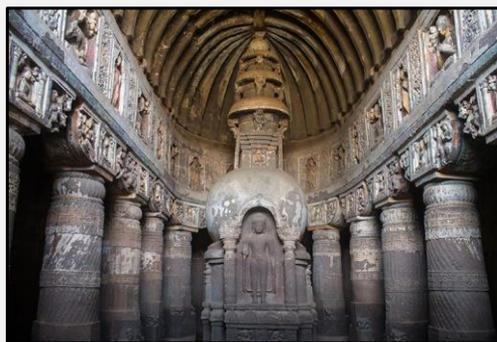
- 1) वाकाटक वंश के राजा प्रवरसेन द्वितीय ने मराठी प्राकृतकाव्य “सेतुबन्ध” की रचना की | King Pravarsen II of the Vakataka dynasty composed the Marathi Prakritakavya Setubhandha .
- 2) सर्वसेन ने हरिविजय नामक प्राकृति काव्य -ग्रंथ लिखा | Sarvasen wrote a Prakrit Poetry titled Harivijaya
- 3) कुछ विद्वानों का मत है कि चन्द्रगुप्त द्वितीय के राजकवि कालिदास ने कुछ समय तक प्रवरसेन द्वितीय की राजसभा में निवास किया था वहाँ उन्होंने उसके सेतुबन्ध का संशोधन किया तथा वैदर्भी शैली में अपना काव्य मेघदूत लिखा | Some scholars believe that Kalidas, the royal poet of Chandragupta II, lived for some time in the court of Pravarsen II, where he amended his Setubhandha and wrote his poetic Meghdoot in Vaidarbhi style.

202

5) वाकाटक नरेश पृथ्वीसेन द्वितीय के सामन्त व्याध्रदेव ने नचना (नयना कुठार, पन्ना) के मंदिर का निर्माण करवाया | The feudatory of Vakataka king PrithviSense II built the temple of Nachna (Nayana Kuthar, Panna) by Vyadhradeva.



6) अजन्ता का सोलहवा तथा सत्रहवाँ गुहा विहार और उन्नीसवें गुहा चैत्य का निर्माण वाकटकों के शासन काल में हुआ | The sixteenth and seventeenth Guha Vihara of the Ajanta and the nineteenth Guha Chaitya were built during the rule of the Vakatakas.



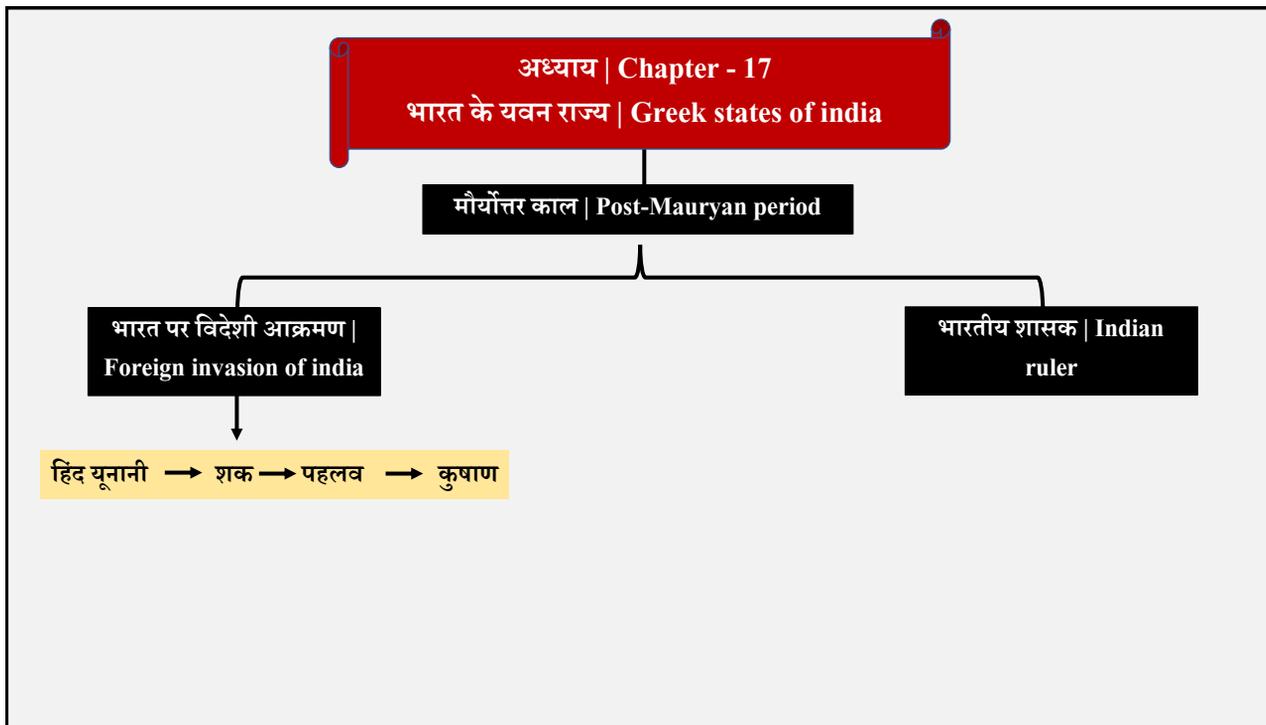
203

5) चेदि राजवंश (कलिंग) | Chedi Dynasty (Kalinga)

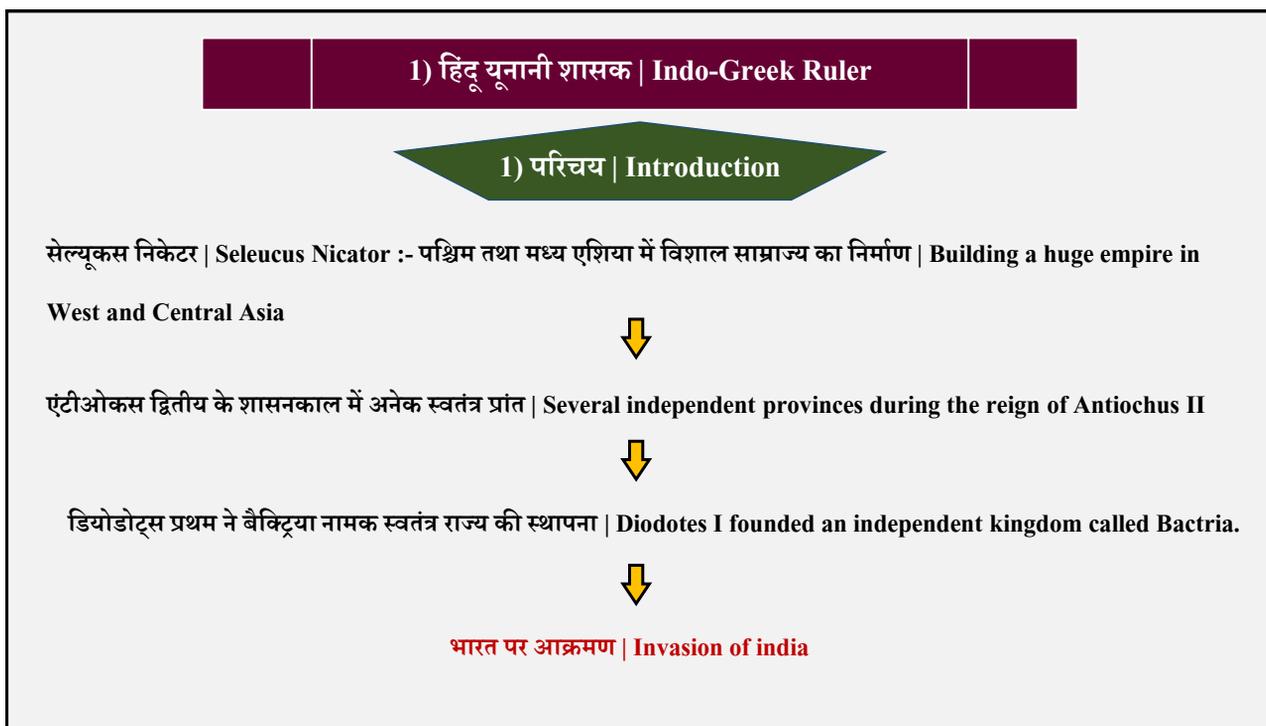


- 1) अशोक की मृत्यु के उपरांत संभवतः प्रथम शताब्दी ई.पू. में कलिंग में चेदि राजवंश का उदय हुआ | Probably after the death of Ashoka, probably in the first century BC. Chedi dynasty emerged in Kalinga
- 2) इसकी जानकारी हमें हाथी गुम्फा अभिलेख (भुवनेश्वर, उड़ीसा) से मिलती है | We get its information from Elephant Gumph inscription (Bhubaneswar, Orissa)
- 3) खारवेल इस वंश का एक प्रतापी राजा था | Kharavel was a majestic king of this dynasty.
- 4) खारवेल जैन धर्म का अनुयायी था और उसने जैन मुनियों के लिए उदयगिरि की पहाड़ी में गुफा का निर्माण करवाया था | Kharavel was a follower of Jainism and had built a cave in the Udayagiri hill for Jain sages.

204



205



206

2) भारत पर आक्रमण | Invasion of india

डियोडोट्स-I → डियोडोट्स-II → यूथिडेमस् → डेमिट्रियस → मिनाण्डर → हर्मिक्स

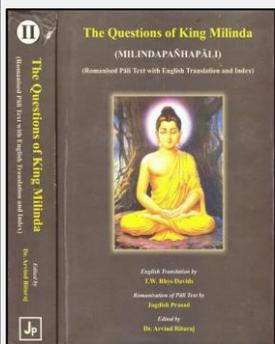
- 1) 190 BC :- डेमिट्रियस ने अफगानिस्तान पंजाब एवं सिंध पर कब्जा किया | Demetrius captured Afghanistan, Punjab and Sindh



राजधानी Capital :- शाकल (सियालकोट) | Shakal (Sialkot)

- 2) मिनांडर (मिलिंद) | Minander (milind) :- सबसे प्रतापी हिंदू-यूनानी/ बैक्ट्रियाई यूनानी शासक | The most powerful Hindu-Greek / Bactrian Greek ruler

- I. नागसेन (नागार्जुन) द्वारा बौद्ध धर्म की दीक्षा | Buddhism initiation by Nagasena (Nagarjuna)
- II. मिलिंदपन्हो/मिलिंदप्रश्न | Milindpanho / Milindprashan :- मिनांडर तथा नागसेन के मध्य प्रश्न-उत्तर | Question-answer between Minander and Nagasen



207

3) यूनानी आक्रमण का भारत पर प्रभाव | Impact of Greek invasion on India

- 1) सबसे पहले भारत में सोने के सिक्के जारी किए | First issued gold coins in India
- 2) सिक्कों पर शासकों के नाम | Names of rulers on coins
- 3) भारत में हेलेनिस्टिक कला का आरंभ | The introduction of Hellenistic art in India



गांधार कला | Gandhara art

- 4) भारत में पर्दे का प्रचलन | Curtain trend in India :- यवनिका | Yavanika



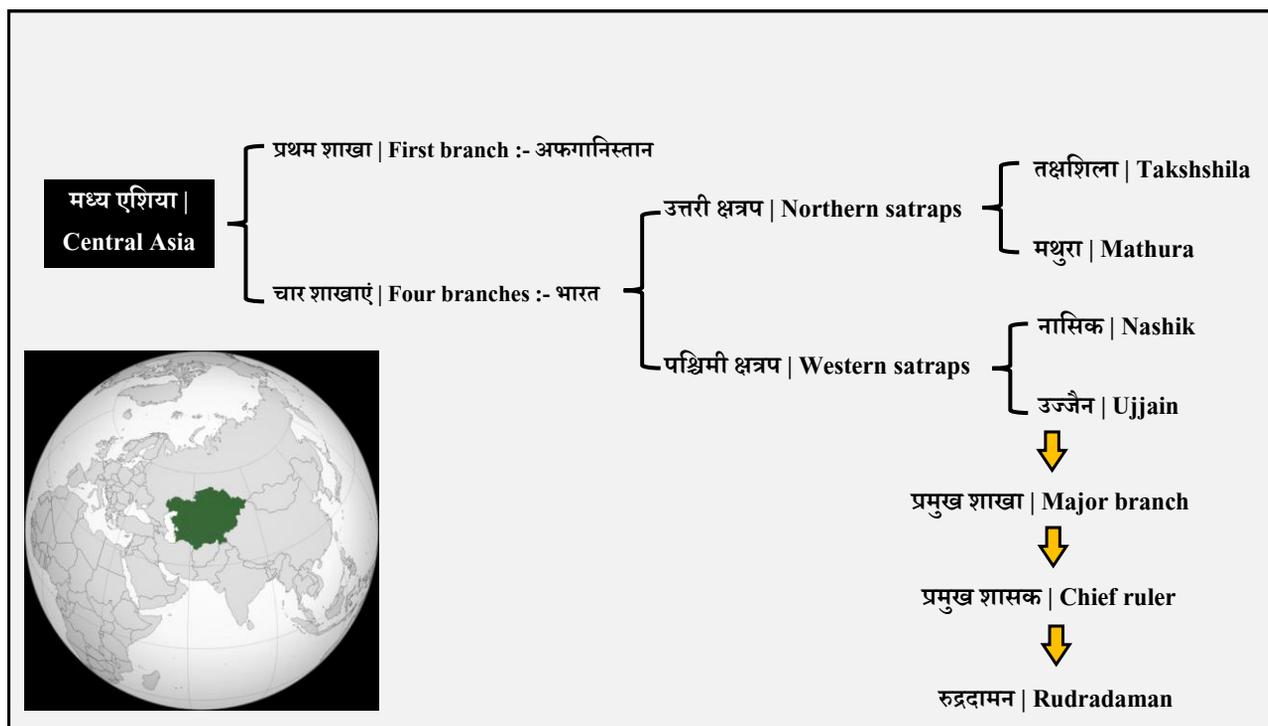
208

अध्याय | Chapter - 18 शक (सीथियन) | Sethians

1) परिचय | Introduction

- यूनानीयों के बाद मध्य एशिया से 5 शाखाओं में भारत पर शक आक्रमण | mAfter the Greeks, there was a doubt attack on India in 5 branches from Central Asia.

209



210

2) मथुरा के शक शासक | Saka ruler of Mathura

- 1) मथुरा का प्रथम शक शासक राजुल या राजउल था, जबकि अन्य महत्वपूर्ण शक शासक शोडास हुआ | The first Saka ruler of Mathura was Rajul or Rajaul, while the other important Saka ruler was Shodas.
- 2) जैन ग्रंथ कालकाचार्य कथानक के अनुसार मथुरा के शक पहले मालवा क्षेत्र में रहते थे, जिन्हें 57 ई. पू. में उज्जैन के शासक विक्रमादित्य ने पराजित किया था | According to the Jain scripture Kalkacharya's story, the Shakas of Mathura first lived in the Malwa region, which was named in 57 BC. Ujjain's ruler Vikramaditya defeated



211

3) नासिक के शक शासक | Shaka ruler of Nashik

- 1) अन्य नाम | Other names :- क्षहरात शक | Shaharat Shaka
- 2) प्रमुख शासक | Chief ruler :- नहपान | Naphan



गौतमीपुत्र सातकर्णि द्वारा हत्या | Murder by Gautamiputra Satakarni

212

4) उज्जैन के शक शासक | Shaka ruler of Ujjain

1) अन्य नाम | Other names :- कादर्मक शक | Kadarmak Shaka

2) शासक | Ruler :-

- 1) प्रथम | First :- चष्टन | Chashtan
- 2) महत्वपूर्ण | Important :- रुद्रदामन | Rudradaman
- 3) अंतिम | Last :- रुद्रसिंह तृतीय (चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने मारा) | Rudrasingh III (killed by Chandragupta Vikramaditya)

3) रुद्रदामन | Rudradaman :-

I. जानकारी | Information :- जूनागढ़ अभिलेख (गिरनार) | Junagadh inscription (Girnar)



संस्कृत का सबसे बड़ा अभिलेख | Largest Sanskrit inscription

II. सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण | Reconstruction of Sudarshan Lake

213

नोट | Note

- मालवा के शकों में अंतिम शक शासक रुद्रसिंह तृतीय था, जिसे गुप्त शासक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने मारकर प्रथम बार मालवा क्षेत्र में व्याघ्र शैली में चाँदी के सिक्के चलवाए | The last Saka ruler of Malwa Shakras was Rudrasinh III, who was killed by the Gupta ruler Chandragupta Vikramaditya for the first time in the Malwa region in the style of silver coins.

214

5) पहलव वंश (पार्थियाई) | Parthian

- 1) ये मूल रूप से पार्थिया या ईरान के निवासी थे | They were originally residents of Parthia or Iran
- 2) प्रथम शासक | First ruler :- माउस | Maus
- 3) सबसे शक्तिशाली शासक गोण्डोफर्नीज था इसकी राजधानी तक्षशिला थी | The most powerful ruler was Gondoparnis, its capital was Taxila.
- 4) सेंट थामस नामक पादरी इसाई प्रचार के लिए इसी समय भारत आया था। कालान्तर में सेंट थामस की मद्रास के समीप स्थित म्यालपुर नामक स्थान पर हत्या कर दी गई | St. Thomas, a priest named Saint Thomas came to India at this time to preach. Later, St. Thomas was assassinated in a place called Mylapore near Madras.
- 5) पार्थियन राजाओं के सिक्कों पर धर्मिय (धार्मिक) उपाधि उत्कीर्ण मिलती हैं। पहलव राज्य का अंत कुषाणों ने किया | The coins of Parthian kings bear the title Dharmiyya (religious). The Kushans ended the kingdom of Pahwa

215

अध्याय | Chapter - 19

कुषाण वंश / यूची / तोखरी | Kushan Dynasty / Yuchi / Tokhari

कुजुल कडफिसेस

विम कडफिसेस

कनिष्क

वासुदेव

1) परिचय | Introduction

- 1) प्राचीन चीन का यूची कबीला | Yucci Kabeela of ancient china

↓ 5 शाखाएँ | 5 Branches

कुषाण | Kushan

- 2) संस्थापक | Founder :- कुजुल कडफिसेस | Kujula Kadphises (ताबे के सिक्के)

- 3) राजधानियाँ

- 1) पुरुषपुर / पेशावर | Purushpur / Peshawar
- 2) मथुरा | Mathura



216

2) विम कडफिसेस | Vima Kadphises

1) भारत में स्वर्ण सिक्के चलाए | Run gold coins in India



शिव, नंदी, त्रिशूल की आकृति | Shiva, Nandi, trident shape



शैव धर्म अनुयायी | Shaivite followers

2) उपाधि | Title :- महेश्वर | Maheshwar

217

3) कनिष्क | Kanishka

1) कुषाण वंश का सबसे प्रतापी शासक | The most powerful ruler of the Kushan dynasty

2) राज्य-अभिषेक | Coronation :- 78 AD



शक संवत का आरंभ (भारत का औपचारिक संवत) | Start of Shaka Samvat (Formal Samvat of India)

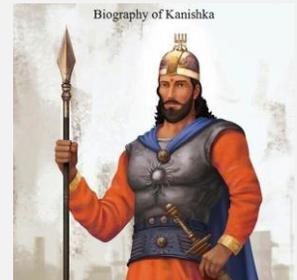
3) उपाधि | Title :- देवपुत्र

4) कनिष्क का साम्राज्य | Kanishka's empire :-

I. उत्तर भारत और मध्य एशिया | North India and Central Asia

II. चीनी सेनापति पेनचौआ ने हराया | Chinese commander Penchauah defeated

III. मगध से अश्वघोष, बुद्ध का भिक्षापात्र | Ashwaghosh from Magadha, beggar of Buddha

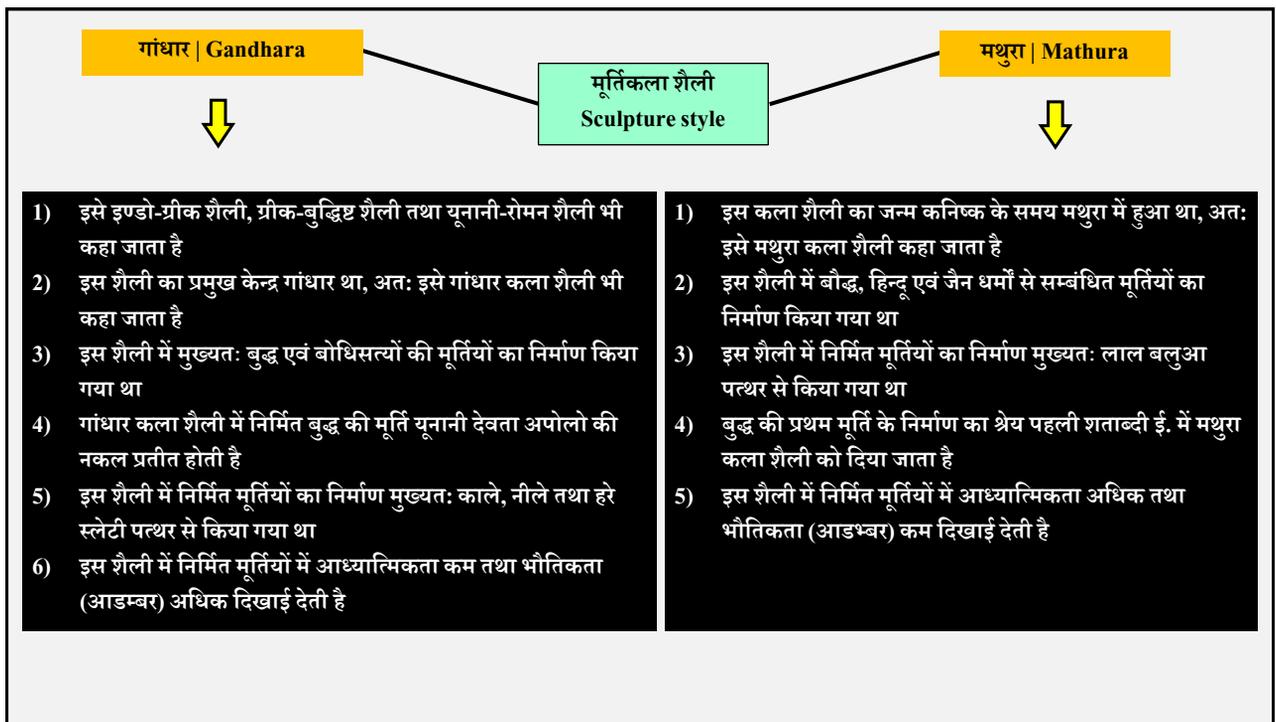


218

5) कनिष्क और धर्म | Kanishka and religion :-

- 1) बौद्ध धर्म की महायान शाखा का अनुयायी | Follower of the Mahayana branch of Buddhism
- 2) कुंडलवन (कश्मीर) में चतुर्थ बौद्ध संगीति | Fourth Buddhist Council in Kundalvan (Kashmir)
 - ↓
 - I. अध्यक्ष | Chairman :- वसुमित्र | Vasumitra
 - II. परिणाम Result :- हीनयान और महायान का स्पष्ट विभाजन | Clear division of Hinayana and Mahayana
- 3) भारत में महायान संप्रदाय द्वारा दो शैलियों में कुछ प्रतिमा का निर्माण और पूजा | Construction and worship of some idols in two styles by Mahayana sect in India - गांधार और मथुरा कला

219



220

6) कनिष्ककालीन साहित्य और वास्तुकला | Kanishka literature and architecture

I. कुषाण ने सबसे शुद्ध स्वर्ण सिक्के जारी किए | Kushan issued the purest gold coins

II. पुरुषपुर (पेशावर) | Purushpur (Peshawar) :- कनिष्क चैत्य (संगाराम) | Kanishka Chaitya (Sangaram)

III. बामियान | Bamiyan :- खड़ी हुई बौद्ध प्रतिमा | Standing Buddhist statue

IV. कश्मीर में कनिष्कपुर नामक नगर | A city called Kanishkapur in Kashmir



7) कनिष्क के समय के विद्वान | Kanishka scholars

I. चरक (राजवैद्य) | Charaka (Rajvaidya) :- चरकसंहिता | Charak Samhita

II. अश्वघोष | Ashwaghosh (राजकवि) :- बुद्धचरित्र (बौद्ध धर्म की रामायण) व सौंदरानंद (संस्कृत) | Buddhacharitra (Ramayana of Buddhism) and Saundarananda (Sanskrit)

III. वसुमित्र | Vasumitra :- महाविभाष सूत्र | Mahaavibhaash sootra

IV. प्रधान पुरोहित | Head priest :- संघरक्ष | Confederacy

221



V. नागार्जुन (भारत का आइंस्टीन) | Nagarjuna (Einstein of India) - माध्यमिक सूत्र (नागार्जुन का सापेक्षता का सिद्धांत), शून्यवाद, प्रज्ञापारमिता

VI. वात्सायन | Vatsyayan :- कामसूत्र | Kamasutra

4) अन्य तथ्य | Other facts

1) रेशम मार्ग पर नियंत्रण रखने वाला प्रथम वंश | The first dynasty to control the silk route :- कुषाण | Kushan

2) कुषाण द्वारा जारी सर्वाधिक सिक्के | Most coins issued by Kushan :- तांबा | Copper

3) अंतिम शासक | Last ruler :- वसुदेव | Vasudev

222

5) मौर्योत्तर कालीन व्यवस्था से जुड़े प्रमुख तथ्य | Key facts related to post-Mauryan period

1. कुषाण के काल में ईंट के कुओं का निर्माण हुआ
2. शक और कुषाण शासकों ने भारत में अश्वसेना को बेहतर बनाया।
3. भरत को **मध्य एशिया के अल्ताई पहाड़ों** से प्रचुर मात्रा में सोना प्राप्त होता था जिसका प्रयोग कुषाण शासकों ने सिक्कों के निर्माण में किया।
4. कुषाण काल में **भारत में बाल विवाह प्रथा का** प्रचलन हुआ।
5. मौर्य उत्तर काल **के राजाओं ने देवता के सिद्धांत का** प्रारंभ किया।
6. कुषाण शासक देवपुत्र कहलाते थे। जो उन्होंने चीन के राजा से सीखा था।
7. उज्जैन सबसे महत्वपूर्ण नगर था क्योंकि क्षिप्रा नदी से प्रचुर मात्रा में गोमेद और इंद्रगोप पत्थरों की प्राप्ति होती थी।

223

अध्याय | Chapter - 20 संगम काल | Sangam period

- 1) संगम | Sangam :- परिषद (तमिल कवि / लेखक का सम्मेलन) | Council (Tamil Poet / Writer's Conference)



संगम साहित्य | Sangam literature

- 1) चेर | Cher
- 2) चोल | Chola
- 3) पांडव | Pandya

- 2) तीन संगमों का आयोजन **पांडव राजाओं के** संरक्षण में | Three Sangams organized under the patronage of Pandava kings
- 3) संगम साहित्य **नौ खंडों** में विभाजित है | Sangam literature is divided into nine sections



224

स्थान Venue	अध्यक्ष Chairmanship	संकलित महत्वपूर्ण ग्रंथ
प्रथम संगम 4440 वर्ष पूर्व मदुरा (समुद्र में विलीन) Madura (engulfed in sea)	अगस्त्य Agastasya	अकट्टियम परिपदाल, मदुनारै, मुदुकुरुकु तथा कलारि आविरै। (कोई भी इनमें उपलब्ध नहीं है)
दूसरा संगम 3700 वर्ष पूर्व कपाटपुरम (अलैवाई) (समुद्र में विलीन)	अगस्त्य Agastasya	तोल्काप्पियम (तमिल व्याकरण, रचनाकार-तोल्काप्पियर)
तीसरा संगम 1850 वर्ष पूर्व मदुरा Madura	नक्कीरर Nakkirar	नेदुन्थोकै, कुरुन्थोकै, नक्किनई, एन्कुरु भूरु, परिपादल, कूथु, वरि, पेरिसै तथा सित्रिसै आदि

225

4. अन्य तथ्य | Other facts :-

- 1) अगस्त्य ऋषि को ही दक्षिण भारत में आर्य संस्कृति के प्रसार का श्रेय दिया गया है | Agastya Rishi has been credited with spreading income culture in South India.
- 2) तमिल भाषा में प्रथम ग्रन्थ (अगत्तियम) के प्रणेता भी इन्हें ही माना गया है | They are also considered as the originators of the first book (Agattiyam) in Tamil language.
- 3) तोल्काप्पियम (तोलकाप्पियर रचित) | Tolkapiyam (Formed by Tolkapier)
- 4) तीसरे संगम में रचित साहित्य 8 संग्रह ग्रन्थों में संकलित है। इन्हें ऐत्तुतोर्गई कहते हैं | The literature composed in the third Sangam is compiled into 8 collection texts. These are called Attutogai .
- 5) तमिल प्रदेश में ब्राह्मणों का उदय सर्वप्रथम संगम काल में हुआ जो समय का सबसे प्रतिष्ठित वर्ग था | The Brahmins in Tamil Pradesh first emerged during the Sangam period, which was the most revered class of the time.
- 6) ब्राह्मणों के पश्चात् संगम युगीन समाज में वेल्लार वर्ग का स्थान था। इसका मुख्यपेशा कृषि कर्म था | After the Brahmins, the Vellar class had a place in the Sangam-era society. Its main focus was agricultural work

226

- 7) संगम साहित्य में व्यापारी वर्ग को **वेनिगर कहा** गया है | In Sangam literature, the merchant class is called Venigar.
- 8) संगम कालीन कुछ अन्य वर्ग | **Some other categories of Sangam :-**
- 1. पुलैयन | Pulayan :-** दस्तकारों का एक वर्ग जो रस्सी तथा पशुचर्म की सहायता से चारपाई एवं चटाई बनाने का कार्य करते थे |
A class of artisans who used to make cots and mats with the help of rope and cattle
- 2. एनियर | Eniyar :-** शिकारियों की एक जाति | A Cast of hunters
- 3. मलवर | Malwar :-** लूट-पाट करने वाली जाति | Plundering caste
- 9) संगम काल में **चावल मुख्य खाद्यान्न** था ।
- 10) संगम साहित्य से पता चलता है कि समाज के निम्न वर्ग की महिलाएँ ही मुख्यतः खेती का कार्य किया करती थी। इन्हें **कडैसिवर** कहा गया है | Sangam literature shows that only women from the lower classes of society used to do farming.
They are called cadavers .

227

- 11) कोरोमण्डल समुद्रतट पर पदुचेरी से तीन किमी दक्षिण में स्थित **अरिकमेडु चोल वंश का एक प्रमुख बन्दरगाह** था। इस बन्दरगाह से रोम के साथ व्यापार होता था | Arikamedu was a major port of the Chola dynasty, located three km south of Paducherry on the Coromandal beach. This port traded with Rome.
- 12) 1945 ई. में हुई यहाँ की खुदाई से एक विशाल रोमन बस्ती का पता चला है | A huge Roman settlement has been discovered by excavations here in 1945 AD
- 13) संगम काल में ही **मिस्र के एक नाविक हिप्पोलस** ने मानसूनी हवाओं के सहारे बड़े जहाजों से सीधे समुद्र पार कर सकने की विधि खोजी | At the confluence period, an Egyptian sailor Hippolas discovered the method of crossing the sea directly from large ships with the help of monsoon winds.
- 14) तमिल देश का **प्राचीन देवता मुरुगन** था। कालान्तर में **उसका नाम सुब्रह्मण्य** हो | The ancient deity of the Tamil country was Murugan. Later, his name should be Subrahmanya

228

अध्याय | Chapter - 21 गुप्त साम्राज्य | Gupta Empire

श्रीगुप्त → घटोत्कच → चंद्रगुप्त I → समुद्रगुप्त → चंद्रगुप्त II → कुमारगुप्त → स्कंदगुप्त → विष्णुगुप्त

1) परिचय | Introduction

- 1) गुप्त शासक, कुषाणों के सामंत थे | Gupta rulers were feudatories of the Kushanas.
- 2) गुप्त शासकों को वैश्य वर्ण से संबंधित माना जाता है | Gupta rulers are believed to belong to the Vaishya varna
- 3) **संस्थापक | Founder :-** श्रीगुप्त (महाराजा की उपाधि) | Shreegupta (title of Maharaja)



ताम्रपत्र अभिलेख :- आदिराज | Adiraj

229

2) प्रमुख शासक | Chief ruler

1) चंद्रगुप्त प्रथम | Chandragupta I (319 AD- 334AD)



- 1) गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक और प्रथम स्वतंत्र शासक | The actual founder and first independent ruler of the Gupta dynasty
- 2) लिच्छवि राजकुमारी "कुमार देवी" से विवाह | Married to Lichchavi princess "Kumar Devi".
- 3) महाराजाधिराज | Maharajadhiraj
- 4) राज्य-अभिषेक - गुप्त संवत् (319AD-320AD) का आरंभ
- 5) चांदी के सिक्कों का प्रचलन | Circulation of silver coins

230

2) समुद्रगुप्त | Samudragupta

- 1) 335 ईसवी में शासक बना | Became ruler in 335 AD
- 2) उपाधि | Title :- पराक्रमांक | Paraakramaank, अश्वमेघकर्ता | Ashvameghakarta, परमभागवत | Parambhagavata, कविराज | Kaviraj
- 3) लगभग 20 शासकों को पराजित किया | Defeated about 20 rulers :- भारत का नेपोलियन (विसेंट स्मिथ) | Napoleon of India (Vicente Smith)
- 4) दरबारी कवि | Court Minstrel :- हरिषेण | Harrishan
 ↓
 प्रयाग/इलाहाबाद प्रशस्ति की रचना Composition of Prayag / Allahabad Prashasti
- 5) सिक्कों पर वीणावादन | Harp on the coins :- संगीतप्रेमी | Music Favour

- | | |
|---|--------------------|
| { | 1. भाषा - संस्कृत |
| | 2. लिपि - ब्राह्मी |
| | 3. चंपू शैली |

231

6) समुद्रगुप्त का एरण अभिलेख | Samudragupta's Eran inscription

- 1) पत्नी | Wife :- दत्तदेवी | Dattadevi.
- 2) एरण, समुद्रगुप्त का भोगनगर था | Samudragupta's Bhognagar was.



3) चंद्रगुप्त द्वितीय | Chandragupta II

- 1) 380 ईसवी शासक बना | Ruler of 380 AD
- 2) गुप्तकाल का स्वर्णकाल | Golden period
- 3) उपाधियां | Titles :- विक्रमादित्य (शकों को पराजित करने के बाद), उज्जयनीपुरवाधीश्वर, चंद्र, परमभागवत, शकादि आदि | Vikramaditya (after defeating the Shakas), Ujjainipurvadhishwar, Chandra, Param Bhagavat, Shakadi etc.
- 4) राजधानियां | Capitals {

{	I. पाटलिपुत्र Paataliputra
	II. उज्जैन Ujjain

232

5) वैवाहिक संबंध | Marital relationship

नागवंश की राजकुमारी कुबेरनाग से विवाह | Married to Kubernag, princess of Nagavansh

↓ पुत्री | Daughter

प्रभावती गुप्त | Prabhaavatee gupta

↓ विवाह | Marriage

वकाटक शासक रूद्रसेन द्वितीय | Vakataka ruler Rudra Sen II

6) चीनी यात्री फाह्यान (399-414) भारत आया | Chinese traveler Fahyan (399-414) visited India

7) दरबार में 9 विद्वान | 9 scholars in court :- नवरात्न | Navratna

233

8) राजकवि :- शाब | Shab

9) संधिविग्रहिक सचिव | Joint secretary :- वीरसेन | Virsen

10) शक के विजय के बाद | After the victory of doubt :- मालवा में चांदी के सिक्कों का प्रचलन | The prevalence of silver coins in Malwa

फाह्यान | Fahyan (399-414)

- 1) चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में चीनी यात्री | Chinese traveler in court of Chandragupta II
- 2) पुस्तक | Book :- फो-म्यों-की
- 3) स्थल मार्ग से आया, जबकि जलमार्ग से वापस | Came from the land route, while back from the waterway
- 4) मध्यदेश :- ब्राह्मणों का देश | Country of Brahmins
- 5) "चांडालों" का प्रथम वर्णन | First description of "Chandals"
- 6) पाटलिपुत्र में विनिमय का माध्यम | Medium of exchange in patliputra :- कौड़ि | Penny

234

चंद्रगुप्त द्वितीय के नवरत्न (उज्जैन) |
Navaratna (Ujjain) of Chandragupta II

- 1) कालिदास | Kalidas :- सर्वप्रमुख नवरत्न
- 2) धन्वतरि | Dhanwati :- चिकित्सक | Doctor
- 3) वाराहमिहिर | Varahamihira :- खगोल शास्त्री तथा ज्योतिषी
- 4) अमरसिंह | Amar Singh :- कोशकार (डिक्शनरी निर्माणकर्ता)
- 5) क्षपणक :- फलित ज्योतिषी
- 6) शंकु :- वास्तुकार | Architect
- 7) वेतालभट्ट | Vital Bhatt :- जादूगर
- 8) घटकर्पर | Ghatkarpar :- कूटनीतिज्ञ
- 9) वररुचि | Varruchi :- व्याकरणाचार्य | Grammarian

नोट | Note

- विशाखादत्ता रचित देवीचंद्रगुप्तम के अनुसार समुद्रगुप्त के बाद रामगुप्त शासक बना | According to Devichandragupta composed by Visakhadatta, Ramgupta became the ruler after Samudragupta.

235

4) कुमारगुप्त प्रथम | Kumaragupta I (415-455)

- 1) उपाधि | Title :- महेंद्रादित्य | Mahendraditya, शकादित्य | Shakaditya
- 2) अभिलेख (गुप्त शासकों में) | Inscriptions (under Gupta rulers)
- 3) नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना | Establishment of Nalanda University

5) स्कंदगुप्त | Skandagupta (455-467)

- 1) उपाधि | Title :- क्रमादित्य | Kramaditya, शक्रोपम | Shakropam
- 2) सुदर्शन झील का पुनरुद्धार | Sudarshan lake revival
- 3) पर्णदत्त को सौराष्ट्र का गवर्नर बनाया | Parnadatta made Governor of Saurashtra
- 4) हूण आक्रमण | Hun attack
- 5) मिलावट वाले सिक्के | Adulterated coins

236

5. भानुगुप्त | Bhanugupta

- 1) भानुगुप्त के एरण अभिलेख (510 ई.) से ज्ञात होता है कि भानुगुप्त का सेनापति गोपराज हुणों के विरुद्ध लड़ता हुआ मारा गया था तथा उसकी पत्नी सती हो गई थी | The Eran inscription of Bhanugupta (510 AD) shows that Bhanugupta's commander Gopraj was killed fighting against the Huns and his wife Sati was killed.
- 2) एरण अभिलेख सती प्रथा का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है | Eran inscription is the first archival evidence of the practice of Sati



अंतिम शासक | Last ruler :- विष्णुगुप्त | Vishnugupta

237

3. गुप्तकालीन राजनैतिक व्यवस्था | Gupta's political system

- 1) देश :- गोपना / गोपत्री
- ↓
- 2) भुक्ति :- उपरिक
- ↓
- 3) विषय :- विषयपति
- ↓
- 4) पेठ :- पेठपति
- ↓
- 5) ग्राम :- ग्रामपति / ग्रामीक

238

3.1) केंद्रीय प्रशासन | Central administration

- 1) शासक का प्रमुख | Head of ruler :- राजा | King
- 2) राजतत्व का देवीयकरण | Divine lyment of the kingdom element
- 3) गुप्तकालीन प्रमुख मंत्री | Gupta's chief minister
 - I. कुमारामात्य :- सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी
 - II. महादण्डनायक :- युद्ध एवं न्याय का सर्वोच्च अधिकारी
 - III. दण्डपाशिक :- सर्वोच्च पुलिस अधिकारी।
 - IV. महासन्धिविग्रहिक :- शान्ति एवं वैदेशिक नीति का सर्वोच्च अधिकारी
 - V. महाबलाधिकृत :- सेना का सर्वोच्च अधिकारी
 - VI. अग्रहारिक :- दान विभाग का सर्वोच्च अधिकारी

239

3.2) प्रांतीय प्रशासन | Provincial administration

- 1) नाम | Name :- भुक्ति/ अवनि
- 2) प्रमुख | Chief :- उपरि (राजकुल से सम्बंधित) | Upper (related to Rajkul)

नोट | Note

- 1) गुप्त काल में कायस्थ नामक नए वर्ग का उदय | The rise of a new class called Kayastha in the Gupta period
- 2) कार्य | Work :- लेखा-जोखा | Statement of account
- 3) कायस्थ शब्द का प्रथम उल्लेख | The first mention of the word Kayastha :- याज्ञवल्क्य स्मृति

240

4) गुप्तकालीन समाज | Gupta society

- 1) वर्ण व्यवस्था का प्रचलन (जन्म आधारित) | Varna system prevalence (birth based)
- 2) फाह्यान ने चाण्डाल का उल्लेख किया | Fahyan mentioned Chandal
- 3) ब्राह्मणों को ग्रामदान | Gramdan to Brahmins
- 4) शूद्रों की स्थिति में सुधार | Improvement in status of Shudras
- 5) नारद स्मृति से 15 प्रकार के दासों की सूची
- 6) स्त्रियों की स्थिति :-
 - I. पुराण सुनने का अधिकार | Right to hear mythology
 - II. पर्दाप्रथा, सती प्रथा और नियोग प्रथा व बाल विवाह | Prudapratha, Sati and Niyoga and child marriage
 - III. दयनीय स्थिति (स्त्री को पुरुष, निजी संपत्ति मानते थे) | Pathetic condition (woman was considered male, private property)
 - IV. देवदासी प्रथा | Devadasi system

241

5) गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था | Gupta Economy

- 1) भू-राजस्व कुल उत्पादन का 1/4 भाग से 1/6 भाग हुआ करता था | Land revenue was 1/4 to 1/6 of the total production.
- 2) गुप्त काल में बलात् श्रम (विष्टि) राज्य के लिए आय का एक स्रोत माना जाता था। इसे जनता द्वारा दिया जाने वाला कर भी, माना जाता था | In the Gupta period, forced labor was considered a source of income for the state. It was also considered a tax paid by the public.
- 3) आर्थिक उपयोगिता के आधार पर निम्न प्रकार की भूमि थी | The following types of land were based on economic utility
 - I. क्षेत्र | Aria :- कृषि करने योग्य भूमि | Cultivable land
 - II. वास्तु Vaastu :- वास करने योग्य भूमि | Habitable land
 - III. चरागाह भूमि : पशुओं के चारा योग्य भूमि | Livestock land
 - IV. सिल : ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी | Land that was not cultivable
 - V. अप्रहत : ऐसी भूमि जो जंगली होती थी | Land that used to be wild

242

- 4) सिंचाई के लिए रहट या घंटी यंत्र का प्रयोग होता था | Rahat or bell machine was used for irrigation.
- 5) श्रेणी के प्रधान को ज्येष्ठक कहा जाता था | The head of the category was called Jyeshthak
- 6) गुप्तकाल में उज्जैन सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था | Ujjain was the most important commercial center in the Gupta period.
- 7) गुप्त राजाओं ने सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ जारी की। इनकी स्वर्ण मुद्राओं को अभिलेखों में दीनार कहा गया है | The Gupta kings issued the highest gold currencies. Their gold currencies are called dinars in the inscriptions.



243

6) गुप्तकालीन धर्म | Gupta Religion

- 1) राजकीय धर्म | State religion :- वैष्णव
- 2) राजकीय चिन्ह | State emblem :- गरुड़
- 3) भगवान विष्णु का सबसे लोकप्रिय अवतार |

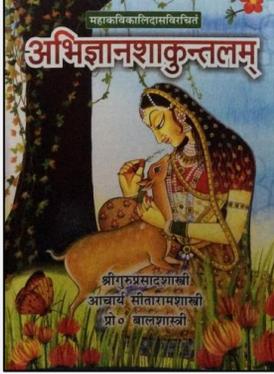
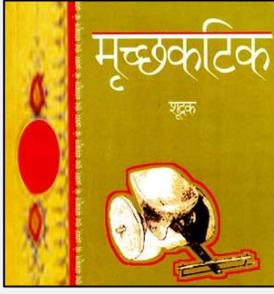
The most popular avatar of Lord Vishnu

:- वराह | Varah

- 4) त्रिमूर्ति पूजा | Trinity worship



244



7) गुप्तकालीन साहित्य | Gupta literature स्वर्णयुग | Golden Age

- 1) शूद्रक का लिखा नाटक मृच्छकटिकम् या माटी की खिलौना गाड़ी, जिसमें निर्धन ब्राह्मण के साथ वेश्या का प्रेम वर्णित है; प्राचीन नाटकों में सर्वोत्कृष्ट कोटि का माना जाता है | Shudraka's play Mritchkatikam or Mati's toy car in which the love of a prostitute with a poor Brahmin is described; It is considered to be of the best category in ancient plays
- 2) कालिदास का अभिज्ञानशाकुन्तलम् विश्व की एक सौ उत्कृष्टतम साहित्यिक कृतियों में से एक है। इसमें राजा दुष्यन्त शकुन्तला के प्रेम की कथा चित्रित है, जिनका पुत्र भरत प्रसिद्ध राजा हुआ | Kalidasa's Abhigyanasakuntalam is one of the hundred outstanding literary works in the world. It portrays the story of the love of King Dushyant Shakuntala, whose son Bharata became the famous king.

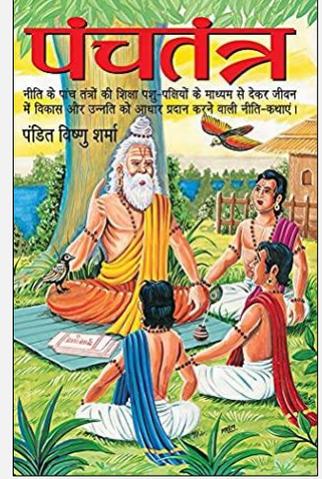
245

- 3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रथम भारतीय रचना है, जिसका अनुवाद यूरोपीय भाषाओं में हुआ। ऐसी दूसरी रचना भगवद्गीता है। भारत में गुप्तकाल में लिखे नाटकों के विषय में उल्लेखनीय है कि ये सभी नाटक सुखान्त हैं। दुखान्त नाटक एक भी नहीं मिलता | Abhigyanasakuntalam is the first Indian work, translated into European languages. The second such composition is the Bhagavad Gita. It is noteworthy that the plays written during the Gupta period in India are all happy. Sad drama doesn't get any
- 4) निम्न वर्गों के लोग भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलते थे, जबकि उच्च वर्ग संस्कृत | People from lower classes spoke different languages, while upper class Sanskrit
- 5) बुद्धघोष ने हीनयान धर्म पर प्रसिद्ध ग्रंथ विसुद्धिमग्ग लिखा।
- 6) जैन ग्रंथों में आचार्य सिद्धसेन का न्यायावतार सबसे प्रसिद्ध है
- 7) गुप्त युग में बौद्ध दर्शन पर भी अनेक ग्रंथों की रचना हुई। असंग, महायान धर्म का प्रकाण्ड विद्वान था
- 8) बसुबन्धु ने अभिधर्मकोश लिखा। इसमें बौद्ध धर्म के मौलिक सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया गया है

246

- गुप्तकाल में विष्णु शर्मा द्वारा लिखित पंचतंत्र (संस्कृत) को संसार का सर्वाधिक प्रचलित ग्रंथ माना जाता है। बाइबिल के बाद इसका स्थान दूसरा है। इसे पाँच भागों में बाँटा गया है | The Panchatantra (Sanskrit) written by Vishnu Sharma during the Gupta period is considered to be the most popular book in the world. It is the second place after the Bible. It is divided into five parts- -

1. मित्रभेद,
2. मित्रलाभ,
3. संधि-विग्रह,
4. लब्ध-प्रणाश,
5. अपरीक्षाकारित्व



247

नाटक	नाटककार	नाटक का विषय
1. अभिज्ञानशाकुंतलम्	कालिदास	दुष्यंत व शकुंतला की प्रेम कथा पर आधारित
2. मालविकाग्निमित्र	कालिदास	अग्निमित्र व मालविका की प्रेम-कथा पर आधारित है
3. विक्रमोर्वशीयम्	कालिदास	सम्राट पुरुरवा व उर्वशी अप्सरा की प्रेम-कथा पर आधारित है।
4. मुद्राराक्षस	विशाखदत्त	इस ऐतिहासिक नाटक में चन्द्रगुप्त मौर्य के मगध के सिंहासन पर बैठने की कथा का वर्णन किया गया है।
5. मृच्छकटिकम्	शूद्रक	इस नाटक में नायक चारूदत्त, नायिका वसंतसेना के अतिरिक्त राजा, ब्राह्मण, जुआरी, व्यापारी, वेश्या, चोर, एवं धूर्तदास का वर्णन है।
6. देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त	इस ऐतिहासिक नाटक में चन्द्रगुप्त द्वारा शकराज का वध कर ध्रुव-स्वामिनी से विवाह का वर्णन है
7 चारूदत्तम्	भास	इस नाटक का नायक चारूदत्त मूलतः भास की कल्पना है
8. स्वप्नवासवदत्तम्	भास	इसमें महाराज उदायिन व वासवदत्ता की प्रेमकथा का वर्णन है

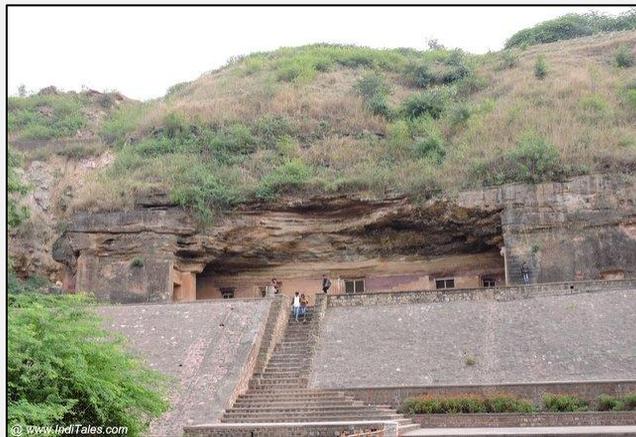
248

8. गुप्तकालीन वास्तुकला | Gupta Architecture

- 1) अजन्ता में निर्मित कुल 29 गुफाओं में वर्तमान में केवल 6 ही शेष हैं, जिनमें गुफा संख्या 16 एवं 17 ही गुप्तकालीन है | Of the total 29 caves built in Ajanta, currently only 6 are left, of which cave number 16 and 17 are Gupta.
- 2) इसमें गुफा संख्या 16 में उत्कीर्ण मरणासन्न राजकुमारी का चित्र प्रशंसनीय है | In it, the picture of a dying princess engraved in cave number 16 is admirable.
- 3) गुफा संख्या 17 के चित्र को चित्रशाला कहा गया है। इस चित्रशाला में बुद्ध के जन्म, जीवन, महाभिनष्करमण एवं महापरिनिर्वाण की घटनाओं से संबंधित चित्र उद्धृत किये गये हैं | The picture of cave number 17 is called Chitrasahala. In this Chitrasahala, pictures related to the birth, life, events of Mahabhinishkaraman and Mahaparinirvana are quoted.
- 4) अजन्ता की गुफाएँ बौद्धधर्म की महायान शाखा से संबंधित हैं | The caves of Ajanta belong to the Mahayana branch of Buddhism.

249

- 4) गुप्तकाल में निर्मित अन्य गुफा बाघ की गुफा है, जो बाघ (जिला-धार, म. प्र.) नामक स्थान पर विंध्यपर्वत को काटकर बनायी गयी थी | Another cave built during the Gupta period is the tiger cave, which was built by cutting Vindhyaparvat at a place called tiger (District-Dhar, M.P.).
- 5) मंदिर बनाने की कला का जन्म गुप्तकाल में ही हुआ | The art of temple making originated in the Gupta period itself



250

मंदिर	स्थिति
1. ऐरण का विष्णु मंदिर	ऐरण, सागर जिला, मध्य प्रदेश
2. भूमरा का शिव मंदिर	भूमरा, सतना जिला, मध्य प्रदेश
3. साँची का मंदिर	साँची, रायसेन जिला, मध्य प्रदेश
4. पिपरिया का विष्णु मंदिर	पिपरिया, सतना जिला, मध्य प्रदेश
5. तिगवा का कंकाली देवी मंदिर	तिगवा, जबलपुर, मध्य प्रदेश
6. तिगवा का विष्णु मंदिर	तिगवा, जबलपुर, मध्य प्रदेश
7. नचना-कुठार का पार्वती नचना मंदिर	कुठार, पन्ना (मध्य प्रदेश)
8. नागोद का शिव मंदिर	नागोद, सतना जिला, मध्य प्रदेश
9. खोह का शिव मंदिर	खोह, सतना जिला, मध्य प्रदेश
10. मढ़ी का मंदिर	मढ़ी, जबलपुर जिला, मध्य प्रदेश

251

9. गुप्तकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी | Gupta science and technology

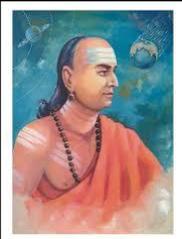
1) आर्यभट्ट | Aryabhata (जन्म - 499 ई. पटना में)



- I. आर्यभट्ट का प्रसिद्ध ग्रन्थ **आर्यभटीयम्** है। उनके अन्य ग्रन्थ **दशगीतिक सूत्र** और **आर्याष्टशतक** हैं | The famous text of Aryabhata is Aryabhatiyam. His other texts are the Deccan Sutras and the Aryashtashakta
- II. आर्यभट्ट ने **पृथ्वी को गोल बताया** और उसकी परिधि का अनुमान किया | Aryabhata called the earth round and estimated its circumference.
- III. आर्यभट्ट ने **दशमलव प्रणाली** की भी विवेचना की। आर्यभट्ट का शून्य, तथा दशमलव सिद्धान्त सर्वथा नयी देन थी | Aryabhata also discussed the decimal system. Aryabhata's zero, and decimal theory were the new foundations.

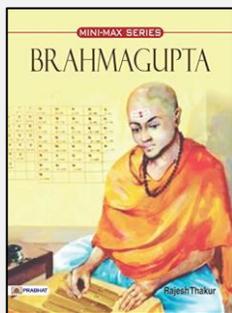
252

2) वाराहमिहिर | Varahamihira (550 ई.)



- I. आर्यभट्ट के बाद दूसरा प्रसिद्ध गुप्तकालीन गणितज्ञ एवं ज्योतिषी वाराहमिहिर है | Varahamihira is the second famous Gupta mathematician and astrologer after Aryabhata.
- II. उनके छः ग्रन्थ उल्लेखनीय हैं- पंथ सिद्धान्तिका, विवाहपटल, यौगमाया, बृहत्संहिता, बृहज्जातक और लघुजातक

3) ब्रह्मगुप्त | Brahmagupta (598 ई.)



- I. ब्रह्मगुप्त भी गुप्तकालीन गणितज्ञ थे | Brahmagupta was also a mathematician of the Gupta period.
- II. इन्होंने ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त नामक ग्रन्थ की रचना की। ब्रह्मगुप्त ने बाद में खंडखाद्य और ध्यानग्रह की रचना की | He composed a book called Brahmasfutasiddhanta. Brahmagupta later composed Khandakhadya and Dhyanaagraha

253



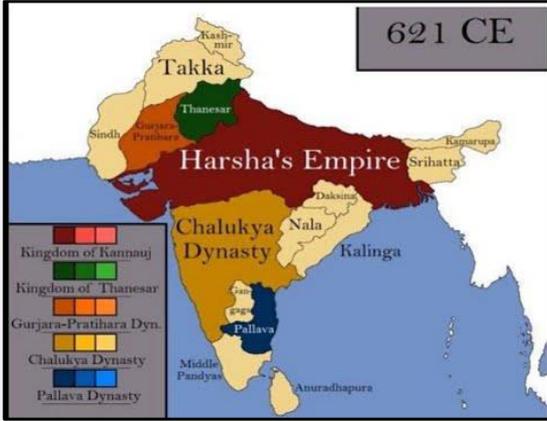
4) चिकित्सा | Medical

- I. धन्वंतरि आयुर्वेद का प्रसिद्ध विद्वान् थे। इसे चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की राजसभा का सदस्य माना गया | Dhanvantari was a famous scholar of Ayurveda. It was considered a member of Chandragupta Vikramaditya's Rajya Sabha.
- II. गुप्तकाल का प्रसिद्ध रसायनशास्त्री एवं धातु विज्ञान वेत्ता नागार्जुन थे | Nagarjuna was the famous chemist and metallurgist of Gupta period.

254

अध्याय | Chapter - 22

पुष्यभूति वंश या वर्धन वंश | Pushyabhuti Dynasty or Vardhan Dynasty



- गुप्त वंश के पतन के बाद जिन नये राजवंशों का उद्भव हुआ, उनमें मैत्रक, मौखरि, पुष्यभूति, परवर्ती गुप्त और गौड़ प्रमुख हैं। इन राजवंशों में पुष्यभूति वंश के शासकों ने सबसे विशाल साम्राज्य स्थापित किया | Among the new dynasties that emerged after the decline of the Gupta dynasty, Maitraka, Maukhari, Pushyabhuti, the latter Guptas and Gaur are prominent. The rulers of the Pushyabhuti dynasty established the largest empire among these dynasties.

255

राजवंश	स्थान	प्रमुख शासक	उपलब्धि
1. मैत्रक	बल्लभी	भट्टार्क, धर्मसेन चतुर्थ	गुप्तोत्तर काल के नवोदित राज्यों पर सबसे लम्बे समय तक शासन किया
2. मौखरि	कन्नौज	हरिवर्मा, ईसानवर्मा, सर्ववर्मा	इन्होंने हुणों को पराजित कर पूर्वी भारत को उनके आक्रमण से बचाया
3. पुष्यभूति	थानेश्वर	पुष्यभूति, प्रभाकर वर्धन, राज्यवर्धन, हर्षवर्धन	गुप्तों के उपरान्त उत्तर भारत में सबसे विशाल राज्य स्थापित किया
4. परवर्ती गुप्त	मगध	महासेन गुप्त	मौखरियों से राजनीतिक प्रतिद्विदिता रही
5. चन्द्र (गौड़)	बंगाल	शशांक	थानेश्वर एवं कन्नौज शासकों से इसकी शत्रुता रही

256

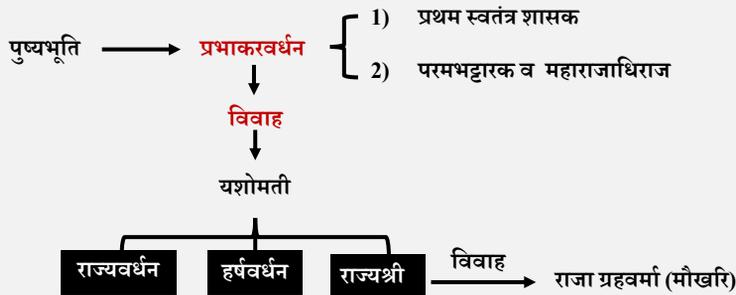
1. पुष्यभूति वंश : परिचय | Pushyabhuti Dynasty: Introduction

पुष्यभूति → प्रभाकरवर्धन → राज्यवर्धन → हर्षवर्धन

1. संस्थापक | **Founder** - पुष्यभूति | Pushyabhuti

2. राजधानी | **Capital** - थानेश्वर कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

3. प्रमुख शासक | **Chief ruler** :-



257

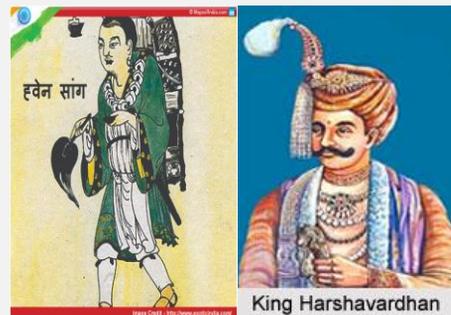
- 4) मालवा के शासक देवगुप्त ने ग्रहवर्मा की हत्या कर दी और राज्यश्री को बंदी बनाकर कारागार में डाल दिया | The ruler of Malwa, Devagupta killed Grahavarma and imprisoned Rajyashree and put him in prison.
- 5) राज्यवर्द्धन ने देवगुप्त को मार डाला, परंतु देवगुप्त के मित्र गौड़ नरेश शशांक ने धोखा देकर राज्यवर्द्धन की हत्या कर दी | Rajyavardhana killed Devagupta, but Gaud Naresh Shashank, a friend of Devagupta, betrayed and killed Rajyavardhana.
- 6) शशांक शैव धर्म का अनुयायी था। इसने बोधिवृक्ष (बोधगया) को कटवा दिया | Shashank was a follower of Shaivism. This caused Bodhivriksha (Bodh Gaya) to be cut.

258

2. हर्षवर्धन | Harshavardhan (606-647AD)

1. 606 AD - 16 वर्ष की आयु में शासक | Ruler at the age of 16
2. उपाधि | Title - शिलादित्य/ परमभट्टारक | Shiladitya / parambhattarak
3. राजधानी | Capital - कन्नौज | Kannauj
4. बौद्ध भिक्षु दिवाकर मिश्र के सहयोग से बहन राज्यश्री को खोजा | Sister Rajyashree discovered in collaboration with Buddhist monk Diwakar Mishra
5. चीनी यात्री हेनसांग भारत आया | Chinese traveler Hensang came to India

↓
पुस्तक | Book - सि- यु -की | Si-Yu-Ke



259

6. चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने हराया | Chalukya ruler Pulakeshin II defeated

जानकारी Information



रवि कीर्ति के ऐहोल अभिलेख | Aihole
inscriptions of Ravi Kirti

कश्मीर छोड़कर पूरे उत्तर भारत पर हर्ष का अधिकार | Harsh
right over North India except Kashmir



भारत का अंतिम हिंदू सम्राट | Last
Hindu Emperor of India

260

2.1) हर्षकालीन तथ्य | Fact's of Harsh Period

- 1) दरबारी कवि → बाणभट्ट → हर्षचरित व कादंबरी Harshchrit And Kadambari
- 2) मयूर | Mayoor :- मयूरशतक या सूर्य शतक | Mayoorashatak And Sourya shatak
- 3) हर्षवर्धन | Harshavardhan :- नागानंद, रत्नावली व प्रियदर्शिका (संस्कृत) | Nagananda Ratnavali and Priyadarshika (Sanskrit)
- 4) हर्ष प्रारंभ में शैव परंतु बाद में बौद्ध (महायान) | Harsha initially Shaiva but later Buddhist (Mahayana)
- 5) हर्ष के समय में नालंदा महाविहार महायान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रधान केंद्र था | Nalanda Mahavihara was the main center of Mahayana Buddhism education during Harsha's time.
- 6) हर्ष के समय में प्रयाग में प्रति पाँचवें वर्ष एक समारोह आयोजित किया जाता था जिसे महामोक्षपरिषद कहा जाता था ह्वेनसांग स्वयं 6ठे समारोह में सम्मिलित हुआ | At the time of Harsha, a ceremony was held in Prayag every fifth year, which was called Mahamoksha Parishad, Hieun Tsang himself attended the 6th ceremony.

261

2.2) हर्षकालीन प्रशासन Administration of Harsh Period

1. हर्ष के अधीनस्थ शासक महाराज अथवा महासामन्त कहे जाते थे | The subordinate ruler of Harsha was called Maharaj or Mahasamant.
2. हर्ष के मंत्रीपरिषद के मंत्री को सचिव या आमाल्य कहा जाता था | The minister of Harsha's Council of Ministers was called the Secretary or Amatya.
3. प्रशासन की सुविधा के लिए हर्ष का साम्राज्य कई प्रांतों में विभाजित था | प्रांत को भूक्ति कहा जाता था | प्रत्येक भूक्ति का शासक राजस्थानीय, उपरिक अथवा राष्ट्रीय कहलाता था | Harsha's empire was divided into several provinces to facilitate administration. The province was called Bhukti. The ruler of each land was called Rajasthani, Upper or National.
4. भूक्ति का विभाजन जिलों में हुआ था | जिले की संज्ञा थी विषय, जिसका प्रधान विषयपति होता था। विषय के अन्तर्गत कई पाठक (आधुनिक तहसील) होते थे | Bhukti was divided into districts. The noun of the district was the subject, whose head was the subject. There were many readers (modern tehsils) under the subject.

262

5. ग्राम, शासन की सबसे छोटी इकाई थी। ग्राम शासन का प्रधान **ग्रामाक्षपटलिक** कहा कुन्तल जाता था | The village was the smallest unit of governance. The head of the village government was known as Gramakshapatrik Kuntal.
6. **पुलिस कर्मियों को चाट या भाट** कहा गया है। दण्डपाशिक तथा दाण्डिक पुलिस विभाग के अधिकारी होते थे | Police personnel are called chaat or bhat. There were officers of criminal and criminal police departments.
7. हर्षचरित में सिंचाई के साधन के रूप में **तुलायंत्र (जलपंप)** का उल्लेख मिलता है | In Harshacharit there is mention of tulantra (water pump) as a means of irrigation.
8. हर्ष के समय **मथुरा सूती वस्त्रों के निर्माण** के लिए प्रसिद्ध था | Mathura was famous for the manufacture of cotton textiles during the time of Harsha.
9. हर्षचरित में **प्रान्तीय शासक के लिए 'लोकपाल'** शब्द आया है | The word 'Lokpal' for the provincial ruler has come in the delightful

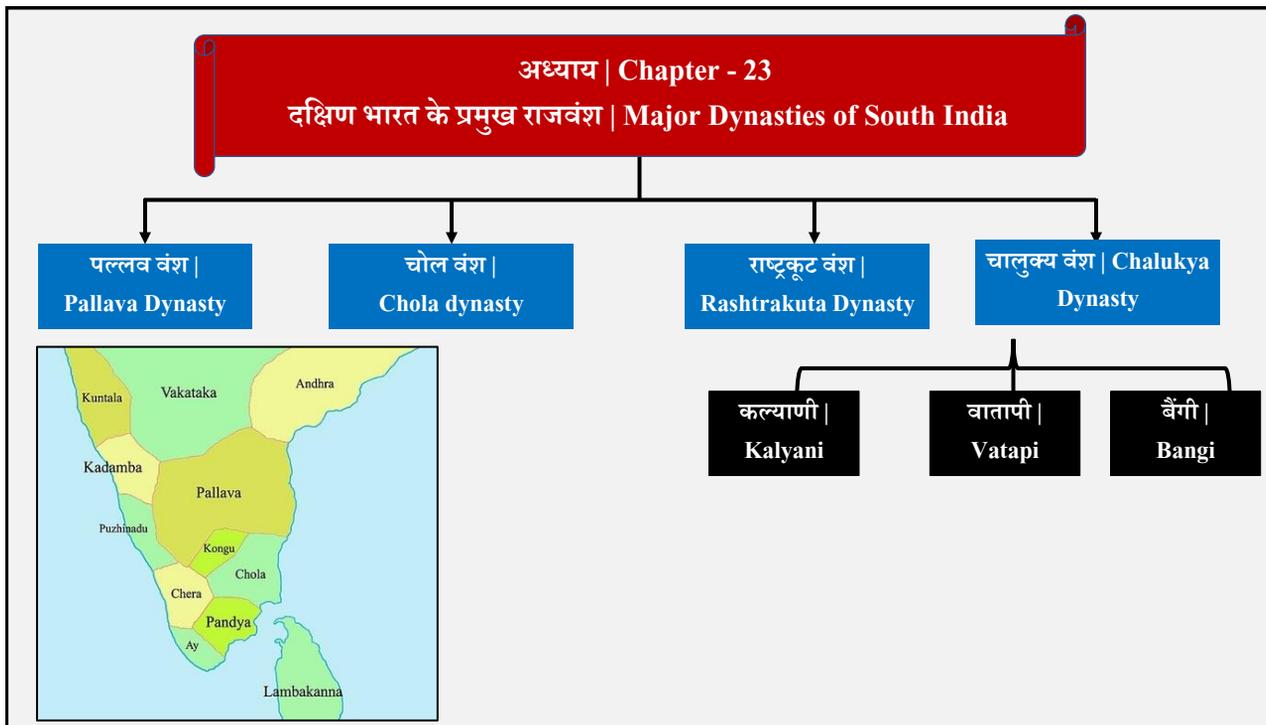
263

हर्षचरित के अनुसार हर्ष की मंत्रीपरिषद

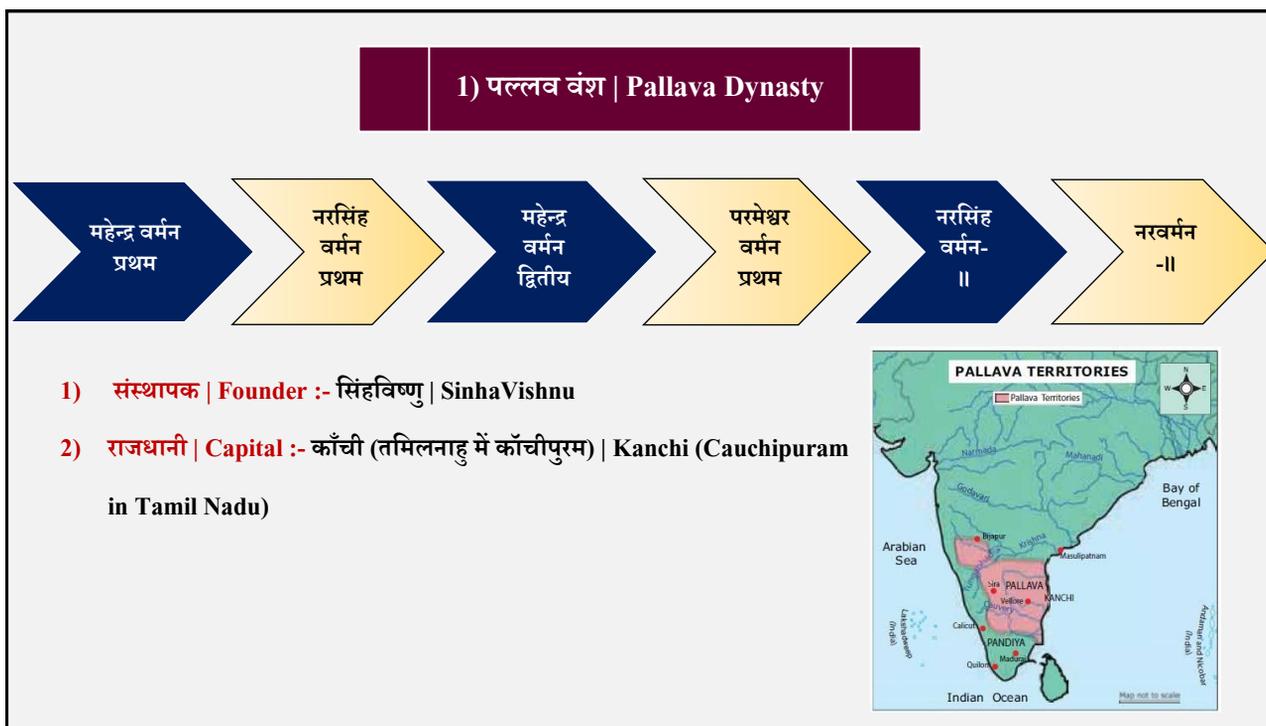
भण्डि	प्रधान सचिव
सिंहनाद	प्रधान सेनापति
कुन्तल	अश्व सेना का प्रधान
स्कन्दगुप्त	गज सेना का प्रमुख

10. हर्ष के समय में भी शासन-व्यवस्था का स्वरूप राजतन्त्रात्मक था। राजा अपनी **दैवीय उत्पत्ति** में विश्वास करता था | Even in Harsha's time, the form of governance was political. The king believed in his divine origin
11. हर्ष ने पदाधिकारियों को शासनपत्र (सनद) के द्वारा **जमीन देने की प्रथा** चलाई | Chaliharsha carried out the practice of giving land to the officials by government letter (sanad)
12. ह्वेनसांग के अनुसार हर्ष ने कश्मीर से गौतम बुद्ध का दांत लाकर कन्नौज के निकट एक संघाराम में स्थापित किया | According to Hieun Tsang, Harsha brought the tooth of Gautam Buddha from Kashmir and established it in a Sangharam near Kainauj.

264



265



266

- 4) **मतविलास प्रहसन** की रचना **महेन्द्रवर्मन** ने की थी | Matvilayas skit was composed by Mahendravarman.
- 5) महेन्द्रवर्मन शुरू में जैन-मतावलंबी था, परन्तु बाद में **तमिल संत अप्पर के प्रभाव में आकर शैव** बन गया था | Mahendravarman was initially a Jain-henchman, but later became Shaiva under the influence of the Tamil saint Appar.
- 6) **महावलीपुरम् के एकाश्म मंदिर** जिन्हें **रथ** कहा गया है, का निर्माण **पल्कव राजा नरसिंह वर्मन प्रथम** के द्वारा करवाया गया था | The monolithic temple of Mahabalipuram called Rath was built by the Palkava king Narasimha Varman I.
- 7) **बातपीकोण्ड व महामल्ल की उपाधि नरसिंहवर्मन-1** ने धारण की थी। इसके शासन काल में **चीनी यात्री Hiuen Tsang काँची** आया था | The title of Batpikond and Mahamall was held by Narasimhavarman-1. During its rule, the Chinese traveler came to Hunsatag Conchi.



267

- 8) **परमेश्वर वर्मन प्रथम** शैवमतानुयायी था | उसने **लोकादित्य, एकमल्ल, रणजय, अत्यन्तकाम, उग्रदण्ड, गुणभाजन** आदि की उपाधियाँ ग्रहण की थी। इसने **मामल्लपुरम में गणेश मंदिर का निर्माण** करवाया था | Parmeshwar Varman was the first Shaivamataniyayi. He took the titles of Lokaditya, Ekamalla, Ranjay, Atikakam, Ugradanda, Gunabhajan etc. He built the Ganesh temple at Mamallapuram.
- 9) **अरबों के आक्रमण के समय पल्लवों का शासक नरसिंहवर्मन-II** था। उसने काँची के **कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण** करवाया जिसे **राजसिद्धेश्वर मंदिर** भी कहा जाता है |
- 10) इसी मंदिर के **निर्माण से द्रविड़ स्थापत्य कला** की शुरुआत हुई। (**महावलिपुरम् में शोरे मंदिर का निर्माण भी नरसिंहवर्मन-II ने किया** | Dravidian architecture began with the construction of this temple. (Narasimhavarman-II also built the Shore Temple at Mahavalipuram .



268

2) चोल वंश | Chola dynasty

1. **संस्थापक | Founder :-** विजयालय (850-87 ई.)
2. **राजधानी | Capital :-** तांजाय (तंजौर या तंजावूर)
3. तंजावूर का वास्तुकार **कुंजरमल्लन राजराज पेरूथच्चन** थे | The architect of Thanjavur was Kunjaramallan Rajaraja Peruthachan
4. चोलों का **स्वतंत्र राज्य आदित्य प्रथम** ने स्थापित किया। पल्लवों पर विजय पाने के उपरान्त आदित्य प्रथम ने **कोदण्डराम** की उपाधि धारण की | Aditya I, an independent Chola kingdom, was established. After conquering the Pallavas, Aditya I assumed the title of Kodandaram .
5. **राजराज प्रथम ने श्रीलंका** पर आक्रमण किया। वहाँ के राजा महिम-V को भागकर श्रीलंका के दक्षिण जिला रोहण में शरण लेनी पड़ी | Rajaraja I invaded Sri Lanka. King Mahim-V of there had to flee and take refuge in Rohan, South District of Sri Lanka.

269

6. **राजराज-1** शव धर्म का अनुयायी था। इसने **तंजौर में राजराजेश्वर का शिवमंदिर** बनाया | Rajaraja-1 was a follower of corpse religion. It built the Shivamir of Rajarajeshwar in Tanjir.
7. चोल साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार **राजेन्द्र प्रथम** के शासनकाल में हुआ है। बंगाल के पाल शासक महिपाल को पराजित करने के बाद **राजेन्द्र प्रथम ने गंगेकोडचोल** की उपाधि धारण की | The greatest expansion of the Chola Empire took place during the reign of Rajendra I. After defeating the Pala ruler Mahipal of Bengal, Rajendra I assumed the title of Gangekodchol.
8. **कलोतुंग-II** ने चिदम्बरम् मंदिर में स्थित **गोविन्दराज (विष्णु)** की मूर्ति को समुद्र में फेंकवा दिया। कालान्तर में वैष्णव आचार्य **रामानुजाचार्य** ने उक्त मूर्ति का पुनरुद्धार किया और उसे तिरुपति के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित किया | Kalotung-II threw the idol of Govindaraja (Vishnu) in the Chidambaram temple into the sea. Later, Vaishnav Acharya Ramanujacharya revived the said idol and established his life in the temple of Tirupati.

270

10. स्थानीय स्वशासन चोल प्रशासन की मुख्य विशेषता थी | Local self-government was the main feature of Chola administration.
11. उर सर्वसाधारण लोगों की समिति थी, जिसका कार्य होता था सार्वजनिक कल्याण के लिए तालाबों और बगीचों के निर्माण हेतु गाँव की भूमि का अधिग्रहण करना था | Ur was the committee of the common people, whose task was to acquire village land for the construction of ponds and gardens for public welfare.
12. सभा या महासभा : यह मूलतः अग्रहारों और ब्राह्मण बस्तियों की सभा थी, जिसके सदस्यों को पेरुमक्कल कहा जाता था
13. व्यापारियों की सभा को नगरम कहते थे | The assembly of traders was called Nagaram .

271

14. पर्सी ब्राऊन ने तंजौर के बृहदेश्वर मंदिर के विमान को भारतीय वास्तुकला का निकष माना है। चोलकालीन नटराज प्रतिमा को चोल कला का सांस्कृतिक सार या निचोड़ कहा जाता है | Percy Braun considers the aircraft at the Brihadeeswarar temple in Tanjore to be a masterpiece of Indian architecture. The Chola Nataraja statue is said to be the cultural essence or niches of the Chola art.
15. चोलकाल (10वीं सदी) का सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाह कावेरीपथनम था | The most important port of the Chola period (10th century) was Kaveripathnam.
16. विष्णु के उपासक अलवार व शिव के उपासक नयनार संत कहलाते थे | The worshipers of Vishnu were called Alvars and Nayanar saints of Shiva.

272

उत्तरमेरु अभिलेख के अनुसार सभा की सदस्यता

1.	सभा की सदस्यता के लिए इच्छुक लोगों को ऐसी भूमि का स्वामी होना चाहिए, जहाँ से भू-राजस्व वसूला जाता है
2.	उनके पास अपना घर होना चाहिए
3.	उनकी उम्र 35 से 70 के बीच होनी चाहिए।
4.	उन्हें वेदों का ज्ञान होना चाहिए
5.	उन्हें प्रशासनिक मामलों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और ईमानदार होना चाहिए
6.	यदि कोई पिछले तीन सालों में किसी समिति का सदस्य रहा है तो वह किसी और समिति का सदस्य नहीं बन सकता
7.	जिसने अपने या अपने संबंधियों के खाते जमा नहीं कराए हैं, वह चुनाव नहीं लड़ सकता

273

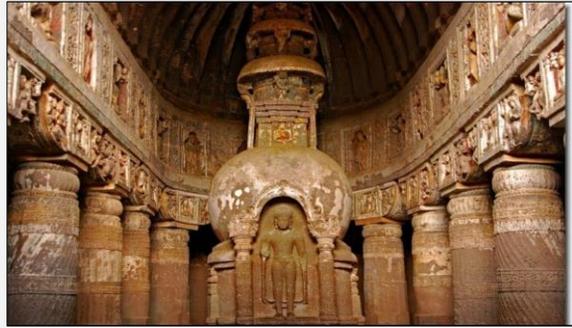
3) राष्ट्रकूट



- 1) **संस्थापक | Founder :-** दन्तिदुर्ग (752 ई.)
- 2) शुरुआत में वे कर्नाटक के चालुक्य राजाओं के अधीन थे | Initially they were under the Chalukya kings of Karnataka
- 3) इसकी राजधानी मन्किर या मान्यखेत (वर्तमान मालखेड़, शोलापुर के निकट) थी | Its capital was Mankir or Manyakhet (near present Malkhed, Sholapur)
- 4) एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था | The famous Kailash temple of Ellora was built by Krishna I

274

- 5) ध्रुव राष्ट्रकूट वंश का पहला शासक था, जिसने कन्नौज पर अधिकार करने हेतु त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लिया और प्रतिहार नरेश वत्सराज एवं पाल नरेश धर्मपाल को पराजित किया | Dhruva was the first ruler of the Rashtrakuta dynasty, who participated in a tripartite struggle to capture Kannauj and defeated Pratihara Naresh Vatsaraja and Pal Naresh Dharmapala.
- 6) एलोरा एवं एलिफेंटा (महाराष्ट्र) गुहामंदिरों का निर्माण राष्ट्रकूटों के समय ही हुआ। एलोरा में 34 शैलकृत गुफाएँ हैं। इसमें 1 से 12 तक बौद्धों, 13 से 29 तक हिन्दुओं एवं 30 से 34 तक जैनों की गुफाएँ हैं। बौद्ध गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध विश्वकर्मा गुफा (संख्या-10) है इसमें एक चैत्य है। floors.



275

- 8) एलोरा की गुफा 15 में विष्णु को नरसिंह अर्थात पुरुष-सिंह के रूप दिखलाया गया है | In cave 15 of Ellora, Vishnu is shown as Narasimha i.e. Purush-lion.
- 9) एलोरा गुफाओं का सर्वप्रथम उल्लेख फ्रांसीसी यात्री थेविनेट ने 17वीं शताब्दी में किया था | The Ellora caves were first mentioned by the French traveler Thevinet in the 17th century
- 10) राष्ट्रकूट शैव, वैष्णव, शाक्त सम्प्रदायों के साथ-साथ जैन धर्म के भी उपासक थे। राष्ट्रकूटों ने अपने राज्यों में मुसलमान व्यापारियों को बसने तथा इस्लाम के प्रचार की स्वीकृति दी थी | The Rashtrakutas were worshipers of the Shaiva, Vaishnavite, Shakta sects as well as Jainism. The Rashtrakutas allowed Muslim merchants to settle in their states and propagate Islam.

276

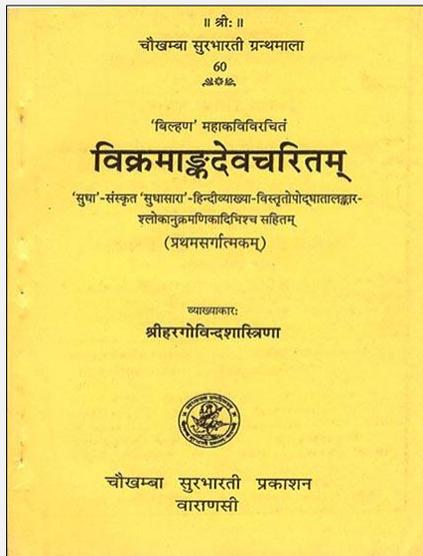
4) चालुक्य वंश | Chalukya Dynasty

4.1) कल्याणी | Kalyani



1. कल्याणी के चालुक्य वंश की स्थापना तैलप-II ने की थी | The Chalukya dynasty of Kalyani was founded by Tailap-II.
2. राजधानी | Capital :- मान्यखेट
3. सोमेश्वर प्रथम ने मान्यखेट से राजधानी हटाकर कल्याणी (कर्नाटक) को बनाया। इस वंश का सबसे प्रतापी शासक विक्रमादित्य-VI था | Someshwar I removed the capital from Manyakhet to make Kalyani (Karnataka). The most powerful ruler of this dynasty was Vikramaditya-VI.

277



4. विल्हण एवं विज्ञानेश्वर विक्रमादित्य-VI के दरबार में ही रहते थे | Wilhan and Vigyaneshwar lived in the court of Vikramaditya-VI.
5. मिताक्षरा (हिन्दू विधि ग्रंथ, याज्ञवल्क्य स्मृति पर व्याख्या) नामक ग्रंथ की रचना महान विधिवेत्ता विज्ञानेश्वर ने की थी | The treatise called Mitakshara (Hindu law treatise, interpretation on Yajnavalkya Smriti) was composed by the great jurist Vigyaneshwar
6. विक्रमांकदेवचरित की रचना विल्हण ने की थी | इसमें विक्रमादित्य-VI के जीवन पर प्रकाश डाला गया है | Vikramankadevacharit was composed by Wilhan. It highlights the life of Vikramaditya-VI.

278

4.2) वातापी | Vatapi



- 1) जयसिंह ने वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना की | Jaisingh established the Chalukya dynasty of Vatapi
- 2) राजधानी | Capital :- वातापी (बीजापुर के निकट) | Vatapi (near Bijapur)
- 3) पुलकेशिन-II ने हर्षवर्धन को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की थी। इसने 'दक्षिणापथेश्वर' की उपाधि भी धारण की थी | Pulakeshin-II defeated Harshavardhana and assumed the title of God. It also held the title of 'Dakshinapatheshwar'
- 4) पल्लववंशी शासक नरसिंह वर्मन प्रथम ने पुलकेशिन-II को लगभग 642 ई. में परास्त किया और उसकी राजधानी बादामी पर अधिकार कर लिया। संभवतः इसी युद्ध में पुलकेशिन-II मारा गया। इसी विजय के बाद नरसिंहवर्मन ने 'वातापिकोड' की उपाधि धारण की |

279

अध्याय | Chapter - 24 सीमावर्ती राजवंशों का अभ्युदय

1) पालवंश | Pal Dynasty

- 1) पालवंश का संस्थापक गोपाल (750 ई.) था। इस वंश की राजधानी मुंगेर थी। पाल शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे | The founder of the Pala dynasty was Gopal (750 AD). The capital of this dynasty was Munger. Pala rulers were followers of Buddhism
- 2) गोपाल ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना की थी | Gopal Odantpuri University was founded
- 3) पालवंश का सबसे महान शासक धर्मपाल था जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी | The greatest ruler of the Pala dynasty was Dharmapala, who founded the Vikramashila University.
- 4) कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष पालवंश, गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ। इसमें पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ था | The tripartite struggle for Kannauj took place between the Pala dynasty, the Gurjara Pratihara dynasty and the Rashtrakuta dynasty. Dharmapala was the first to be included in this from the Palavans

280

2) सेनवंश | Sen dynasty

- 1) सेनवंश की स्थापना सामन्त सेन ने राढ़ में की थी | The dynasty was founded by Samanta Sen in the Rath
- 2) राजधानी | Capital :- नदिया (लखनौती) | Nadia (Lakhnauti)
- 3) सेनवंश के प्रमुख शासक विजयसेन, बल्लाल सेन एवं लक्ष्मण सेन थे | The principal rulers of the Sena dynasty were Vijaysen, Ballal Sen and Laxman Sen.
- 4) दानसागर एवं अद्भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना सेन शासक बल्लालसेन ने की थी। अद्भुत सागर को लक्ष्मण सेन ने पूर्णरूप दिया था | The treatise named Danasagar and Adabhut Sagar was composed by Sen. ruler Ballalasen. Laxman Sen had given the wonderful ocean a complete look
- 5) लक्ष्मण सेन की राज्यसभा में गीतगोविन्द के लेखक जयदेव, पवनदूत के लेखक धोयी एवं ब्राह्मणसर्वस्व के लेखक हलायुद्ध रहते थे | In Rajya Sabha of Laxman Sen, there lived Jaydev, the author of Geetgovind, Dhoyi, the author of Pawandoot and the author of Brahminserva, Halayudh.

281

अध्याय | Chapter - 25 राजपूत राजवंशों की उत्पत्ति

1) गुर्जर प्रतिहार वंश

- 1) मालवा का शासक नागभट्ट प्रथम गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक था | Nagabhatta, the ruler of Malwa, was the founder of the first Gurjara Pratihara dynasty.
- 2) नागभट्ट-II को राष्ट्रकूट सम्राट गोविन्द-III ने हराया था | Nagabhatta-II was defeated by Rashtrakuta emperor Govind-III.
- 3) प्रतिहार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रतापी राजा मिहिरभोज था | The most powerful and powerful king of the Pratihara dynasty was Mihirbhoja.

282

- 4) **मिहिरभोज ने अपनी राजधानी कन्नौज में बनाई थी। वह विष्णुभक्त था, उसने विष्णु के सम्मान में आदि वराह की उपाधि ग्रहण की।**
Mihirbhoj made his capital at Kannauj. He was a devotee of Vishnu, he assumed the title of Adi Varaha in honor of Vishnu.
- 5) **राजशेखर प्रतिहार शासक महेन्द्रपाल के दरबार में रहते थे | Rajasekhara Pratihara lived in the court of ruler Mahenderpal.**
- 6) **इस वंश का अंतिम राजा यशपाल (1036 ई.) था | The last king of this dynasty was Yashpal (1036 AD)**

283

2) गहड़वाल (राठौर राजवंश) | Gahadwal (Rathore Dynasty)

- 1) **गहड़वाल वंश का संस्थापक चन्द्रदेव था | The founder of the Gahadwal dynasty was Chandradeva.**
- 2) **राजधानी | Capital :- वाराणसी | Varanasi**
- 3) **पृथ्वीराज-III ने स्वयंवर से जयचन्द की पुत्री संयोगिता का अपहरण कर लिया था | Prithviraj-III kidnapped Jayachand's daughter Sanyogita from Swayamvar .**
- 4) **इस वंश का अंतिम शासक जयचन्द था, जिसे गोरी ने 1194 ई. के चन्दावर युद्ध में मार डाला | The last ruler of this dynasty was Jaichand, who was killed by Ghori in the Chandavar war of 1194 AD.**

284

3) चाहमान या चौहान वंश | Chahman or Chauhan Dynasty

- 1) चौहान वंश का संस्थापक वासुदेव था | The founder of the Chauhan dynasty was Vasudev.
- 2) इस वंश की प्रारंभिक राजधानी अहिच्छत्र थी। बाद में अजयराज द्वितीय ने अजमेर नगर की स्थापना की और उसे राजधानी बनाया | The early capital of this dynasty was Ahichatra. Later Ajayraj II founded the city of Ajmer and made it the capital.
- 3) इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक विग्रहराज चतुर्थ वीसलदेव (1153-1163 ई.) हुआ, जिसने हरिकेलि नामक संस्कृत नाटक की रचना की | The most powerful ruler of this dynasty was Vighrahaja IV Visaladeva (1153-1163 AD), the son of Arnoraja, who composed the Sanskrit drama called Harikeli.
- 4) सोमदेव विग्रहराज-IV के राजकवि थे। इन्होंने ललित विग्रहराज नामक नाटक लिखा | Somdev was the poet of Vighraharaj-IV. He wrote a play called Lalit Vighraharaj

285

- 5) पृथ्वीराज-III इस वंश का अंतिम शासक था। चन्दवरदाई पृथ्वीराज तृतीय का राजकवि था, जिसकी रचना पृथ्वीराजरासो है | Prithviraj-III was the last ruler of this dynasty. Chandavardai was the prince of Prithviraj III, whose composition is Prithvirajasso.
- 6) रणथम्भौर के जैन मंदिर का शिखर पृथ्वीराज III ने बनवाया था | The peak of the Jain temple of Ranthambore was built by Prithviraj III.
- 7) तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में हुआ, जिसमें पृथ्वीराज तृतीय की विजय एवं गौरी की हार हुई | The first battle of Tarain took place in 1191 AD, in which Prithviraj III's victory and Gauri were defeated.
- 8) तराइन के द्वितीय युद्ध 1192 ई. में हुआ, जिसमें गौरी की विजय एवं पृथ्वीराज तृतीय की हार हुई | The Second Battle of Tarain took place in 1192 AD, in which the victory of Gauri and the defeat of Prithviraj III.

286

4) परमार वंश | Parmar Dynasty

- 1) संस्थापक | **Founder :-** उपेन्द्रराज | Upendraraj .
- 2) इसकी राजधानी धारा नगरी थी। (प्राचीन राजधानी-उज्जैन) | Its capital was Dhara Nagri. (Ancient Capital- Ujjain)
- 3) परमार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक राजा भोज था | The most powerful ruler of the Parmar dynasty was King Bhoja.
- 4) राजा भोज ने भोपाल के दक्षिण में भोजपुर नामक झील का निर्माण करवाया | Raja Bhoj built a lake named Bhojpur in the south of Bhopal.
- 5) कविराज की उपाधि से विभूषित शासक था | The ruler decorated with the title of Kaviraj was the king - राजा भोज | Raja Bhoj
- 6) भोज ने अपनी राजधानी में सरस्वती मंदिर का निर्माण करवाया था | Bhoj built the Saraswati temple in his capital.

287

5) चन्देल वंश | Chandel Dynasty

- 1) प्रतिहार साम्राज्य के पतन के बाद बुंदेलखंड की भूमि पर चन्देल वंश का स्वतंत्र राजनीतिक इतिहास प्रारंभ हुआ।
- 2) बुंदेलखंड का प्राचीन नाम जेजाकभुक्ति है।
- 3) चन्देल वंश का संस्थापक नन्नुक (831 ई.) था
- 4) इसकी राजधानी खजुराहो थी। प्रारंभ में इसकी राजधानी कालिंजर (महोबा) थी। राजा धंग ने अपनी राजधानी कालिंजर से खजुराहो में स्थानान्तरित की थी |
- 5) चंदेल वंश का प्रथम स्वतंत्र एवं सबसे प्रतापी राजा यशोवर्मन था
- 6) यशोवर्मन ने कन्नौज पर आक्रमण कर प्रतिहार राजा देवपाल को हराया तथा उससे एक विष्णु की प्रतिमा प्राप्त की, जिसे उसने खजुराहो के विष्णु मंदिर में स्थापित की | Yashovarman attacked Kannauj and defeated Pratihara king Devpal and obtained from him a statue of Vishnu, which he installed in the Vishnu temple of Khajuraho.

288

- 5) धंग ने जिन्ननाथ, विश्वनाथ एवं वैद्यनाथ मंदिर का निर्माण करवाया।
- 6) कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण धंगदेव द्वारा 999 ई. में किया गया
- 7) धंग ने गंगा-जमुना के संगम में शिव की आराधना करते हुए अपने शरीर का त्याग किया |



289

6) सोलंकी वंश अथवा गुजरात के चालुक्य शासक | Solanki dynasty or Chalukya ruler of Gujarat

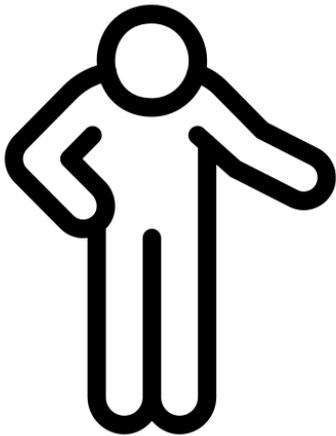
- 1) सोलंकी वंश का संस्थापक मूलराज प्रथम था | The founder of Solanki dynasty was Mulraj I.
- 2) राजधानी | Capital :- अन्हिलवाड़ | Anhilwad
- 3) मूलराज प्रथम शैवधर्म का अनुयायी था | Moolraj was the follower of the first Shaivism.
- 4) भीम प्रथम के शासनकाल में महमूद गज़नी ने सोमनाथ के मंदिर पर आक्रमण किया | During the reign of Bhima I, Mahmud Ghazni attacked the temple of Somnath.
- 5) भीम प्रथम के सामन्त बिमल ने आबू पर्वत पर दिलवाड़ा का प्रसिद्ध जैन मंदिर बनवाया | The feudal Bimal of Bhima I built the famous Jain temple of Dilwara on Mount Abu.
- 6) सोलंकी वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक जयसिंह सिद्धराज था The first powerful ruler of the Solanki dynasty was Jai Singh Siddharaj.

290

- 7) प्रसिद्ध जैन विद्वान हेमचन्द्र जयसिंह सिद्धराज के दरबार में था | Famous Jain scholar Hemachandra Jai Singh was in the court of Siddharaj.
- 8) माउण्ट आबू पर्वत (राजस्थान) पर एक मंडप बनाकर जयसिंह सिद्धराज ने अपने सातों पूर्वजों की गजारोही मूर्तियों की स्थापना की | Jai Singh Siddharaj established the gajarohi idols of his seven ancestors by building a pavilion on Mount Abu Mountains (Rajasthan).



291



**THANK
YOU!**

292

For PDFs – Join Our Telegram Channel



Abhiyaan

t.me/unacademyabhiyaan
Link

293

MY COURSES FOR MPPSC MAINS 2020 – “SGLIVE”

COMPLETE	2021	2022	FEATURES
<ol style="list-style-type: none"> Paper – IV (Ethics) Paper – V (Hindi) Indian Polity World Geography Geology 	<ol style="list-style-type: none"> Indian Geography Essay Writing Indian Economy Case Study Public Administration Sociology Environment M.P. 	<ol style="list-style-type: none"> Science Science & Technology History Ethics General Hindi 	<ol style="list-style-type: none"> Focus on Syllabus पाठ्यक्रम आधारित Complete Course संपूर्ण कोर्स Bilingual द्विभाषी Notes PDF Question – Answer Format

294

MPPSC & VYAPAM subscription

Choose a plan and proceed

No cost EMI available on 6 months & above subscription plans

<input type="radio"/> 1 month	₹1,600 <small>per month</small>	₹1,600 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input type="radio"/> 3 months	₹1,333 <small>per month</small> 17% OFF	₹4,000 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input type="radio"/> 6 months	₹1,200 <small>per month</small> 25% OFF	₹7,200 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input type="radio"/> 12 months	₹733 <small>per month</small> 54% OFF	₹8,800 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input checked="" type="radio"/> 24 months	₹533 <small>per month</small> 67% OFF	₹12,800 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>

Extend subscription from 01 Jan 2021 to 01 Jan 2023

SGLIVE Apply

Proceed to pay

MPPSC & VYAPAM subscription

Choose a plan and proceed

No cost EMI available on 6 months & above subscription plans

<input type="radio"/> 1 month	₹1,440 <small>per month</small>	₹1,440 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input type="radio"/> 3 months	₹1,200 <small>per month</small> 17% OFF	₹3,600 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input type="radio"/> 6 months	₹1,080 <small>per month</small> 25% OFF	₹6,480 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input type="radio"/> 12 months	₹660 <small>per month</small> 54% OFF	₹7,920 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>
<input checked="" type="radio"/> 24 months	₹480 <small>per month</small> 67% OFF	₹11,520 <small>Total (Incl. of all taxes)</small>

Extend subscription from 01 Jan 2021 to 01 Jan 2023

SGLIVE X

Proceed to pay

Awesome! You got 10% off

295